

GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0694**

Classification:

Original File No: F-8

Title

Letters and Correspondence, Secretary G.E.L.C

Volume:

Running from year: 1942

till year: 1947

Content:

- Letter of National Lutheran Council, 231 Madison Avenew, New york 16. N.Y. Dated. M 5, 1947. To Rev. I. Roy Strock.
- Correspondence & Letters to & by Secretary- Theodore Surin (Honorary) and C.H. Herenz.
- Matevs and Problems Covering Schools and Mandli mostly of southern areas of G.E.L.Church.
- Some Leters are by President Rev. J. Lakra also which related to BAMRA Missionary fields.

NATIONAL LUTHERAN COUNCIL

231 MADISON AVENUE, NEW YORK 16, N. Y.

LEXINGTON 2-3411

RALPH H. LONG, *Executive Director*PAUL C. EMPIE, *Assistant Executive Director**Division of Public Relations*CARL E. LUND-QUIST, *Executive Secretary*

May 5, 1947

Rev. J. Roy Strock
G. E. Lutheran Compound
Ranchi, Bihar Province
India

Dear Rev. Strock:

I am sending you a biography and picture of Dr. Long from our publicity department files. The biography of Dr. Morehead is the one Dr. Long prepared for the 1937 edition of the Lutheran World Almanac, cut down a bit as I was sure you were interested only, or mainly, in the biographical data and not in eulogies. I am very sorry that we don't have a picture or mat of Dr. Morehead to send you.

I have also checked the address file for the National Lutheran and find that the address given for you is Gossnar Church, Ranchi, Bihar, Vizagapatam District, Madras Presidency, India. If that is incorrect, will you let us know what the right address is? You should be receiving the spring issue before too long. I had nothing to do with the winter issue but understand they were quite short of copies and it may be they didn't send one to you.

Best wishes for the Centenary celebration.

Sincerely yours,

*Marjorie Teisberg*Marjorie Teisberg
Department of Research & Statistics

AN AGENCY FOR

UNITED LUTHERAN CHURCH
AMERICAN LUTHERAN CHURCHLUTHERAN FREE CHURCH
UNITED E.V. LUTHERAN CHURCHNORWEGIAN LUTHERAN CHURCH
LUTHERAN AUGUSTANA SYNODDANISH LUTHERAN CHURCH
FINNISH SUOMI SYNOD

~~No~~
To the Secretary, C.C.

F-8

Dated Koroyp

The 14th June 1944

Dear Sir,

Will you kindly let me know whether my Sanskrit Panditjee (new) will join my P. H. S. school on the re-opening day of my school? I am anxious for him.

The two rooms adjacent to my quarters have been repaired. All the registers for High school according to your direction and instruction have been kept.

All the chadrai things have been stacked in one place. I apprehend the future need of them.

Y. S. Shrivastava

J. S. Shrivastava

Rev. S. Barba

F 8

Lutheran Mission Compound
KORONJO. P. O.

No. 8

Ranchi Dist... 13-6-1947.

मान्य C. C. Secretary Mr. C. M. Sterling
आप को यह सुख-होवे।

मैं आप को लिखूँ नं. १२६४

१८/१२. ८१: ३ Jun 1947 को पाया और सब हाल-
मालूम किया मैं इस को लिखे आप को दृष्टि किये वा
दे दूँ।

1. दिन अदरा सब गिजा जंगल के गोदाम में जमा किया गया।
2. हेड मास्टर के धा के वगल का धा दंडि स्कूल के छात्र के निमित्त मरमत होना देया होगा।
3. २ दंडि स्कूलों पर वद निमित्त के पास तहें हैं ३ स्कूलों के विषय में Kate P. Barba को फियात देते हैं नि मैं उन को (स्कूलों) लिया और तहसिल बाही में उन का हिसाब है। और तहसिल बाही के प्ला. नम्बर से ले के जितना नम्बर वद २ दंडि स्कूल नहीं हुआ-वह नम्बर को जोड़ का वक्त है।
- ४: अभी दंडि स्कूल के बच्चा के विषय मदिना २ जोर से चलता है पर प्रचारक और पाद्री चर्म दास जुमर जीताना: गी काय रिजातना विमिनंग प्रचारक को के आया: साथ रचा को तना छोड़ो तहसिल का को रिजातना. म (तो रिजात होरा उदुवाई के न।

आदि गा: मूल को दंडि गा: में

आमा: दास
S. Barba

24/2/47
Mangawar

F. 8

Pratap
18-6-1947

C. H. Herenz Secretary C.C. ko mera yeshusakay

Ap ko yah janati hain ki 6-6-1947 ko Tahsildar Daniel Topono ke
sath Malguzari dena ko, Horonjo. Khuli wali Gobra, Ghosia aur Para Barpani
ka dena ko Piru Garh Raja Sahab. Shri Dharmjit Singh ke yahan gaye the
to Raja dekhte ke sath bolne lage ki Simdega Compound ka Salami Rupaia
Kah denge abhi to bahut din ho gaya. So President J. Lakra ko bolaye ki
jaldi se Rupaia Salami ko pahuncha de. Tab un ko Kaha gaya ki Rupaia
dena ko mangid hai par President Sahab abhi to Pilaat Chale gaye hain. Rupaia
to jarur hi denge aisa unko bole hain.

So abhi ap ko Janati hain ki Rupaia jab Raja Sahab mang rahe hain
to Mr. Nauman Toppo ke marphat jaldi bhejne ko Kripa Karenge aur 10 Ekkar
gamin ka Patta Registry Karake Patta leti hue laut jaye. So yah bat ap
ko khyal rahe. Main yah bat Mr. D.M. Panua ko bhi likh bhejta hun
ap log is ka bichar Kar Nauman Toppo ko Rupaia ke sath Simdega
bhejne ko Kripa Karenge aur age ko deri na ho, jab ki Raja Sahab
Rupaia ka jikar Karte aur Mang rahe hain.

Ap ka.
Dishwast
Dharmdas Surjer.

राम
2/6/47

काहुपानी
ता. १६-६-१९४७

F 8

लुभान. चचे कौन्सिल छोटा नगरी और मसाम. रांची

ता. १६-६-१९४७

महाशय.

आप को समझ दिलाऊं कि मैं ता. ३. ४. ४७ को यहां से एक दस्ताख्त लिख भेजा था और उसको वादु पिया हूँ।
छोटा लिखित दस्ताख्त वा. १३-५-१९४७. को लोरेया में जवन H. E. School आम सभा था पेश किया, जिसमें आप लोग भी
होना चाहते थे, पर वह दस्ताख्त एक महिना गुम था।

अब ता. १३-६-१९४७ को कोरेणो में माहवाय पंचायत था. ता. १३-६-१९४७ को मिश्रित कमिटी और इलाका
पंचायत में दोनों दस्ताख्त, एक जो रांची भेजा था सो और लोरेया में एक दस्ताख्त मिश्रित कमिटी और इलाका पंचायत में
पेश हुआ। पंचायत में तर्क बितर्क के बाद एक एक से राय पूछी गयी, प्रायः सभी ने कहा कि बाकी तलब पाई बाबू को दिया जाने
और किंतने ३४. ४. ४७ से कहा गया कि जैसा C.C. चाहे छोड़ें। जो एक पाई बाबू C.C. को आप से भेजे गये हैं।
निबटाया किया गया कि C.C. ही उनको जवाब देवे, कहना दस्ताख्त. C.C. में लौटाया गया। और बाकी तलब जो किंतने
माहों का था और देते-लेते बिना किया गया था सो ठीक ठीक ठीक गया।

मज में मैं आप सोच के साथ उदाश मन से लिखता हूँ. सो अगर कुछ होवे तो पहिले आपका माफ़ करोगे। आजकल बहुत मंहगी है
और जोज भी नहीं मिलते, और अगर मिले भी तो निहायत ही मंहगा। आप बिश्वास करेंगे वा नहीं। इस समय में गन्तू लोरेया में एक
या डेढ़ पैसा मिलती है। इससे आप बिचार कीजिये कि किंतने तकलीफ़ का समय है। इसको आप भी से बिचार कीजिये।
मैं कभी ऐसा तकलीफ़ भोग नहीं भोगता, जैसा अभी है। करीब पूरा बरस से मंडली में काम करते आया, लेकिन किसी भी मिश्री से ऐसा
तकलीफ़ पाया। जब मैं किनकेल में था. बा नुहोने से ही महिना भरोला था, ऊपर पाठ में धा महीने से साल भर भरोला है। फिर लंबाई को
बाद जब कोन्डर में था, धा नहोने से साल भर प्रायः भरोला हो रहा था और वेसाही लुहरी टोली में भी करीब साल भर भरोला हो काम किया।
जैसे मैं उस समय एक दुम-जवान था, काम किया। जो इ भी कुछ न कहा। और अभी काहुपानी पेश का मे वेसाही हालत है। किंतने
पाई वहां आगे आगे गये, बिना धा के जिसके, तसके यहाँ रह कर काम चलाने जिनका नाम मुझको याद है। मैं भी एक बार वहां पहिले भी था
अभी इलाका का मोरा से एक धा बनाया जा रहा है. सो भी कुछ तक में तैयार होगा। अभी सिर्फ दिवाल जैसा तेसा टेम्प तैयार है. कुछ
तैयार हो रहा है। बासात में तैयार होगा तो होगा और नहीं तो नहीं, क्योंकि बासात बहुत ही निकट है। चीजों को लोअते अभी जोगड़
कारे किंतने मोहने को बजाये।
मिजों को मंहगी होने से मैं दिनों दिन तंगी हालत में गिराये जा रहा हूँ।

और चीज भी नहीं मिलेगी और अगर मिले भी तो निहायत ही महंगा। आप बिजवास करेंगे वा नहीं। इस समय में गन्तु ली हथैया में एक
 या डेढ़ पैसा मिलेगी है। इसी से आप बिजवास कीजिये कि कितना तकलीफ का समय हो। इसको आप भी से बिजवास कीजिये।
 मैं कभी ऐसा तकलीफ भोग नहीं भोग था, जैसा अभी है। अभी पूरा बासो से मंडली में काम करते आया, तो भी किसी भी मित्रों से ऐसा
 तकलीफ पाया। जब मैं किनके ल में था। बा न होने से ही महिना अकेला था, ऊपर पाठ में धा न होने से साल भर अकेला हो। फिर लंबाई की
 बाज जब ओन्ड (मे) था, धा न होने से साल भर प्रायः अकेला हो। इसी से सात साल भर अकेला हो काम किया।
 जो भी मैं उस समय एक दुम जवान था, काम किया। ओई भी कुछ न कहा। और अभी काहु पाने प्रेश का भी वैसा ही हालत है। कितने
 पाई वहां आये और प्रेम, बिना धा के जिसके, तबके यहाँ रहना काम चलाने जिनका नाम मुझको याद है। मैं भी एक वार वहां पहिले भी आ
 अभी इलाका जो अभी से एक धा बनाया जा रहा है। सो भी कुछ तक में तैयार होगा। अभी सिर्फ दिवाल जैसा तेरा वैसा वैसा है। बहुत
 वैसा हो रहा है। बासात में तैयार होगा तो होगा और नहीं तो नहीं, क्योंकि बासात बहुत ही निकट है। चीजों को लगेजते भी जो गह
 करते कितने महिने वाकअर्थों।

मैं जों के महंगी होने से मैं दिनों दिन लंगी हालत में गिरते जा रहा हूँ। तलब का आधा पाना और कटना धान के पैसा का कारा
 जाना, अभी करीब 20, 22 रुपये तक पाना, इस समय में कितना कठिन है आप बोध से बिजवास का पैसाला कीजिये, क्योंकि
 मुझ को इस धरा बहुत तकलीफ है। अभी दू. 100 रूपैया काजा में पड़ गया है। वहां से मैं इसको भुगना नव ऐसा हालत हो।
 सो यह मेरा अर्थ है समय मत बिताइये और बातों को कभी यहाँ और कभी वहां मत होने दीजिये। साधारण पाहुन के दुख
 को बुरा का समय को जान न उपकार और सहायता कीजिये, क्योंकि दिन बीतते जा रहा है और काजा भी बढ़ते जा रहा है।
 बीते साल वासात में धा मैं न होने से कितना बहुत तकलीफ पया, फिर इस साल भी ऐसा ही होगा, क्या करेंगे, दुख भोगना ही है।
 बेर लिखने का कारना यहाँ है कि मैं तकलीफ ज्यादा है आप इस सेनाएज मत कीजिये।
 ज्यादा भजन है कि एक महिना के अन्दर ही मुझको जवान देने का कृपा होवे। मैं इसको लिये चन्दा दे रहा हूँ।

आप का कृपा मिली थी

चमकलस कुजु

19-6-47.

F.42 Goundpur
5/6/47

My dear Heran Babu,

Thank you very much for
your M.L. I have informed
Rev. Sauga what you wanted me
to do.

I am sending Railway Receipt
for the things I have booked
at Seogher.

You will find 4 folding
chairs 1 folding table and a
finger machine stand. Please
take delivery of them at the
Railway station and keep
them with you or send them
with some people coming to
Goundpur as will be con-
venient. Please let me know
how much you will spend.
The freight is Rs 1/8/- but
~~there~~ there may be some
demerage.

Could you please bring
some tea and a set of

Washing soda too while
coming here. I will pay
you here.

We have not yet shifted
to the house we have to
live in:

We are well and hope
the same with you.

With kind regards

Yours sincerely
B. Munday

- (1) Soda—
- (2) Tea—
- (3) Writing pad
- (4) Envelop.
- (5) Lincoln

F. 8

Copy to
Rev. Suleman B. Korojo
Hon. Secy. H.E. School.
To
G. E. L. Church, Ranchi.
Secretary,

Dated Takarma, the 30th June, 1947

Dear Sir,

copy sent
and memo
No 1996-97/47
7-7-47
P. T. O.
Chk.

With reference to your memo no. 310, dated the 17th June, 1947, I beg to state that from the minutes of the M.C. of Korojo Proposed H.E. School dated 13.12.45 and 3.1.46, it is quite clear that the Collection up to the 13th December, 1945, was Rs 110/8/- only and up to 2nd January, 1946 it was Rs 127/- It means that Rs 16/8/- was given to the treasurer between the period of 13th December, 1945 to 2nd January, 1946. So the previous Collection on the 3rd January, 1946 was Rs 127/- and on the same date it was Rs 31/8/- was given to the Treasurer. Thus the total Collection from the beginning up to the 3rd January, 1946 was Rs 158/8/- (Rupees One hundred fifty-eight and annas eight) only.

P.T.O.

The Secretary did not handle any amount from the subscription. It was noted in the minutes as the Treasurer reported it in the meeting. The amount does not come upto Rs 269/- but Rs 158/8/- only. This money was in the hand of the Treasurer.

I beg to remain,

Dear Sir,

your most obedient servant,
P. Drungdung.

Asst. Teacher,

Eidnaes H.R. School,
Takerma

No 160

Lutheran M. E. School F. 8.
Korouyo.

To, The Secretary, G. E. L. Church Council 1947,
Ranchi.

Dear Sir, I wonder why you did not get my copy of the audit report of the Proposed High School Korouyo. I have already despatched the same along with my forwarding letter No 150 dated the 22nd May 1947 just after your departure from Korouyo. Whether this is a delay in the postal department or some body might have handled it another way or it may be in the Office.



POST CARD

REPLY.

ADDRESS ONLY

9 JUN. 1901

3 - P.M.

RANCHI

10

Secretary,

G. E. L. Church
(Council Ranchi)
P.O Ranchi
(Ranchi)

A prompt case has been taken
with regards to the chandro.
They are attached in one place
according to your advice.

The eastern portion of the head-
waters' quarts no more remain.
The work is going on.

About Rs 267/- we have not yet
investigated who is to be respon-
sible for it.

Yours.
J. G. W. H. M.

1828/47/F-8.

23rd July,

7.

Dear Rev. S. Barla & Secretary Koronjo Ilaka,

Ap ki chithi tarikh 18.7.47 mili. Circular no. ~~1703/41/47~~ 1703/41/47 ka mane ya nahin hai ki naya scale jo jari kiya gaya hai so band howe so nahin par jin ka talab October ya January se barhaya gaya hai so jari rahega par naya increment aur kisi ko nahin milega. Arthat barha huwa talab abhi jo pata hai so diya jawe, par jis kisi ka talab barhne ka samay pura ho gaya ho to yah increment nahin dena chahiye.

Yah sun kar ham log khusi hain ki Heran Samad Koronjo men bahali kiya gaya hai. Ap log us ko private appear hone ke liye utsah dijiye, agar wah pass ho jay to Koronjo ke liye achchha hi hoga. Ap ka pandit pahuncha hai ki nahin khabar dena.

Yours sincerely,

G. E. L. Church
Secretary,
G. E. L. Church.



The Secretary,

G. E. L. Churches &

Chet Napper & Arun

G. E. L. Compound

Ranchi - Bihar

from
Fau Das
The C. S. S. Mission
Onna, Cuttack }

F.W.

The C. S. S. Mission
Grisar, Cullac
June 4th '47

The Secretary
G. E. L. Churches in Chinnarappan.
Panchi. ²¹⁰ 147

Dear brother

would you please refer to
my letter to you of 10. 5. 47
as reply to - Rev. J. Lakra, President
of your G. E. L. churches, who is
bound to Sweden & who requests
me to - Correspond with you
regarding my proposed visit
to your churches in Chinnarappan
during August & September.
would you kindly expedite the
matter in which I shall
indeed be thankful.

With Christian greeting
Yours in His service
F. W. D.

To the Secy. E. S. L. Church Council
Indip. 12-5-47
Branch

Indipendi

[illegible]

लागे हमे - आ हिरेंगे
 जहां लाय सुभीदा देखते
 हैं वही पर होवे नहीं भी
 हो जहां नहीं भी मंजो
 वहा भी जाने के लिये
 नैयार हो। इतना ही बात है
 लाय लाजकारी हउ

Umblan Samad
 Esirall Samad
 Ruzgi

POST CARD



The Secretary

R.H. Herang Ranchi

P.O. Ranchi

Dist Ranchi

P.O. Kollam F.W. Kurian

Cher. Kollam. Date. 10. 3. 47

श्रीयुक्त महोदय का सेक्रेटरी माप
को हम दोनो श्री माँर से यीशु
साथ हो नो। माँज माँस खुदा
श्री माँपा से माँच है। माँप का
भी यही कहते हैं। माँगे मेरे
लिखने की यही माँत हाथ है
कि हमसे लिये गयी नो गरी
जगह हो गी तो तब माँश कर दीजिये
ये। माँप से यही माँजी करते हैं
कि माँज नही खोली यह माँपा
बहुली हो गी तो माँपा कर के
इसका खबर जरूर दीजिये
न्यो कि हम दोनो नो गरी श्री
माँस से हैं। माँमी वक्त माँही
भी माँस नही हुआ है।
से माँगरे हो सके तो खबर
देने की माँपा करे गी।
हम दोनो श्री वडाई M.E. पास
हैं। माँसे माँठा हाँस भी गये थे।



POST CARD

ADDRESS ONLY



Mr. C-H. Herenij
Luthan Mission
Ranchi

जय भारखंड ६५२
२४ मार्च १९४७

देवने सामक को छोटा नागापुर छोड़ने
कैबिका १३ में सेन्ट्रल कैमीरी की बैठकी
होगी। आप निमित्त है!

जय भारखंड ॥

जय गेम्स हेवार्ड

गवर्नर लीक्रेटरी सेक्रेटरी वेल्लिंग रांची



Secretary
The Gossner Evangelical Lutheran
Church in Chotanagpur & Assam
G. E. L. Compound

Ranchi

(Bihar)

Fur

Government of India Publications

JUST PUBLISHED

Dated 16-5-47

Rs. a. p.

- | | | | | |
|----|--|-----|------|-------|
| 1. | PAY COMMISSION REPORT | .. | ... | 3-8-0 |
| 2. | REPORT ON THE SCHEME FOR THE IMPROVEMENT OF
AGRICULTURAL STATISTICS | ... | | 2-4-0 |
| 3. | REPORT OF THE POST-WAR PLANNING COMMITTEE
(TEXTILES) Part I | ... | ... | 1-0-0 |

JAIN BOOK AGENCY

Govt. Book Sellers

Connaught Place NEW DELHI

1294/47/F-8.

3rd June,

7.

To

The Hdmaster, M.E. School, Koronjo.
The Ilaka Chairman, Koronjo.

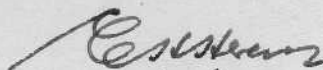
Dear Gentlemen,

You promised to send the audit note of the High School a/c but it has not reached my office. Please send it very soon.

Further you are reminded to get all tins 'Chadras' and put them together, they are being misused and they are lying here and there. You are also reminded to repair the Eastern parts of the Hdmaster's quarter without any further delay. You may not now understand the importance of the building but you will realise it next year or so.

Hoping to get everything by the return of post.

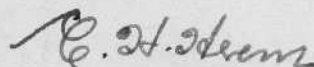
Yours sincerely,



Secretary,
G. E. L. Church.

N.E. :-

Please investigate who has got the sum of Rs. 269/- mentioned in the High School minute book.



Secretary.

ବାର	ମାର୍ଚ୍ଚ	ଅପ୍ରେଲ	ମେ	ଜୁନ	ଜୁଲାଇ	ଅଗଷ୍ଟ	ସେପ୍ଟେମ୍ବର	ଅକ୍ଟୋବର	ନଭେମ୍ବର	ଡିସେମ୍ବର	ମୋଟ	ଅବଶିଷ୍ଟ	
1942	73-0-0	28-5-0	11-10-6	8-12-0	35-0-0	11-10-6	6-0-0	8-13-0	17-8-0	11-10-6	17-8-0	18-8-0	248-5-6.
1943	81-0-0	32-8-0	22-4-6	. . .	70-0-0	35-0-0	. . .	61-4-0	. . .	67-0-0	36-0-0	87-8-0	492-8-6.
1944	53-0-0	35-0-0	18-8-0	35-0-0	. . .	70-0-0	. . .	46-10-6	. . .	54-5-3	33-9-3	35-0-0	381-0-6.
1945	87-8-0	26-4-0	24-8-0	. . .	74-0-0	35-0-0	22-8-0	18-8-0	. . .	46-4-0	27-12-0	37-0-0	399-4-0.

III slaka maharaj allowance mil.

(Handwritten notes at bottom)

[illegible]

R. 29 6-9-6 and C'1

25. P. Baba.
Naka Treasurer. Koryu.
19-6-46.

F 8

From - Rev. L. Kongari
L. E. L. Church, Tokad

To

The Secretary,
L. E. L. Church, Ranchi

Dated Tokad 19th April 1949.

ਮਹਾਂਸ਼ਿਵ

ਮਹਾਂਸ਼ਿਵ ਨੂੰ ਭੇਜਣ ਲਈ ਪਤਾ ਲਿਖਾ

ਮੇਰੇ ਮਿੱਥਿਆ ਮਿਤੀ ਨੰਬਰ 976-77/47/58 ਮਿ: 8th April 1949 ਨੂੰ ਮੇਰੇ
ਮਿੱਥਿਆ ਮਿਤੀ ਨੰਬਰ 976-77/47/58 ਮਿ: 8th April 1949 ਨੂੰ ਮੇਰੇ
ਮਿੱਥਿਆ ਮਿਤੀ ਨੰਬਰ 976-77/47/58 ਮਿ: 8th April 1949 ਨੂੰ ਮੇਰੇ

- 1 ਮੇਰੇ ਮਿੱਥਿਆ ਮਿਤੀ ਨੰਬਰ 976-77/47/58 ਮਿ: 8th April 1949 ਨੂੰ ਮੇਰੇ
- 2 ਮੇਰੇ ਮਿੱਥਿਆ ਮਿਤੀ ਨੰਬਰ 976-77/47/58 ਮਿ: 8th April 1949 ਨੂੰ ਮੇਰੇ
- 3 ਮੇਰੇ ਮਿੱਥਿਆ ਮਿਤੀ ਨੰਬਰ 976-77/47/58 ਮਿ: 8th April 1949 ਨੂੰ ਮੇਰੇ
- 4 ਮੇਰੇ ਮਿੱਥਿਆ ਮਿਤੀ ਨੰਬਰ 976-77/47/58 ਮਿ: 8th April 1949 ਨੂੰ ਮੇਰੇ
- 5 ਮੇਰੇ ਮਿੱਥਿਆ ਮਿਤੀ ਨੰਬਰ 976-77/47/58 ਮਿ: 8th April 1949 ਨੂੰ ਮੇਰੇ
- 6 ਮੇਰੇ ਮਿੱਥਿਆ ਮਿਤੀ ਨੰਬਰ 976-77/47/58 ਮਿ: 8th April 1949 ਨੂੰ ਮੇਰੇ
- 7 ਮੇਰੇ ਮਿੱਥਿਆ ਮਿਤੀ ਨੰਬਰ 976-77/47/58 ਮਿ: 8th April 1949 ਨੂੰ ਮੇਰੇ
- 8 ਮੇਰੇ ਮਿੱਥਿਆ ਮਿਤੀ ਨੰਬਰ 976-77/47/58 ਮਿ: 8th April 1949 ਨੂੰ ਮੇਰੇ

ਮੇਰੇ ਮਿੱਥਿਆ ਮਿਤੀ ਨੰਬਰ 976-77/47/58 ਮਿ: 8th April 1949 ਨੂੰ ਮੇਰੇ

F 8

To, The Secretary, G. E. L. Church Council
From, The Secretary Korouyo Dlakei Ranchi.
Dated Korouyo the 20th April 1947.

Subj: - Katui Dhan trouble in Korouyo Dlakei.

Ref: - No 976-77/47/F-8 D 2nd April 1947.
8th

Dear Sir,

In answer to the questions given in the letter above, they to state as follows:—

That,

1. The quantity of 35 mols of grain was the Katui Dhan share of the Pastor of Korouyo Parish for the year 1945. It was not the share of 1944 & 1945.
2. Rev. L. Kongari was not the only person who got the Katui Dhan share. There were other pastors and Catechists too, of the Dlakei who got the Katui share.
3. The Katui Dhan distribution was business was done in Karamachari meeting and not in the Dlakei Sabha. The Karamacharis did this work according to their own sweet will.
4. Other Karamacharis working within the Dlakei except Rev. L. Kongari have refunded the Katui Dhan share.

P.T.O.

The pastors refunded at the rate of Rs 7/- per month; and the catechists at the rate of Rs 3/8 per month. till they paid up the value of the Katuidhan which fell in their respective shares.

5. The amount of Katuidhan is to be refunded year by year. That is annually. The Katuidhan share deduction of 1946 is going on in 1947. Similarly the Katuidhan deduction of 1947 will be done in 1948. In this way in every subsequent year the Katuidhan deduction is done.
6. There are no defaulters of Katuidhan in Koromp Ilaka now except Rev. L. Kongari. Other defaulters were made to refund it.
7. The Katuidhan was spent in previous years in Koromp not in the way of salary but in the way of gratis. They did not consider this, as a part of church income. They spent it as they liked without deducting ^{from} their pay to make the price of the Katuidhan which they had taken. Their salary was paid out of the income collected other than that of the Katuidhan.

8. In previous years the katui dhau was distributed not according to some standing rule or any system. They distributed it according to their own choice. Considering this as an income which they got on gratis. Hence they had not much stress upon this income.

In giving these informations, I would like to request you to very kindly consider this case in a favourable way. Otherwise I see in the future, a trouble, of Ilaka's income, for the Central fund.

Yours Sincerely,

J. Laro
Ilaka's Secretary
Keromo Ilaka's.

Recvd
27/11

F8

Worship

23-11-44

4E1212.

ਮੁਕਤ ਭਾਗ

813 only

26

BUY NATIONAL
SAVINGS CERTIFICATES
DELIVERY
27 NOV. 36
11830 1M
RANCHI



Secretary Mr.
C. H. Henshaw
— G. E. L. Church
Ranchi

N. 2.

Lutheran Church

Rev
27/11

F. B

Korongo

23-11-46

मान्य छोटा नागपुर लो. आ. साम.
F. B. Church के चर्च सुपावे
जो को सविनय-येशु सहाय-होवे-
महोदय.

आज निवेदन है कि मैं जोरा
जो गिरा जा था में एक सिद्धांत में लो.
एक ज्ञान पत्र बन वाये है। सौ वर्ष
में जब जो निहात के लिखे आपसे
आज है कि इस आडवेर दा: १५
१२-४५ को संतान के लिखे आने को
हो पा करेंगे। इस आगमन के
लिखे मैं बहुत प्रत्यवाये होऊँगा-

File

आपके सुवक.

83/11/46

BUY NATIONAL
STAMPS CERTIFIED
DELIVERY
2 NOV. 1910
330
RANCHI



The.
Rev. S. Kula
Church Supervisor
G. E. L. Church
Ranchi

F-8

Recd
26/11

Simdega
November 23, 1946

To Mr C. H. Herzog,
The Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

Dear Sir

I handed over the charge of the school and came to Simdega to-day the 23rd November, 1946. I have been suffering from fever since Monday last and in the same state I gave charge of the school. I am still suffering from fever and my two children are also suffering from fever. So I cannot go to Takarwa soon. I shall try to go there at present alone by the 26th November. I have shifted every thing from Koroujo.

yours sincerely
P. Dzungdung

Case no
1/14/10

F 8

को ६ को युक्त महामन्त्र धर्मोपदेशक पादरी 7. Stosh साहेब काप-
लाम को मुक्त मारटिन तिडु मामा भगिना को बहुत २ पौशु सहाय—

जाग निम्न लिखित बातें निवेदन साध जाजौ करते हैं उचित बिचार किया
जाय ॥—

दोबानो मनो सुट न० १३ सन १९४३ ई० आनन्द मसीर मुंडी बगैर मुदरफान
बनाम मोसोमत सुगन लूगन बगैर मुदालेडुम । इस मोकदमा में मुदालेडुम
कोपानो मण्डली पंचों ने ता० ५-४-१९४४ ई० को आपने राजीनामा फौसले पर
काबूल किया कि हम लोग कूठ मूठ में लडका लडकी को व्यभिचार का
दोष लगाये । इस प्रकार से कोपानो मण्डली पंच आपने फौसले को कोप
C.C. के फौसले को जो ता० २७ फरवरी सन १९४२ ई० न० ५८५-२६/४२/
७८ में ब्यान बो फौसला किया है कूठा बनाये । फौसले को इस कूठी
बात को मानने के लिये C.C. ने जारी किई, परन्तु C.C. को इस कूठी बात
को न मानने के कारण से मोरार को शादी बचनदत्त को साकाफे नो को बन्द
किया था तो क्या कूठ को मानने के लिये लूथरान धर्म में लाये गये हैं ?
और यही धर्म है तो लूथरान गुरुओं ने ठग दिये हैं ।

दुर्दशा को नोकसानी के दिनों में मेरे साथी लोग जो लडका के गांव से दूसरा
गांव में रहते हैं मुझे जाजौ किया कि हम लोग शादी का बिंगे सो लडकी को
दोजिये, यदि ताशादी रका कोंगे को दोष में गिरने नहीं देंगे, उन्होने स्वी-
कार किया, कोर इसी स्वीकारी बचन पर मेने आपनी बटी को प्रभु में शादी
होने के लिये पंचों को दिया जो उन्होने लकड़ा साहेब के पास काबूल किया
और लकड़ा साहेब ने बोला सब बात ठीक है ईश्वर से बिन्ती कीजिये इसका
खबर रांजी से दिया जायगा कहकर चला गया, इसका खबर भी नहीं दिया ।
इसके बाद बिना कासूर हम स्त्री पुरुष को कूटो साजा दिई गई है जिसके लिये
बहुत दुःख में है बिचार करके हमों का दुःख को हटाये ।

आप लोग हमको कूठ न बोलने के लिये सिखाय काज तो उसके विरुद्ध
सिद्धा दिया जात है इसका पुरा जबाब देही कापलोग है

एक दफा १९४५ ई० के जन्म Soldier/Bond में घर वास्त दिया था जिसमें
यही फौसला हुआ कि पादरी खिस्त रोयन तोपानो लोम्बोई कोर दोनो स्त्री
पुरुष आप लोग माफा माफा हो जाये जिन्ना बिचवारी लकड़ा साहेब था ।
माफा माफा इसी स्वीकारी बचन पर जो X. Royau Dofono के हप्प सिमडेगा में
मोकदमा था ठाया गया, परन्तु हमों को थोरकर दिया ।

कोर शादी को काबुल पाने के लिये

मूढ को मानवाने के कारण जो शब्दों का बचन इतने कोरे साकामेन को बन्द किया
 इनका दोष है कि नहीं १ जो १ विमोक्ष ४, १-३ के विरुद्ध किया है ॥
 इसका तुरन्त जबाब दीजिये । ता० २१-१०-१९४६ ई० ॥ -

आप का लाशघोन,
 मारने तिर,
 गांव-मामाभगिना
 P.O. कोनभेरला
 जिला रांची -

महाशय आप लोगों से जीवन का उजि-
 याता माग में लाये गये हैं इससे
 जितरा आप बिचा कौन कोरे हम लोगों
 को दुःखों को हटावे, प्रभु ने इसका भर
 महाशय के हाथ में भ्र दिला है जित
 सफाई कौन करे पर मेरा निश्वास है
 Martin Tiru

Mera bichar hai ki
 is chithi ki baton mease
 yah bat baki hai ki Babu
 Martin Tiru aur uski stri ko
 Mandli-grahan diya jawe,
 Rev. J. Lakra, President unko
 mandli men grahan karne ke liye
 koi hukum dete to bat ant ho jati
 aur mandli men shanti sthapit hoti.

or

President Sahab ek C.C. Commission
 Mamabhagina bheje.

L. J. J. J. J.

2.11.46.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.S.Barla, Mr.J.Coria and the Rev.L.Kongari for information, guidance and compliance.

B.B. Wining
For Secretary,
G.E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C. Executive Committee held on the 2nd May, 1947.

Item No. 3.

¶ Katni Dhan trouble of Koronjo Ilaka (Vide the Executive resolution item 25, dated 27-29 March, 1947) :-

(a) Considered the replies to the questionnaire submitted by both the Koronjo Ilaka and Rev.L.Kongari. It is also stated that when the Church Supervisor visited Koronjo Ilaka this matter of Katni and Prabhu Prit Dan was taken up in the presence of the Ilaka members of the Koronjo Ilaka and in view of the fact that the Karamcharis spent two years i.e. 1944 and 1945 Katni and Prabhuprit Dan in one year i.e. 1945 and got their salaries @ 110 % it was decided that Katni and Prabhu Prit Dan of 1946 be withheld to be spent in 1947.

It appears by the report of the Koronjo Ilaka that the Ilaka afterwards decided that the Karamcharis should refund the value of Katni and Prabhuprit Dan of 1945. The reports also say that the Karamcharis of Koronjo Ilaka have actually refunded the same according to the Ilaka decision.

It is therefore resolved that Rev.L.Kongari should also refund his share of 1945 ~~xxx~~ i.e. Rs. 113/- (or whatever may be the amount) at the rate of Rs. 7/- p.m.

(b) Deficit Salary of Rev. L. Kongari :- The deficit in salary being the case for the whole Koronjo Ilaka and other Ilakas too, the C.C. is unable to recommend recovery of the deficit.

Sd. J. Lakra.
6.5.47.

Sd. C.H. Herenz.
Secretary, 3.5.47."

CBBCM/4C.

11/11/46 To

The Secretary G. E. L. Church Ranch
Dated 19-11-46

महोदय -

- आप को और सच E. C. मेरारी को- प्रियमहोदय
- दिलवा पुर्वक- मेरी- यह जानी है की निम्न लिखित बातों पर विशेष ध्यान देकर अपनी सेवा की दृष्टि पुनः 6 नव
- 1 कोशिकों द्वारा की गिनि नेरा मठली-ने रोड के दूरी गांव में एक बसना है जिसका पुर्वी Paulus Topano ने अपने जीवन में विकसित किया है प्रचालन का नाम दिया (प्रचालन) उस बसने का है जिसका बड़ा गाड़ मलाली लोपानी दुरकहा मौजा का बिकर राजा ने दाल-बिकर राजा में रहस्यान चमकौलाने के समय पुनः जिसे जानी प (या) उस ने 2 लड़के को बड़े लड़के का नाम मसाल और दूसरे का नाम रोजन था इन को प्रचारक को दूर से पहने नही सता ये केवल छोड़ने पहने सकते हैं । दोनों लड़कों-के साथी बिहा हुआ पहिले लड़के मसाल ने 3 पुत्र और 2 पुत्रियां हैं पहिलीरी बेटी- मुसाला दुसरा सुर्वसन बेटी तीसरा रोमल बेटी चौथा मरोधा बेटी / चार सन्तान के पैदा होने पर मसाल मार गया- रही बिचला हो गई पहली बेटी की उम्र 14 वर्ष है दूसरे लड़के सुर्वसन की उम्र 12 वर्ष तीसरे की उम्र 10 वर्ष चौथे की उम्र 8 वर्ष 2 वर्ष का बरल है उस प्रचालन का दुसरा लड़का रोजन जीवा है जो पिता का खेद वाली न होने के कारण बिरमिनापुर खदान में बलबच्चों-के साथ काम करने जीवा है
- 2 आपो महोदयगण में यह जानना है कि- बिचला मारवाली उल्टे 8 बेटे बिचियां नि उपाय है जो मसाल से मुक्ति बराली का बिचला जिवीका चलाती है जो (सब से दुलरी की बाल यह है की वह अपने लड़के लड़कियों को कुछ भी नही पढ़ा सकती है जिसे के कारण मुझे इन की वला देल का बड़ा मरुहोस है समय 2 म इन बच्चों को लाना पीना देते आया है जब के

૨-૩ દિન મુરબે પામે મુખે ભપડા મી. વસ્ત્ર પાલેલે આપે- હેમી-
 હાલત મેં મેરી આખી છે તો દમાપી- આલિશા ફન બેચારે
 ગાલ વચ્ચો મી પાકાલી-રા મા ઉપામ બાલે। અંધારા ફન તે જિઓ
 બાલકા મા-ઉપામ બાલે। બોલિ- મેં બોલિ મહલી-તે પુલેલો।
 આગે તો ફન તો-મદપાતા નદી-બાલેલો।
 મેરા પુરા મહોલા લ. લ. તે ઉપા છે મી ચર્મ મે ફલ બાલે-મા પુરા
 ઉપામ બીમાબોપામ જિમુ તે ભામે મેં બોલિ (વે મહા ચંપા બાલે દરેંગો
 લ. લ. રા -

આપ રા આશામિતલાલ - (મહલી મા ફનતર્વ લાલા) માદ

અગુલુલ તે તેરા મદીપાતી મિતી તે। મહલી

બોલે બોલિ બિમિતલાલ

B. N. R.

મદી અગુલુલ બેદલે રા મદીપાતી મિતી તેરા મહલી

૪. ૨૫.

F- 8

Dear Secretary Mr. Stewart.

Thanks very much for
your kind note. I am fully
glad that my Paunditjee will
arrive soon.

Please direct him
to join my school when you
meet him before he
comes to Krayp.

Everything is O.K.
hope you too be, by mercy
of God be the same.

Yours.

J. G.

To The G. E. Church Council of 8
Ranchi.

~~Rev~~ Sirs,

4/12/11

Respectfully, we beg to state, that Mr Patras Dungdung former Headmaster of Koroya M.E. School, handed over the charge of the School with accounts in figures only, and not in ready cash.

The amount against him stands Rs 237/-. This is the account of all the subsidiary accounts and the General cash.

We find very difficult events start our work, for he had not paid a single pie to us.

We therefore humbly pray to be so good as to consider this case and give us the above amount to enable us to carry on our work.

The charge sheet of the School a/c is attached herewith.

We beg to remain.

Ranchi }
4/12/11

- Sirs,
your m^{rs}s
1 J. Guia H. D. M. A. S.
2 S. B. S. Secretary

True Copy

L

I Patras Dzungdung the late Headmaster
- of Koronyo, Lutheran M. E. School and at present
in service in Eidnaes High^{school}, Takerna, hereby agree
and bind myself that I will repay the sum of
Rs 220 - 14 - 11 (Rupees two hundred and twenty, annas
fourteen and pices eleven only) to the Treasurer Lutheran
Church Council, Rauchi in 1947 out of my Provident
Fund of said Koronyo M. E. School.

The above sum mentioned (Rs 220 - 14 - 11) was
the credit cash balance of all the account books
vide my charge sheet of 22-11-'46 to the new
Headmaster Mr. J. Guria'.

Witness: -

sd/ 1 S. Luvie 12-12-'46

sd/ 2 - P. Bara 12/12/46.

sd/ P. Dzungdung.
Late Headmaster
Koronyo M. E. School
12-12-'46

(1) True Copy
Charge sheet of Koronjo M.E. School.

Furniture a/c } 57-1-9
Balance of 1945 }

Collection of 1946 48-7-6
Total 105-9-3

Sd/-
B. H. Narens
4/12

Examination fee
(January & Feb 1946) 23-0-0
Total Rs 128-9-3

H.E. school a/c 15-5-0
143-14-3

Sd/- P. Dandung
22-11-46

(2)
True Copy

Advance Given:—

1. Babu J. Dhan . 22-9-.

2 " C. Tete 7-8-9

3 " C. R. Surin 1-12-.

4 " J. Topono 1-5-6

5 " Santosh Aind 11-.-.

Total 44-3-3 (R)

sd/- P. Dzungdung
21-11-46

sd/-
M. H. Herentz.
4/12

44-3-3 -

6. Advance by P. Dzungdung 2-15- . m. R.
47-2-3
Total Rs

(3)

True Copy.

Charge sheet of Korongo M. E. School.

Details of Cash balance up to November 21, 1946.

1. General Cash Book . . . Rs 58-7-
2. Prize etc Rs 37-11-9
3. Library etc Rs 33-9-6
4. Contingent etc 0-0-0
5. Athletic etc Rs 1-8-3
6. Repair etc Rs 39-13-6
7. Sewing etc Rs 5-8-3

Int. from 44-46 0-6-8

Rs 177-0-11

sdf-
G. H. Herentz
4/12/46.

In the P.O. saving Book Rs 55-13-0

Rs 121-3-11

Advance to Teachers and
school servant

Rs 44-3-3
Rs 77-0-8

Corrected athletic etc 1-0-0
77-1-8

Total balance of Page 123

Rs 143-14-3

Rs 77-1-8

Total Rs 220-15-11

Handed over the charge of the account,
but the cash was not paid to the new
Headmaster Mr. J. Guria.

Charge taken by: -

Mr. J. Guria

new Headmaster.

Charge taken by me.

sdf- J. Guria

22/11/46

sdf- P. Dangdung

former Headmaster

22-11-46

sdf- S. Bada

secretary

M. E. School.

22-11-46

1110/47/F-8.

28th April, 7.

To

The Secretary,
Koronjo Ilaka.

Dear Sir,

Your extract from the Ilaka minutes dated 16th and 17th April 47 item 6 (e) concerning the two orphan children of Ginikera, has been received with thanks.

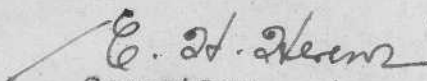
You may be right in principle but the question of reference to you does not arise to C.C. on the ground that these children needed help.

Further if any Church school does not provide any place for the poor children, then you are shutting the door for such children and creating an aristocratic society and perhaps such school should not exist.

Ginikera, I understand falls within the jurisdiction of the Koronjo Ilaka, so you can get the detail information of these children, and submit it to me also.

You need not throw away these children. Your Pandit jee came to see me and he will arrive with his family just before the school re-opens. He is expected to reach on 7.6.47.

Yours sincerely,


Secretary,
G. E. L. Church.

CEBCM/2C.

Lutheran Dr. E. School

F. 8

Korouyo.

The 12th April 1947.

To The Secretary, H. C. H. Mrentz.

G. E. L. Church Council Ranchi.

Dear Sir,

I am sending Mansidh Kongari
one of my High School Teachers for books to Ranchi.
I expect you to please ^{make him} meet him with the
new Sanskrit Pauditjee if possible.

I hope by this time he might have
appeared at his examination for which he was
preparing. If he has already appeared and if
he is at all willing to come here, please ask him
to come along with this teacher.

Secondly, I wish to know the exact
date of the planned tour of the President along
with Dr. and Mrs. Roy Strick. We are all expecting
them in our State. Please ask them to fix the
date, and intimate us about the date.

Everything is O.K. Hope you are to be
the same. Please inform me about the Adikani
mahasabha.

Yours.

J. Garia

F. 8

Kakupani

8-4-1947

~~File~~

Kachashey ap ko mera yeshusahan
ap ko apss ke sath janata hun
ki Honors Chairman ka Disa hi kar rawai
hai aur bahut aniamit badli aur dabaw ke
sath hi hai jis se Karm Charigan asantoshganah
hain aur Mandli ke bhai log bhi apss
karte karte hain. aur asantoshpan Mandli
mein barhki hi gati hai -

Main ap ko yahi bat likh bhejta hun

Ap ka

Agya Kari

D. N. Kuzen

8-4-1947

F. 8 Koronyo D. F.
In Secretary, C. E. L. Church School
Council Ranch. 16-1-1947

Dear Sir,
A week ago I have written a letter to you, requesting you to find a Sanskrit Pandit for Koronyo P.H.S. I have written to you about the old Pandit.

We are eagerly waiting for your kind reply about this. In honour of your word at Ranchi when we talked about Koronyo Proposed H.E. School, I hope you have kept your promise to find for my school a Sanskrit Panditjee on a monthly pay of Rs 20/- 30/- p.m.

Please keep my request in to your mind and necessarily find a and send a Sanskrit Panditjee as soon as possible.

Thanking you in anticipation,
yours. J. G. N.

F 8

File To

The Secretary, G.E.L. Church

Council Ranchi.

Dated Koroya Dhe 10th Jan.
1947.

Dear Sir,

In course of our conversation at Ranchi, you promised us to find a Sanskrit Pandit for our Koroya Proposed H.E. school. We have been earnestly hoping for him. You know the condition of our present Sanskrit Panditjee He is not efficient even in Sanskrit, and we are paying him a high rate of pay. He does not know Hindi. Even then we have given him Hindi subjects in class VIII last year. Besides that, ^{every} now and then he runs to Simdega, making many lame excuses. Considering all these, we think, he cannot properly do his duties in the future.

We are eagerly waiting for the fulfilment of your honoured promises, and very earnestly pray that you would very kindly take heed to our request and send us a fresh Sanskrit Pandit as soon as possible.

We further request you to appoint such a Pandit, if you find him, on a salary between 20/- to 30/-. As our school is poor we are unable to afford to pay him more than Rs 30/-m.

Thanking you in anticipation, for the trouble you will undertake, in fulfilling our humble request.

I beg to remain,
Sir

Yours m.o.s.

J. Gupta
V.P. Maske

No. 976-77/47/F- 8

2nd April, 1947.
8th

The undermentioned document is forwarded to the Rev.L.Kongari and Mr.J.Guria, Secretary Koronjo Ilaka for information, guidance and compliance.

C. H. Herz
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C. Executive Committee held on the 29th March, 1947.

Item No. 25.

" Katni dhan trouble of the Koronjo Ilaka :-
Consideration postponed till further information supplied by the Ilaka and Rev.L.Kongari on the following points :-

1. Was this amount of 35 mds of 1944 or 45, or both.
2. Is Rev.L.Kongari the only person who got the share of Katni dhan for two years ? or were there others also ?
3. By whose authority the Katni dhan was distributed to Rev.L.Kongari and others ?
4. Have others been asked to refund ? if so how many have refunded and how much ?
5. Is the amount of Katni dhan to be refunded, for one year or two years ?
6. What actions are being taken against the defaulters if there are any within the Ilaka?
7. Was there any due to the workers for previous years by way of salaries ? A statement of finances and actual salary paid for 1942-45 is to be supplied by the Ilaka Secretary.
8. How did the Ilaka distribute the Katni dhan and prabhuprit in previous years ?

Sd. J. Jakra.
31.3.47.

Sd. C. H. Herz.
Secretary. 29.3.47."

745/47/F-8.

13th March, 7.

To

Mr. Patras Dungdung,
G.E.L. Church, Takarma.

My dear Mr. P. Dungdung,

The Deputy Inspector of Schools has visited the Koronjo M.E. School and has detected the amount of Rs. 220/15/- which you have taken and he is very strong in saying that the money be refunded without any further delay, otherwise, the school grant may be stopped. I therefore suggest that you should make it a point to refund at the rate of Rs. 20/- p.m. There seems to be no other alternative. Please therefore allow the Hdmaster, P. Bara to deduct Rs. 20/- p.m. and let him send the money to the C.C. Treasury.

Let it be borne in mind that the C.C. is unable to get anything from your P. fund at this juncture.

Yours sincerely,

E. H. Verma

Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to :-

1. Rev. S. Surin, Takarma.
2. Mr. P. Bara, Hdmaster.

CEBCM/4C.

59/47/F-8.

7th January 7.

To

The Rev. Suleman Barla.
G.E.L. Church, Koronjo P.O.

Dear Rev. Suleman Barla,

You have been a pastor in the State of Bamra. You know the condition of the people as well as the economic and other conditions of Bamra. Now a call comes from Bamra which needs your help both in the form of men and money. It is certainly a ~~divi~~ divine call. Choice lies in you to listen or to reject it professing "I am weak and unable to help" etc.

My humble request is that you will help the pastor of Bamra by sending a sum of Rs. 16/- p.m. to the C.C. for a evangelist in Bamra. If you agree to this proposal, please inform me so that I may put ~~xxx~~ your Ilaka in a regular list of subscriber as Burju, Takarma, Jamshedpur etc.

Yours sincerely,



Secretary,
G. E. L. Church.

CBECM/2C.

No. 2579-83 /46/P-8.

13 th December 8.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.S.Barla Koronjo, Mr.P.Dungdung Takarna, Rev.S. Kula Church Supervisor, Mr.P.D.Bapa Edmaster, Takarna and the Treasurer, C.E.L.Church for information, guidance and compliance.

C.H. Herenz
Secretary,
C. E. L. Church.

Extract from the minutes of the full C.C.meeting held on the 3rd December, 1946.

Item No. 11.

" Koronjo H.E.School a/c :- (a) In this connection, the joint petition d/- 4.12.46 from the Edmaster H.E.School and the Iliaka Chairman Koronjo was read and resolved that the C.C. to help the Iliaka with an advance of Rs. 150/- if the fund allows. This amount should be refunded by the Iliaka within six months after the issue. Mr.Dungdung, the Edmaster, now transferred to Bidnaes H.E.School, be ordered to pay the sum of Rs. 237/13/11 within six months to the Council and he should execute a document for the same and Rev.S.Kula is authorized to see that it is done.

(b) Resolved that the Edmaster of the Takarna H.E.School be requested to deduct a monthly instalments out of Mr.Petras Dungdung's salary and pay it to the Council.

Sd. J.Lakra.
President. 12.12.46.

Sd. C.H.Herenz.
Secretary. 7.12.46."

CBCCH/SC.

F. 8

~~copy~~

Lutheran
Church
Kororjo
29-10-46

~~Manojwar~~ Mr. C. H.
Herenj Secretary G. E. L.
Church Ranchi Wogishu
Bahay howe - up he
nimedan hai ki up
birpa kar ke hatariye
ki head abstar Mr.
J. Guria Kenne nahin atar
hain. up us ko hadli
ondar gaya ki nahin
mayhe up janaige ki
tham log school ka
charj lenge ki nahin

School dinong din
giste jata hai so
up janiye -

up ke sewaah
H. Baile

BY NATIONAL
MAILS CERTIFICATE
DELIVERY
2 NOV 1910

To
8 30 A.M.
RANCHI



The Secretary G. E. L.
Church Ranchi
P. O. Ranchi

F 8

~~attached~~
~~received~~
~~of 10/10/46~~ No. 69

Koronjo.

October 2, 1946

To
The Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Dear Sir,

With reference to your
letter No. 1831/46/F-8, dated 24.9.46

I beg to state that the High School
money is in the hands of the Haka
Chairman, So I don't think there
will be any hitch between my-
self, and the public.

The Hostel money is in the
hand of another Teacher, so you
need not be afraid that I
shall spend the money in
any way I like

Yours most obediently,

P. Wengdung,
Headmaster,

M.B. School, Koronjo.

Copy to the President
G.E.L. Church.

To

The Secretary,

F 8
G. E. L. Church, Ranchi

The 26th Nov., 48

Sir,

I beg to request you to send me the Expenditure Book and the Tahsil Book at your earliest convenience by V. P. P. I am finding extreme inconvenience as they are not with me for a pretty long time. Besides, almost everyday I have the

concern with them.

Therefore, you
will oblige me by
your compliance with
my request.

Yours sincerely,
H. Samad



The Secretary,
G. E. L. Church Compound
Ranchi
Dt. Ranchi

No.

The Secretary C.C. Chhola nagpur + ASSAM

महोदय —

हम ओरोजो पेरिस के लड़िया भाइयों ने ओरोजो पेरिस के लिये एक लड़िया पाद्री की अर्जी की थी। उसके विषय सेक्रेटरी ने ओरोजो एम. ई. स्कूल के डेड मास्टर बाबू P. Dzungdung से तीन सवाल कर उनका जवाब भी माँगा था। उन प्रश्नों में से तीसरे प्रश्न को ले कर डेड मास्टर बाबू ने आपने मतलब से यह लिखा कि यदि लड़िया भाइयों की माँग से एक लड़िया पाद्री के लिये कलिशा और लड़िया जाति को हानि है, तो मैं दरखास्त को वापस कर रहा हूँ। दरखास्त हम भाइयों की ओर से है, न कि डेड मास्टर की ओर से। इस लिये हम लोग उसके वापस करने से मंजूर नहीं करते हैं। हमारी अर्जी है कि हमारे उस दरखास्त पर उचित विचार लिया जाय।

यदि हमारी उस दरखास्त से कलिशा और लड़िया जाति को हानि है तो चर्च को सिल हमें समझा दें। हमारी अर्जी जाति का आधार पर नहीं है।

ता. २१-६-४६

आपके कृपाभिलाषी —

कातिब —

D. Bilung
Baly 1/01

Om jang kany mabepai

H Kullu

प्रमुदास हुं हुं

मुरीन केर केरा

वैलु केर केरा कादो

प्रमुदास हुं हुं कुरु मनी

देवदेव देवदेव

देव सही सुलेमान केर केरा
हुं हुं पावी

हिलिल हुं हुं कुरु चोखा

जयमहे देव केरा हुं हुं चोखा

देव सही मलीहास विलुंग
हुं हुं पावी

चोटेन हुं हुं कल्याणार

प्रमुदास कुरु

Boas Kullu

निकीस विलुंग

लेन्यामीन हुं हुं

कल्याण कल्याण

यो हन सोरेण लवापानी

प्रमुदास - हुं हुं - कल्याणानी

जुनाम लेन्या लतापानी

देऊ दे केर केरा लतापानी

प्रमुदास - दे दे दे जल लवापानी

लाना वास कुरु मीरक डोली

मलीयस दे दे दे हो ज मोर कडोली

परता वस केर केरा खरकागदी

वैलुसे ११
२२

No. 67

F-8.

Koronjo.

September 16, 1946.

~~The Secretary~~

G.E.L. Church, Ranchi.

Dear Sir,

With reference to your letter No. 1640/46-F-8, dated the 30th August, 1946 addressed to the Rev. S. Barla, I lake chairman, Koronjo, I beg to know about the sentence — "I mean to say that the I lake chairman being the chairman of the I lake has full authority over the Boarding Hostel and also over the School". Does it mean that the chairman should not consult the Headmaster, but he should use his dictatorial power. As it has been mis-interpreted by the Housemaster that now he has no concern with the Headmaster about Boarding, but he is to deal with the chairman. In the copy which you have sent no mention of Housemaster's duty with the Boarding is made.

I want that there should be Co-operation between the I lake chair-

P.T.O.

man and the Headmaster, so that everything regarding the school and the Boarding should be done through Proper Channel. The Headmaster's authority over the Boarding should not be ignored, but he should be Consulted.

Regarding the Bonus from the H.E. School Fund, I beg to state that the H.E. School Committee has already in the beginning decided to give some bonus. Therefore I wanted to get it so that it will be some help to me at the time of such a dire need, when neither the Government grant is paid nor the C.C. grant. I have learnt it sacrifice, but it does not mean that one should sacrifice oneself and one's family to starvation and finally to death.

yours most obediently

P. Dringding,
Headmaster,
M.E. School
Koronjo.

Babu P. Dungdung Jhaka F 8
Secretary Ho

ap ko jagata mun ki is
mahina men sab kharch Bareh
karke Rs 281-6-3 ka Balance
hua hai.

P. Babu
Jhaka Treasurer
16.8.46

No. 62

Recd
20/8

From
The Headmaster,
M. B. School, Koronjo.

To
The Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

Dated Koronjo, the 16th August, 1946.

Dear Sir,

I beg to state that the Slaka did not give any dearness allowance to the teachers. Had the chairman intended to give some dearness allowance he could have done so, because at present there is a balance of Rs 281-6-3 in the Slaka treasury.

I beg to remain,
Dear Sir,

Your most obedient servant,

P. Dzungdung,
Headmaster.

S. Barla
THE REV. L. KONGARI.

Recd
13/8

F 8
G. E. L. Church,
Koronjo P.O.,
Ranchi Dist. (Bihar).

10-8-1946

मान्य/ ड. ए. ए. Kalish के Secretary Mr. C. M.
Mehra को सूचित- येशुसदाय-होवे।

प्रतिश्रुति,

आज ही नि- आज तक मेरे
लिखे शादी लैसन्स-नहीं हैं सो आपा को शादी लैसन्स बनो
वस जाने की आपा कोगे।

आप के दोस्त वरु.

S. Barla

Attended
File

Received
Secy
4/8/46

F-42
F-8

Camp. Kahunani
P.O. Simdega.
Dist. Raichur
Dated 13th July 1946.

मान्यवर

लुथेरन चर्च कौन्सिल छोटा नागपुर और अपसाश. राँची.
के निम्न अर्जो प्रभु।

महाशगरा

चर्च कौन्सिल के मेम्बरो को मेरा धन्यवाद।

आप ने फिर से चर्च कर्मचारियों का तलब स्केल के बारे नये तलब स्केल बना कर
उस के बारे सबोंको जनाया और दिखाया, कि किस प्रकार से किस स्केल के मोताबिक कितना
पावना है।

मैं फिर से आपको पूछता हूँ कि मुझ को कि साल से आरम्भ कर
कितना पावना है। मैं तो सन १८६८ के अप्रिल से काम कर रहा हूँ। और मित्रियों के
ठहराये हुए इनतिहान पास कंके बृद्धि पाते आया हूँ। और सन १९२१ साल के अप्रिल में
प्रदाचिषेक पाकर बृद्धि पाते हुए, सन १९३२ साल से मोवालिग चालिस हपैश अंके ४० हपैश
को बृद्धि पाकर अब तक पाते आया हूँ। तो अभी के नया स्केल मोताबिक मुझ को कब से हिस्सा
आरम्भ करना और कितना पाना है ?

मैं मेरा अर्ज है कि आप इस के बारे खुलासा तौर से बिचार कर मुझ को जबर खबर
भेजने को कृपा करें।

आप का कृपाभिलाषी

आप का

बिगनास्त

चर्मदास कुंजूर

1488/46/F-8.

29th July,

6.

To

Mr. Patras Dungdung,
G.E.L. Church, Koronjo.
P.O. Koronjo., Dist. Ranchi.

Dear Mr. Patras Dungdung,

The other day I have got a petition dated 12th July, 1946 of Kharis brethren of Koronjo forwarded by you and the Chairman and in a way of further enquiry you are particularly requested to give light on the following points for you are the Secretary and an educated leader of our Kharis brethren that side. This is not meant for those 27 signatories who do not know the real situation.

You give the following three points in support of your demand. They are :-

- (1) Spiritual advancement.
- (2) Material
- (3) Preaching the word in the mother tongue.

Please therefore reply the following questionnaire by the return of post.

A. (1) Do you consider that the present pastor is failing in his pastoral duty i.e. the spiritual interest of Kharis brethren is neglected?

(a)

(2) Are there no Kharis Pracharaks at Latapani, Kadapani, Balyajor, Kurhpani and other places?

(b) If there are Kharis Catechists, are they

they not allowed to preach in their mother tongue ?
~~xxxxxxxxx~~ (c) Then again, if there are non-Kharis, are they willfully neglecting their spiritual duties ?

Be it noted here that the Church confines her activities solely on the spiritual advancement of the people. The pastors are meant for this.

B. Regarding your ~~3rd~~ 2nd point the material development, I have to tell you very frankly that the Church has not yet done anything for the material advancement of any particular community, whatever is done, if is done irrespective of caste and communities. These material gains are the indirect gains of Christian religion and ~~xxxxxxxxx~~ one cannot deny it. I do not quite understand what you mean by demanding a Kharis pastor for your material uplift, when the Europeans who were not our kith and kin taught us the words of God ?

(3) Is this your demand on communal basis ? If so it is dangerous and detrimental both to the Church and to yourself.

Thirdly - The mother tongue :- We do really have sympathy with your idea that the word be preached in the mother tongue of the people, and specially so, when the people do not understand any other common language i.e. Hindi or Sadri.

Keeping this point in view, the Church is desirous of having more Kharis leaders and workers in the Church and it ~~is~~ is deplorable that the Kharis are not forthcoming. There are only two Kharis pastors and two are being trained for pastorship, and I know only one Kharis who is prosecuting his study in a College.

P. T. O.

Considering all these - How do you expect to have your demand fulfilled without any leader and worker ? and How can the Church though willing can accede to your request ?

I would rather advise you to create a spirit of reading and writing and for higher education first among the Kharia brethren ~~and members~~ of our Church, I think *thus* your demand will be automatically fulfilled.

Yours sincerely,

E. H. Nurn
Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to

Rev. Suleman Barla,
Chairman, Koronjo Ilaka.

CBRCM/3C.

19-7-1946

File F 8
मा. २९/ Mr. C. M. Jherany आपको बहुत धन्यवाद
प्रार्थना है.

महोदय,

निवेदन है कि जो रोज़ इलाका से एक
दरिद्र खड़ा-लोगों की ओर से गये हैं वह उसके
विषय में यहां इलाका में आगे हुआ। आप-
लोग यहां के विषयों को जानते हैं। हेड मास्टर को
बोर्डिंग को। स्कूल के स्टाफों के विषय हमें कुवा-
इसी से यह निश्चय है। जो आप-जितना जल्दी
होवे यहां आके मुझे मदद देने की कृपा करें
गे। आप-मुझे सहायता करेंगे बोले ओ। ओर
बालों में नहीं सहायता करते हैं हम को देख-
दिया। ओ। आप-चुपचाप मरिया दिया-
आज कल हम लोग हेड मास्टर से देखा देखि
होते हैं जो आप ओ। चार्ज सुपा। वैज (आइये
ओ। समाधी कि जैसे नहीं वो जो वे कष्ट होता
है जो उसे दरिद्र में लिख गये हैं। उस दरिद्र को
हो क मत से सिमारि रहें कि यह है।

आप के सेवक-
S. Barla

NO 495

Lutheran Church
Dorango F 8

15-7-46

महा महेश्वर कोटा नागपुर (ओ। आ।)
म को जी: ई: ए. ए. ए. लोशा के President
Rev. J. Lakra को (सबिनय योशु)
सहायता दे।

महाशय,

निवेदन है कि,

इस समय इधर इतना महंगा हो गया
कि- हम लोगो को जीविका वि
ता ना आखिन हो गया। सो आजो
है कि- तलब का १५ डियाने
शरवाने का अनुमति दिया जाय-
हम लोग- कितो महिना से वारहे
हैं। आपा का जो इस वच को
गहरा का दिजो ये इस समय।
आपा का जो हमारे शादी लै संश

जिल्ह बन्दोबस्त न (दिना)
ये ।

आप के आशीर्वाद
लेना है.

813 arls

POST CARD

REPLY

ADDRESS ONLY

RANCHI



The President

Rev. J. Lakra.

Lutheran church

Ranchi

F. 8

*The application letter
encourage Communion
which the district
Pastor Secretary*

The Secretary

G. E. L. Church Council
Chhotanagpur + Assam.
Rauchi.

Through

The Ilaka Pauch Koronjo

Dated the 12th July 1946.

महाशय —

lungcaw

आप को कोरोजो पेरिश के खड़िया भाई -
बहिनो की ओर से थीबु सहाय -

आगे आप को सविनय जनाते हैं कि कोरोजो पेरिश
के मराडलियों में अधिकांश खड़िया लूथेरन रिक्स्तानों की
संख्या है, जिनमें लतापानी, कदोपानी बल्याजोर, और
कुड़पानी सिर्फ खड़िया मराडलियाँ हैं, और बाकी मराडलियों में
भी अधिकांश खड़िया लोगों की ही संख्या है।

अतः हम लोगों की सविनय अर्ज है कि हम लोगों के
लिये कोरोजो पेरिश में एक खड़िया पाद्री देने की आवश्यक
कृपा करेंगे। जिससे हम खड़िया लोगों की आत्मिक और
लौकिक बातों की उन्नति में सहायता दें। चूंकि हम लोग
अब तक आत्मिक और लौकिक बातों में पिछड़े हुए हैं।
खड़िया पाद्री होने से आपने नीज भाषा में भाई बहिनो
को धार्मिक बातों के विषय अधिक समझा सकें और
हम लोगों की आत्मिक (धार्मिक) बातों में अधिक उन्नति
होने सकें।

आप के कृपा भिलासी -

बोआसकुल्लु बलेआओर।

दाऊद विलुंग बल्याजोर।

पोहन डुंगडुंग कसिरा।

सिमोन केरकेटा।

मोसदास डुंगडुंग + कदोपानी।

सुरेमात केरकेटा कदोपानी।

पुमुदास कुल्लु कुड़पानी।

मान मसि भुं डुंगडुंग कुंड़पानी

हबाल डुंग डुंग दुरीचोका

मरयिन देदे

7

P.T.O.

640

F 8

Kororjo.

15 (4).

The 7th July, 1946

To The President,
G.E. L. Church, Ranchi.

Dear Sir,

I beg to state that the Khar'a brethren have sent a petition to the church Council. The Secretary remarks that the demand of the Khar'a brethren is dangerous and detrimental to the church and the Khar'a brethren. But I do not understand how it can be. If the C.C. thinks it dangerous and detrimental to the church, it means that no petition be sent from the Khar'as as they are dangerous people. Would you be kind enough to let me know on this point so that I may explain my brethren about this. The request is made on the linguistic point of view.

Yours sincerely,

P. Dzungdung.

Received
10/11/46

No. 80

file/cen

Koranyo F8

The 7th November, 1946

The Secretary,
G.E.L. Church Council, Ranchi.

Dear Sir,

I beg to state that some Munda teachers ^{hearing my T. order} expressed their joys by clapping their hands. I think this is because the racial feeling is most predominant among the Munda teachers otherwise why should they do so. Is it Christian like? you say that the Mundas do not have any racial feeling. But your saying is falsified here.

From their rejoicing it is quite clear that my transfer is because I am a Kharia and why should a Kharia remain over the Mundas. As I have often heard from Mr. A. D. Ponde, saying the Mundas are greater in number, so why should they remain under the authority of others.

yours most obediently,

Copy to the President, G.E.L. Church
for information to Jaidam & Lunglei
P. Drungdung
P. Drungdung
Headmaster,
M.E. School,
Koranyo.

No. 953/66.

F 8
कोहपानि
ता: २१-७-४६

महाराष्ट्र
Attended

आप को मेरा बहुत २ प्रीति सहारा -

२. पात्रो. समाचार. सब अच्छा है. काहपानि पोरिस ओं वहां का काम अच्छा है. अभी कोरीजो. काहपानि और लोम्बोय तीनों पोरिस का सेन्डा लाइस प्राप्त. अच्छा है. और तबब भी पूरा २ मिलता है और सब खर्च का छोड़ा करीब सो. डेढ़ सौ. और अभी दो सौ. बचता है. मंडली में छोड़ा कभी गोल माल होता है तो कोरीजो. और लोम्बोय में होता है काहपानि में कोई गड़बड़ नहीं है अभी जब से मैं वहां से सलतनत

हो तो मेरा आज है कि मेरे अपजो पर ध्यान देंगे क्योंकि मेरा काम अभी ईट बास का है. और मेरी अपजो अभी ७३ वं बास है. सो पुरानी. हिसाब से भी ध्यान आना चाहिये. नया हिसाब से भी आपसी टक्केल तक तो मेरे बिचा से पहुंच जाता है:

1. सन १८६८ साल से कंडिदात. १६२० तक.
2. सन १८२१. साल से पदाभिषेक. आज तक.
3. सन १८३२. साल से चालिस पाते हैं.

आप का
बिम्बास
चम्पदास कुजु

Attended

Camp. Kahupani

P. O. Simdega.

Dist. Ranchi

Dated 31st July 1946.

मान्य वर

लुथेरन चर्च कौन्सिल छोटा नागपुर और असम. संघी.

केनिकट निवेदन जो अपूर्ण पत्र।

महोदय गुरु

चर्च कौन्सिल के मेम्बरों को मेरा धन्यवाद।

आप ने फिर से चर्च कर्मचारियों का तलब स्केल के बारे में नया तलब स्केल बनाकर उसके बारे में सभी को जनाया और दिखाया कि किस प्रकार से किस स्केल के मोताबिक कितना पावना है।

तो मैं फिर से आप को धन्यवाद और जानने चाहता हूँ कि मुझ को किस साल से आरम्भ कर कितना पावना है। मैं तो सन १८६८ के अप्रैल से काम कर रहा हूँ। और मिस्त्रियों के ठहराये हुए इन्तिहान पास करके बृद्धि पाते आया हूँ। और सन १८७१ साल के अप्रैल में प्रदाभिषेक पाकर बृद्धि पाते हुए सन १८७२ साल से मोबलिंग चालिस सूपेया अंक ४० सूपेया को बृद्धि पाकर अब तक पाते आया हूँ। तो अभी के नया स्केल मोताबिक मुझ को कबसे हिसाब आरम्भ करना और कितना पाना है ?

तो मेरा अर्थ है कि आप इस के बारे में खुलासा तौर से विचार कर मुझ को जल्द खबर भेजने को कृपा करेंगे।

आप का कृपान्वित

आप का

विश्वस्त

धर्मदास कुमार

2126/46/F-8.

14th Oct., 6.

To

Mr.P.Dungdung,
Hdmaster, Koronjo M.E.School.
P.O.Koronjo, Dist. Ranchi.

Dear Mr.P.Dungdung,

Received you petition no. 71 dated 9th October 1946 requesting that the C.C. be kind enough to allow you to stay there till the end of this year 1946 and in reply you are informed as follows :-

The Church Council after very careful consideration has decided that you should join the Eidnaes H.E.School immediately ~~i.e. either within October or in the 1st week of November 1946.~~

There will be no change of time regarding your joining the Eidnaes H.E.School. I therefore suggest this that you may alone come to Takarma for the time being after having (a) given over charge of the school and the hostel either to the Secretary of the school or the 2nd master as the case may be.

I fully sympathise with your troubles and do feel it, but circumstances are such that you should at once move to Takarma.

As regard money matter you are correct that you are not supposed to have enough money. Advance may be given for journey expences if you will apply for it to the Treasurer and the Headsupervisor. Hence you need not worry about it. Even if you will be allowed to stay till the end of the December 1946, you will have to face the same difficulties regarding the money perhaps more.

Being a Headmaster myself for a long time, I have some experience that all the courses of the class must

must be completed by the end of September every year, so that enough time for revising the lessons be spared for the students and it is actually so. I do not therefore see any loss to your children in any class. Our Lutheran M.E. Schools follow the same curriculum every where, they can sit in the examination hall of Takarma without any trouble for the students of ~~Takax~~ Takarma have learnt the same things which you have taught them at Koronjo.

Regarding the question of admission you know perfectly that the children of a teacher who has been transferred can be admitted at any time and this is a fact.

You can make arrangement for your cotton, millet and sakarkand etc. and in the nick of time, you may bring them to Takarma or dispose off them as you like.

Excuse me for telling you again that you will have to join the Takarma H.E. School soon either individually or with your family or as the case may be.

If you come alone to Takarma, this time, you will have to go to Koronjo for the ~~2nd~~ 2nd time in the nick of time to bring all your luggage and family.

x Please note that this is the decision of the Rule C. which the Executive can't alter.

Yours sincerely,

E. E. L. Church
Secretary,
G. E. L. Church.

1881-82 /46/F-8.

2nd Oct. 1946.

The undermentioned document is forwarded to the Secretary Board of Management G.E.L. Church Properties and the Rev.S.Barla, Koronjo for information, with the request to do the needful.

C. H. Merenz
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the full C.C. meeting held on the 30th September, 1946.

Item No. 29;

" Building of a Derakhana at Koronjo out of the income of the Koronjo Bazar :-

Referred to the Property Board for recommendation.

Sd.

J. Lakra.

~~18.10~~

1.10.46.

Sd.

C.H. Merenz.

Secretary. 30.9.46."

CDBCM/3C.

18 73-76 /46/P-8.

2nd Oct., 1946.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.M.Topno, Rev.S.Barla, Rev.S.Bage and Mr.P.Dungdung for information, guidance and compliance.

C. H. Herenz
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the full C.C. meeting held on the 30th September, 1946.

Item No. 15.

" Request of Kharis brethren for Kharis Pastors for Koronjo and Khutitoli :-

Read the petitions dated 15.5.46 and 12.7.46 of the Kharis brethren of Khutitoli and Koronjo respectively, the letters dated 9th August 1946 from Mr. patras Dungdung, letter dated 21.9.46 from the brethren of Koronjo and also, the letter no. 1488/46/F-8 dated 29th July 1946 from the Secretary to the Headmaster Koronjo M.E. School concerning the request of Kharis brethren for Kharis pastors at Koronjo and Khutitoli and the Church Council fully sympathises with the needs which the C.C. will try to meet them in due course. Meanwhile Rev. Samuel Bage is commissioned to visit the areas to find out exactly where the need is greatest.

Sd. J. Lakra.
1.10.46.

Sd. C.H. Herenz.
Secretary. 30.9.46."

CHECM/3C.

1831/46/F-8.

24th Sept., 6.

To

Mr. P. Dungdung,
Hdmaster, Koronjo M.E. School,
P.O. Koronjo. Dist. Ranchi.

Dear Sir,

With reference to your memo no. 67 dated 16.9.46 concerning your enquiry, I have to say as follows :-

(a) Chairman's authority :- The sentence does not mean that the Chairman should take all the detail works of the school and the Board. The sentence is quite clear and means the Chairman must have the general supervision and control of every thing within his jurisdiction.

(b) The headmaster is directly responsible for the detail works and supervision of the hostel and the school and the subordinates are directly responsible to the Ilaka Chairman, M.C. Ilaka Sabha and these all are responsible to the C.C. It is you who should consult the Chairman and the M.C. and the Ilaka about the broad policies of the school and the hostel. It does not mean that you should take advantage of your position and spend the money in any way you like or adopt such policies which the Ilaka Chairman, M.C. of the Ilaka do not know. No body question your authority over the school and the hostel, but you should be constitutional.

(c) You are right that there must be co-operation between yourself and the Chairman and his Ilaka on the other hand. This is deserved welcomed.

P. T. O.

X Headmaster who is also responsible to the
terms

(d) H.E.School matter :- I am afraid that there may be a hitch concerning the high school money matter between yourself and the public so, I request that you will be kind enough to send me the ~~statement~~ whole statement of income and expenditure from the very beginning. It does not mean that the C.C. recognise your H.E.School or is ready to take it under its controle. It means simply to know the exact situation of the newly started class VIII.

(e) D.A. :- The C.C. feels the pinch of the famine and feels it very seriously for its employees, but it has no fund to help them. However it is contemplating to give some help soon, if it will get some money within a reasonable date.

(F) *It is desirable that W. H. M. should be the*
Treasurer of the Boarding Hotel. Let another man be
appointed for it. Yours sincerely,
am

E. D. Herem
Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to the Ilaka Chairman, Koronjo.

CBECM/3C.

1640/46/F-8.

30th August, 6.

To

The Rev.S.Barla,
Ilaka Chairman,Koronjo.

My dear Rev.S.Barla,

I have received your letter dated 10.8.46 with thanks but could attend ~~it~~ to it earlier for I was out of the Hdquarters. Further the answer to your three queries is given as follows :-

1. Ilaka Chairman's authority over the Hostel:-
The answer is in the affirmative, i.e I mean to say that the Ilaka chairman being the Chairman of the Ilaka has full authority over the Boarding Hostel and also over the school. The Hdmaster alone cannot do any vital matter concerning the Boarding and the school without the knowledge of the Ilaka Chairman except the routinal works. There must be the assent of the Ilaka Chairman and the M.C. on vital matters.

(b) As regard the Boarding Fee, the Ilaka and the Chairman have the full authority. The Boarding M.C. cannot increase the Fee without the consent of the Ilaka and finally the C.C. or the Mahasabha -- (on points which touch whole schools and boardings of the Lutheran field). The Ilaka and the Chairman has every right to deal with those points concerning Boarding Fee and other matters.

2. H.E.School Bonus to the Hdmaster :- I do not know under whose initiative the Proposed H.E.School has been started. Is it the Hdmaster of the Ilaka or the people at large ? and under what circumstances and conditions it has been started. So far I understand, it has been started for the ultramistic motive. Now it requires a great deal of sacrifice on both sides - the staff, the students and the Ilaka on the other side.

If the Hdmaster and teachers have not learnt to sacrifice, for this noble work, the school may collapse.

Then again, the finance is the most important question, there must be enough money to build the High School. My experience tells me that sacrifice is the only way to complete any big business. Hence my personal opinion is that the Hdmaster be requested not to press the point of Bonus. If the teachers are bent on to take bonuses, then it will be better to close the school which has not yet become so strong to bear all kinds of expences. My advice to you is to put up the matter before the High School Committee which is the deciding factor on this subject.

3. Ilaka D.A. to the teachers :- I hope you have got the C.C. resolution on this point. The C.C. desires that the teachers also be given some help from the Ilaka if the Ilaka funds permits. Help if at all be given may be given only for three months - August, September and October.

Copy to Mr. P. Sungdung,
Hdmaster.

Yours sincerely,

E. H. Wenz

Secretary,
G. E. L. Church.

CBECM/2C.

F 8

No. 54

Kororijo

July 24, 1946.

The Secretary,
Lutheran Church Council,
Rancho.

Dear Sir,

Would you be kind
enough to send me a copy
of the scale of pay for the
church workers.

Yours obediently,

P. Drenghung,
Headmaster,
M.B. School,
Kororijo.

check to send him
copy

There is not a
single copy in the
office, hence could not
be sent
P.D.

S. Barla

THE REV. L. KONGARI.

F 8.

G. E. L. Church,
Koronjo P.O.,
Ranchi Dist. (Bihar).

24-7.....194.6

मान्यवर Mr. C. M. Gherang आप को बहुत ही सुहाय-होवे-
यहां इन दिनों में बहुत बुरा हाल हो रहा है। मैं आप का मीजानने
चाहता हूं। चिट्ठी लिखने का विशेष कारण है यहाँ आज कल
रफड़िया। सब डिसे-रफड़ हो रहे हैं। सो आप-दरवासा में
देव सुन रहे हैं आप-सब मुझे क्यों कोई चिट्ठी आजवाव
नहीं लिख रहे हैं? मैं क्या करूँ? हे 3 माह दिनों दिन-
रफड़िया। पार जा रहा है। सब बिगड़ जा रहा है। सो-
आप लोगों में जानती दगाड़ें।

आप लोगों के आशीर्वाद
सब-म.

S. Barla

Karanjo f-8

9-7-46

प्रधान, सेक्रेटरी तथा कौंसिल मेंबरों को
वहुत २ चीजें सहाय होंगे।

महाशय - १

आप लोगों से सविनय अर्ज है कि यहां Kivrajuं बाजार टांड से लगा हुआ एक टांड है जो बाजार टांड से दक्खिन पूर्व में है। आप लोगों से द्दिनता पूर्वक अर्ज है कि आप कृपया इस टांड को मेरे लिये रैयती को धर बनाने की रैयती बन्दोबस्त कर दीजिये जिसके लिये मैं आपको जैसा गांव ~~समूह~~ सती हो (७५) पक्षांतर दियेया सलामी देने चाहता हूं।

अतः आप मेरे इस विनय की प्रहारा को जिये और इस विनय को जिये।

आप लोगो का ध्यान मिलाया

Elías sind

Karajo

9.7-46

f. 8

Karunjo's

8-7-46

जोमान सेक्रेटरी वायु को बहुत श्रेष्ठ सहारा देवे
महान्वय महाशय -

अपशाश के साथ यह विनम्र प्रार्थना है

की सेवा में पेश करता हूँ सो आपकी चर्चा के लिये
आप एक चिट्ठी में लिखते हैं कि जगह Karunjo
होने पर एक को Karunjo में काम करा जावेगा और
एक letter में लिखा जाता है कि अभी Karunjo
school में जगह खाली नहीं है

Deputy Inspector of Gumla लिखते हैं कि
Change has been made. सो मैं यहाँ भी
M.F. section में एक untrained teacher ला
गया है - January 46 से, जो कि untrained
teacher को appointment के departmental
के विरुद्ध में है। तो सो मैं यहाँ Karunjo
school में untrained teacher ला जाऊँगा -

एक को तो N. Soy H. Supervisor जो ला

5/5/46
जो लाया कि धर के का ला Karunjo school में
जो मैं कई एक वर्षों में लाया गया है।
मैंने January 46 से Karunjo school
Roll में जो लाया है तो इस के मोता
विषय को January से Karunjo में नाम करने को
आ. 30 जगह में एक untrained teacher
को ले. Recognized school में ला जावेगा.
जिस के बारे S. Hereng Deputy Inspector
कि Change has been made. तो सो मैं यहाँ
जगह में नहीं ला जाऊँगा.

मिलने पर June के मध्याह्न 14 July 46
से Karunjo school M.F. section में एक नया

f 8 Koronjo
3.7.46.

Dear Mr. Herzog,

Received your
P.C. dated 25.6.46, many
thanks for it. Now-a-days
Elias Sindisi in the house
which Rev. Aked Tira has
built. It is on the border
of the Compound.

Now-a-days rice is
selling here @ Rs 2 seer per
rupee. Things have become
dearer than previous
years. So we have to
suffer much difficulties.
We do not see any hope

of redressing this
difficulty. May we
expect any from the
C.C.

I am well and
hope you not otherwise.
With kind regards
yours sincerely
P. Dringdung

POST CARD

THE ANNEXED CARD IS INTENDED
FOR THE ANSWER

JUL ADDRESS ONLY

30.1.1901
RANCHI



Mr C.H. Hercuz,

Secretary,

G.E.L. Church Council

Ranchi.

Post Copy of Telegram dated 23rd January 1945 from the Secretary:
Dist. Sailors, Soldiers, & Airmen's Board, Ranchi, addressed
to the S.D.B. Simdega.

"Martin Tiro's Case Against Reverend Toforo 500 J.P.C.
with Drawn - Letter follows."

cr 228/Kau/D 55 AB/1945

Dated the 23rd January 1945

Copy forwarded to :-

Registered.

1 The Sub-Divisional Divisional Magistrate, Simdega,
Dist. Ranchi, along with a true copy of a Petition dated 22nd.
January 1945 from the Complainant Martin Tiro F/O. cr 195645
Mansukh Tiro of Village Mamablagina, P.S. Kalebira, Dist Ranchi,
with the request that the case against Reverend C.R. Toforo
instituted by the said Martin Tiro be considered with drawn
on the strength of the Copy of the enclosed petition, and also
kindly dropped.

Registered. Adv

2 Martin Tiro F/O. cr. 195645 Mansukh Tiro of Village
Mamablagina, P.S. Kalebira, Dist. Ranchi, for information
as desired by him.

Registered.

3. The Reverend J. Lakra, President. G. E. L. Church, Ranchi
with one Copy of the Petition dated 22nd January 1945
from the said Martin Tiro referred to above, for information,
and kind favour of necessary action; and ordering the
Church Council to admit the said petitioner and
his family members into the Church and cancel the
ex-communication from the Church; and to kindly
effect the early marriage of the daughter of the petitioner,
as desired by the petitioner, Martin Tiro, for which
I shall be grateful.

[Signature]

On, Linfiller

Sign of Secretary

23rd January 45
Dist. Sailors, Soldiers, & Airmen's Board

Ranchi

Compared by me
on 27/9/45
J. Miller 27/9/45

जमाना नं 15 नं 93 सन 1943

Vide Order Sheet
Sd/ C. K. Kongari
S. D. C. Munsiff
5/4/44.

दीवाना मना सुट नं 93 सन 1943

काज नं 15 नं 93 सन 1943

मासोमात सुटान लुगुन खगौरहे

मुद्दमान-

मुदलेहम-

जरील परवर सलामत गुजारीसहे को मोकदमा लुगुन में जरील कोन सलामत को सलामत मजदूर को है जिससे मोकदमा का पुसमें इसंतोर से ताख को तशीकरीया-
जिन्हा को मुद्दमान को खेलापर जो लुगुन को मागो सम्बन्धी बात मुदलेहम जरी जिन्हे को उसको काज को तीरखसे मुदलेहम उठा देते है काव मुदलेहम को उसको को इजीकोर नही रता को न काइन्देले रता खवा मोकदमा जामें जरीको को कायना कायना रहा इसी लोपे दरवास्त राजा नामा वदस्तरवस जरी कोन दारवतकर उमीदवार को मोकदमा कावागत वमदरमो नामा जोसक करमाया जाम

- | | |
|--------------------------|--------------------------------------|
| नाम मुद्दमान | नाम मुदलेहम |
| 1 कानन्द मसोर मुंडा व.र. | 1 नो सही रोयल मुंडा व.र. |
| 2 कुशन मुंडा 0 नो.र. | 2 सुलेमान प्रचारण खुद को कारपार व.र. |
| 3 पतरस मुंडा व.र. | 3 जकारिया समर व.र. |
| 4 सुसाना बागो व.र. | 4 काब्रहम व.र. |
| | 5 तिमनुस मुंडा व.र. |
| | 6 सुशन लुगुन व.र. |
| | 7 Sd/ Luthar Gajhu |
| | 8 0 नो सपुरल |
| | 9 0 नो दयाधाम |

Defendants
Sd/ M. A. Rauf Pleader for Plaintiff
Sd/ D. Prasad Pleader for Plaintiff
5/4/44.

Form of order sheet:

Court of the Sub. Divisional Officer munsiff Simdega

Money Suit no 13 of 1943

Anandiasit Mundu and Others Plaintiffs.

versus
Morsorat Luguu Luguu and others Defendants.

Ex tract from order sheet.

Serial no.	Date of order or proceeding	Order with the Signature of the Court.	Office action Taken with date
1	2	3	4

Composed by me.

27/9/44

5-4-44 parties file a joint petition of compromise and Pray that the Suit may be disposed of in terms thereof. The Suit is compromised in terms of Compromise as prayed. Parties to bear their own Costs.

Sd/ C. K. Kongari
S. D. C. Munsiff.

To *Asst. Secy 12/8/46*

Koranyi
The 7th August, 1946

The Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

Sir,

With reference to your letter No. 488/46/R-8, dated the 29th July, 1946, I beg to state that the request for a Kharia Pastor is not based on a Communal basis.

If the request of the Kharia brethren for a Kharia Pastor is dangerous and detrimental to the Church, I beg to withdraw the petition on behalf of the 27 signatories.

I beg to remain,
Sir,

Your most obedient servant,
P. Dzungdung.

1255/46/F-8.

2nd July,

6.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.S.Barla Chairman, Koronjo Ilaka for information, guidance and compliance.

E. H. Aram
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the full C.C.meeting held on the 19th June, 1946.

Item No. 5.

" Koronjo Case and its Decision :- Martin Tiru of Mamabhagina :

Heard report from the Church supervisor that Martin Tiru of Mamabhagina gave away his daughter without marriage although he pleads that he gave her to the panches. Martin Tiru in giving away his daughter without marriage to any body whether to panch or any one ~~he~~ is guilty according to Sudhar Pranali.

Resolved that Martin Tiru be admitted into the Church upon his confession of his guilt.

M. C. K.
President,
G. E. L. Church.

E. H. Aram
Secretary,
G. E. L. Church.

CEBCM/2C.

Received
25/6/46.

No. 40

F 8

Kororijo.

June 21, 1946

The Secretary,

G. E. L. Church Council,

Ranichi.

Dear Sir,

I beg to state that the Ilaaka Chairman had raised this question that the Candidates works in the school so why should he not get something from the school. Now he gets his full pay plus a dearness allowance at the rate of $\frac{1}{6}$ of his pay. The Chairman says that he should get something over and above the pay from the school because he works in the school.

I, therefore, request you to let me know the intention of the C.C. on this point.

yours obediently.
P. Drungdrung,
Headmaster.

THE REV. L. KONGARI

S. Barla

f. 8.

G. E. L. Church,
Koronjo P.O.,
Ranchi Dist. (Bihar).

14-6.....1946

महोदय (कोटा नागपुर) को आसाम के चार्ज की मिसल-
को यी मुसहय-होवे ।

महोदय,

निवेदन पूर्वक-आजि आते हैं
कि- आप का मे मुझे शादी लैसाम बन्दोबस्त आदे
ने की आप मेरे गो। जिसे २ यहाँ का काम ~~आप~~
आपके शीत से चलने लगे।

आप लोगों से आझा करी
सक.

S. Barla

Recd

7/6

8

Lutheran

Church Kaurji

31-5-46

Hirendra Secretary Lutheran
Church Dandeli. नमो ब्रह्म-
देव्युपमा. एतदे। आधुनिक विज्ञान
मिथ्या नही। परा धर्म मालूम किया
ये आधुनिक विज्ञान-देन नही।
देह नवः शरीर के धर्म को
मानके धर्म को बनाता उस वही
आज नवः धर्म-चारों दिशा में
गमते मानके धर्म को समझाना
उस वही ही है। मूल-मन्त्रों के धर्म
को समझे नही। प्रकाश-मन्त्रों के
समझे - जो बहुत आधुनिक विज्ञान
मान को। आज नवः धर्म
मन्त्रों को देना आधुनिक विज्ञान
विज्ञान नमो गोल माल नही है। 1946
School में नवः के विषय-गोल
माल है इस विषय में विज्ञान नही-
को समझे देया। 2

विगतने मजदूरी को आपने
 भविष्य को वलप नहीं मि
 ला था - ये ४१ को दिया -
 आपसे आज्ञा है मि. लाला
 को जो जो डि २ (मेजने को)
 लाला को देंगे नहीं तो यदि
 बहुत ही पछतावा पड़ेगा.
 हम को यदि दोष मंत हो
 ये - १ आगे पुनः से आपका
 समान
 १३ अंश

POST CARD

REPLY

ADDRESS ONLY



The Secretary Lutheran

Chanderk Ranchi

P.O. Ranchi

Ranchi

हे। मांयव (कोटा भाग पु) और मांयव के चार्ज को नि-
ल के नि काट निवेदन-

हे। मांय,

मांय निवेदन है कि-
कोटा जो मा. चौको दा (देवररा) के सुलप के विषय
मा. पै सुला. किये? हम लोगों को नहीं मालूम है
यदि उसका तलप नहीं बढ़ा रहे तो उससे काम
लेना बहुत कठिन है। इसलिए चार्ज को नि-
ल मा. जो है कि- जैसा लुटेरी टोली का चौको
दा को दिया जा रहा है वैसे ही इन को भी
देने का प्रबन्ध करने की गुणा करेंगे।

आप लोगों के सुबह

S. Barla

To

f 8

11 (C).

The Secretary E. E. C. Church
Ranchi

Sir,

Please fix the pay of my, heave
deocharan (man of Koronjo) - with retrospe-
ctive effect of January 1946

Rhuth & My - Theophil Susan.

4/5/1946

Your Sincerely

S. Barla

4-5-46

Harb om

विशेष निवेदन - 65 जिले - 16/2 दमरु
सिलेज का वारंट 15/2 रु - नम
- अतिथि

ST 5
F 8

2/5/46 To

The Secretary,
G. E. L. Church Council,
Choranagpur 2 Assam
Ranchi.

Dated Camp Ranchi the 3rd May,
1946

Dear Sir,

With reference to Memo
Nos. 830/46 & 831/46 both dated 23-
4-46 and No. nil dated 1-5-46, the Com-
plaints of Pandit E. Aind, against
the Jhalda Chairman and the Head
master, M. E. School, Koronji. We beg
to state that we cannot deal with
the Complaints, because we are
quite sure that he will never agree
with the decision of the local panel.

We therefore request you that
the Church Council would be kind

enough to send a Commission
to settle the matter and to
eject him from the house of the
church, which he never leaves.

If he will remain there he will
never stop to make complaints
against us.

We beg to remain,
Dear Sir,
your most obediently,
P. Drungdung.
Bairlee

Dated Karanjo The 30th April 1946 ₹ 8

Mr, Agnes Back m.l.c. for Bihar Christian Ranchi
C/o Mr. C.H. Hervey Secretary
Lutheran Church Council Ranchi.

महाशय ।

29-3-46, Karanjo School Master, Glaka
Chair man, Rev. S. Barla, Hdmaster P. Dungkung
Pracharak, P. Baba Utha m.l.c. School मास्टर्स के साथ
एक बैठकी मीटिंग Rev. S. Barla + Hdmaster P. Dungkung
के द्वारा किया गया। जिसमें विचार किया गया कि
मेरा Application जो Karanjo m.l.c. School Hd
master के विरुद्ध में था। जो Council को दिया गया
था withdraw किया गया। इस प्रकार आपस में एक
दूसरे का दोष को हमों ने माफ़ कर दिया।

2. तौमी Rev. S. Barla Glaka chairman of the
Church of Karanjo circles (जो एक middle fail
प्रचारक को पदवी बनाया गया है Karanjo area
में Church Council Ranchi की ओर से) इन्होंने
ने P. Dungkung Hdmaster को चलाया और स्कूल
लड़कों को लेकर Criminal Case किया कि 2-4-46
Morning School ke Time about 8 am. to 9 am.

About 8 am to 9 am के भीतर मेरा घर का खपरा, उतार कांड कोरवा बत्ता आदि उतार फेंक तोड़ फोड़ दिया है। घर में मेरी स्त्री भी मैं नहीं बाहर चला गया था। इतना दुर्दशा किया गया स्त्री जाति को कि कुछ कहा नहीं जाता है जो एक trained जन है। सामान सब हराते वक्त सिर चोट लगी कितने दाम वाले जो तल दूर फूट गये, घड़े भी दूर फूट गये क्योंकि एकाएक स्कूल लाइके सब मोर से छैन के ऊपर चढ़ गये थे। हमों को धूप पानी हवा से भरी दुर्दशा सहनी पड़ी है।

सामान जो गौह पानी से भीग रहे हैं, धूप तथा हवा से चटक रहे हैं। इजुत गया सो ^{गया} आत्मिक शारीरिक तथा मानसिक हानियां हो रही हैं। इस का विचार किसी अधिकारी नहीं किया। उल्टी पाद्री बाबु हमारी दुर्दशा को अधिक मनुष्यों के बीच प्रचार करते तथा खुशी मनाते ही उस का सीमा रहा नहीं जाता है। ऐसे महात्म आत्म प्रशंसा आदमी कैसे प्रभु का काम कर सकता है जिसमें हेमदर्दी नहीं है। जो दूसरे के दुःख में दुःखी नहीं होता है तो वह प्रभु का चेला कैसे बन सकता है। इसको तो पद च्युत कर देना ही सामान्य है।

१४

३, Application:—^(a) 10-4-46 में Akka Paneh को दिया गया। यहाँ पर कागज लौटा दिया गया।

(b) 11-4-46 Pracharakpani Paneh में दिया गया वहाँ पर भी विचार नहीं किया गया।

(c) गांव पंच में भी सामान्यतः विचार नहीं हुआ।

(d) कोन्सील के Council के अधिकारियों भी इन सब बातों के बारे में विचार नहीं किये।

पुनः 11-4-46 को Rev. S. Kujur, Rev. R. Jopono के बीच बात पेश किया गया कि "पवित्र हप्ताह Good Friday आ गया है जिस में प्रभु ने हम सब Christians पापियों के लिये छपना प्राण सदा के लिये होम बलि कर दिया है" हमों में मेल होना चाहिये। Rev. S. Barla पाद्री बाबु ने म मेल किया न दामा ही दिया। वे दोनों पाद्री के बीच बातों को बढाते ही रह गये।

इस प्रकार प्रिस्त का पवित्र लोहू से हम घटाने समेत पन्दातापी रहने पर भी और प्यासे और भूखे ही रह गये। यह बड़े अपशोष और दुःख का विषय है।

कि जो मिस्सा हम Christians के लिये साल में एक बार उत्तमता से लेने की था

उस मिरसा को ग्रहण करने नहीं सका।

(4) उल्टी पाद्री बाबु - Rev. S. Kujur + Rev. R. Topno
के बीच मेरी स्त्री को बोलने कि तुम "हिन्दु या मुसलमान
हो जाओगे मैं नहीं जानता हूँ मैं तुम को ख्रिस्तान नहीं
किसी "अनाम जात को धर्म के बिछड़ को लाना पाद्री हो
कर स्वयं अपने को तलवार से काटना है। मैं हां
Rev. S. Barla पाद्री के असोज्य है।

5- संकल्प - (a) स्कूल छात्र लड़कों को Criminal Case
कहाया तो School Report में बिछड़ है।

(b) जब पाद्री बाबु मुखे खासे ख्रिस्तानों को बध नहीं
काला है। (c) शांति नहीं देता है। आत्मिक दान से।

(d) मेल नहीं काला (e) पाद्री की दामा पद्धतादी
यों को नहीं देता वह पाद्री काम कैसे करेगा
(f) मेल के बदले रूखी काला है।

(f) प्रेम, आशा, विश्वास से हमें *Apolloniam*
जन को भलग काला है। वह कैसे भागे
को पाद्री काम करेगा। और कोई समर्थन को
तो को मैं *Apolloniam* जन समर्थन नहीं करेगा।

भाप का रुका मिलाना -

Elias Aind

Karunjo P.O.

Ranchi -

Karanj N
2/4/46 2/4/46 18

Secretary, H. H. H. H.
C. Council Ranchi.

Sir,

We the members
of Karanj N held a meeting
on 29-3-46.

So we again decided
about my vacant quarters
and its repairing. and I
will draw my petition
of 22/3/46

so please cancel my

application, which
is sent to you on 2/3

Yours obediently

E. Ains
Karaijo

POST CAR

THE ANNEXED CARD IS INTENDED
FOR THE ANSWER

ADDRESS ONLY



To The Secretary

H. Hervey c/o Head Sup.

ervisor Lutheran

Schools Ranchi.

G. F. L. Church
Ranchi

Received
29.3.46

Karaujo 18
29-3-46

प्रीमान् चर्च कौंसिल सेक्रेटरी को
बहुत २ चौशुसदाय।

महाशय।

आप से निवेदन है कि जितनी
बातें मैंने आप के पास ला. 22-3-
४६ को तथा दूसरी शिकायती बातें
लिखा हूं वे पूरी हैं इसलिये मैं
with draw करता हूं।

आप का सेवक

Elias Aind

Karaujo

29.3.46

Barak Haka

chairman

29-3-46

Pringdang,

Haka Secretary

29-3-46.

Cuttack
(1) Sambalpur (1) which ~~xxxxxxxxxx~~
Bainagar.

22/3/46

45 12121

આપનો અદ્વિતીય ધન્યવાદ હોવે ।

writes: - To acknowledge, with thanks, your P.C. of the 17th instant, and to say that the, Sympathetic Party, to whom I referred your matter at Ranchi informed me that there were good reason reasons for the action taken by the C.C. this being the case.

2. Canada साहेब लिखते हैं तोचि C.C. मेरे माप के लिये किसी प्रकार का action नहीं लिखा है दीखिये।

ऐसी चिन्हा तो मेरे पास से कहीं हैं जिसमें *Authorities* लक्ष
लिखते हैं कि *Karawaj* में *Vacancy* होने पर हमको
काम दिया जावेगा।

हम तौमी सन्तुष्ट रहेंगे जब कि हमको वाप मिलेगा और

मेरे परिवार का पालन पोषण हीक तौर से होगा।

(a) जब Karanj School Roll n. चर गया मैं बैठाया गया।

(ii) January 1946 जब Roll n. चर गये R. Surin

Untrained को मास्टर Departmental में बैठा है।
मैं Council का नाममात्र हूँ क्योंकि Council मेरे पालन
पोषण का भार नहीं उठायेगा और बैठा देगा।

बेकारी और गरीबी :-

अजीवन है जो हमको अघोर है
सब Mission Station में Trained ही trained नजर
आता है परन्तु Karanj की वृद्धि उल्टी है कि यहाँ तो
Untrained मती किये जाते हैं जो कि Departmental
के बिना है। हमारा तो बेरी है दो लिये मेरी स्त्री
Mrs Mrs M. Aind Trained है, school में
उन को Selai को लिये (लिये) Selai एक Untrained
को दिया गया है Rev. G. Chairman को लिखिये।
कि वह school में Untrained शिक्षकों को हटाकर
trained शिक्षकों को रखे। M.H. school में
लड़कियाँ अधिक हैं और trained मास्टरों का कम
जारी है। G. Chairman को लिखिये कि वह
मेरी स्त्री को लिये और मैं Mission घर में रहे।

II. As the advice of the 2 Chairmen, I have
created two rooms, for the use of the new teachers

- (a) Quarters के बारे में Rev. Obed Tice ने कहा मरामत
करो और रहो (b) Th. Susan ने कहा घर गि (ने मत दो)
(c) मेरे गृहाजरी में मेरी स्त्री ने Mangratohy Karung
से ~~खर~~ खर लवा के मरामत करवा जिल में पूरा
का $\frac{1}{2}$ अया Half of the roof लवा खर्च हुआ।
जिल के काया से अभी तक घर रिहा है।
(d) Rev. Luther Kousai ने Goswami के लेन का एक कोठरी
का लवा उतार दिया जिससे घर चल गया और
अभी अभीन के लवा हो गया है।
(e) Patras Bungdung Headmaster का एक
कोठरी मरामत होने पर भी दिवाल समेत चल गया।
इसके मरामत में बहुत खर्च हो गया है।
(f) Headmaster quarters के East side quarters
चल जाने वाला है कोई Report नहीं देता है।
(g) School Boarding के मरामत हो के लवा
दिवाल चल रहा है September 96 Head Super
visor और Rev. S. Kulla योजना ला रहे थे
उस समय बहुत जोर चू रहा था।

III (अ) यहाँ का संव दाल वे काम हो रहा है ऐसा जाना

जाता है कि कोई रोज दाल सब वे काम हो जायगा
खुनने में जाता है Headmaster ने Rs 477/- S. fee
पाया अलावे. Hostel fee 999/-

ओर यावल - का रिसाव नहीं है। कोई Report नहीं है।

III इन सब अवयुक्त बातों के कारण High School
चन्दा भी माँगा गया है। तो भी कोशिश किया
जा रहा है।

ऐसी अन्याय बात नहीं है। तो जल्दी
चन्दा भी शीघ्रता से जमा हो जाता। ऐसा जाना
जाता है कि Karanj में न्याय नहीं है।

आप का हार्दिक धन्यवाद -

E. Quid Karanj.

22/2/46.

प्रधान सचिव वर्य

अनुचित बातों के लिये

हम को धन्यवाद प्रदान करेंगे

जिसके लिये मैं बहुत

बुद्धिमान हूँ।

E. Quid
Karanj.

III अमी प्रायः एक महीना होता है 20/2/46 को
Rev. Barla D. Chairman ने दो कोबरी जिसको
इन्होंने खाली कराया था। (वपरा सव को उतराया है
स्वे जामिये / कि यदि पानी आवेगा तो उस धा
या दो rooms का दिवाल चूस आकेगे क्योंकि
repairing नहीं किया जाता है - क्योंकि आज
कल रोज वा रोज पानी का वादल आदेरा जाता है
हमारा तो Karamjo में धर कर नहीं है नौकरी
के लाचारी - पन से - धर भी नहीं लगाने सकते हैं
मैं इतना - मरी परिवार को लेकर कहां जाऊंगा -
पाकी के order के समान तो दो rooms खाली किये हैं

IV January month में मैंने Managing Committee
को दरपस्त दिआ। तो Head Master ने कहा कि
अमी तब Managing Committee खत्म नहीं
डका है क्योंकि Rev. Barla नहीं पहुंचे वे हे
ओर चूप चाप एक Untrained मास्टर को
बहाल कर दिया है। इस का Report को
Elaka Chairman Secretary को पास Report
नहीं देते हैं जो मैं यहां देकर देठाया गया
हूँ। ओर दूसरे Elaka में Untrained

Teacher Karanjio में कहा किया जाता

है।

Last year में ने श्री Sh. Surin Secretary को
Report दिया कि वह मरमत किया जाये तथा
श्रीमान का. ग. Head Supervisor by. H. H. H.
को Report दिया कि वह मेरा repairing
जारी है। इन लोगों ने कोई पत्र नहीं दिया
तथा Rev. D. K. Karanjio ने भी किसी प्रकार
का Report नहीं दिया तो इसमें मेरा किसी
प्रकार का दोष नहीं है कि वह ने हाथ
प्राप्त के सोचनी पड़े। श्रीमान Secretary
महोदय - कृपा दृष्टि करेंगे जो हवाई तथा
हवाई परिवार में बेकारी पन तथा
गरीबता को दूर करने की कृपा दृष्टि करेंगे
तथा इन का अभाव को दूर हटा देंगे की
आशा है कि वे जो जिसके लिये हम तथा
हवाई परिवार लदा उनके कृपा करेंगे
आप के कृपा मिलनी

K. Anand Karanjio
22/3/46

~~Respected~~
Sir

Karanjo 48
4/3/46

Church Secretary

C-4. Hereng apko bahut 2
yishurahang.

Aap ap ko malum
hove ki main ne apke
pass 19/2/46 ko ek
dartheest Karanjo men
Kam Karne ke bare likha
tha jiska mujhe kisi
prakar ko jelaah nahin
mila hai kripatha karke
mujhe rah

Khat ke jubah
duni ki kripa
Ki jaye.

Apshuleh
apka bishwas.

F. Anil
Karanjo



To
The Church Council
Secretary C. H. Herewy
Lutheran Church
Council
Ranchi.

Karaujo

F. 8

19.2.1946

माननीय चर्चकॉमिशन सेक्रेटरी M. Hervey को श्रीगुसहाय।
महाराज।

आप को मालूम होवे कि मैंने Rev. S. Kulla की चिट्ठी
J-2-86 को पाया। जिसमें लिखा जाता है कि काम मिलने पर
बदली नहीं जाते हैं इसलिये आप को Karaujo में काम
नहीं मिला यह दोष लगाया गया।

I जवाब :- C.C. तथा किसी प्रकार के अधिकारी हम को
कहाँ पर बदली नहीं किये हैं यदि वे बदली कर रहे तो किसी
प्रकार का letter memo. No. तो वे बता सकते। दीखिये हम को
Gobindpur, Lohardaga, Khutitola बदली में जाना पड़ा था
तो कौन कैसे किस प्रकार हम को दोष दे सकता है कि मैं बदली
नहीं गया था, जब तक हम को Karaujo में काम मिलेगा।

II Karaujo school Roll no. दूर जाने पर मैं Karaujo ही पर
बैठाया गया। उस समय Joseph Topono Kolbo भी बैठाया गया
पौछे Joseph Topono तो S.P.G. Mission Chailasa में काम करते
हैं। काम नहीं मिलने पर मैं Birmitrapur में Mining का काम
कर रहा था। 1943 में जगह खाली होने पर मैं फिर Karaujo में
बहाल किया गया। Company का काम छोड़वा के Birmitrapur
का काम भी गया Karaujo का काम भी गया ऐसा तो अन्याय
और war front का आदमी Amus Topono काम में लगाया गया।
कैसे कह सकते हैं कि मैं बदली में नहीं गया। दीखिये :- N. 543
The Secretary G.E.L. Church Ranchi.
Dear Sir,

I had asked Babu Elias Aind

I had asked Babu Elias Aind (Karango) to apply if he likes for Teachership being given in the Takarma H.E. Section. This I did when Babu J. Kujar Pandith did not turn up there. Now Babu Elias Aind has put in an application for appointment there. I forward it here with for your disposal. - Yours Sincerely
B. Minj

Head Supervisor Lutheran Schools Ranchi.
N. 544 Date 14.4.43
Copy forwarded to Babu Elias Aind for information
B. Minj

Head Supervisor Lutheran Schools Ranchi

इस प्रकार बात है तो जैसे मैं बदली नहीं गया।

III (a) 1921 में मैंने Karango School Grant कराया।

(b) 1943 " " " " " में काम किया Teacher को दही पर।

(c) 1946 " में भी काम करने को राजी हूँ।

(d) R. Surin Untrained कैसे, सौन हक से जो 8.2-4

को Karango School में बहाल हो गा। यहाँ पर काम

करने के लिये मैं सब प्रकार Claim कर सकता

हूँ क्योंकि मैं Karango State तथा old experience Teacher हूँ।

17 दीखिये Gohindpur, Takarma, Burju, Kinkal
Lohardaga इन सबही Station स्टेशनों में एक 2
दो 2, V. M. Trained Teacher रखे गये हैं, जिस
से Hindi तथा Arithmetic की इज्जति होवे। परन्तु
Karaujo में एक भी V. M. नहीं है, तो क्योंकि
हम नहीं लिये जावेंगे।

18 (a) Amus Sopmo तो War front का आदमी
है तो भी Karaujo में काम करता है।

(b) Jusaph Sopmo तो Khuli Bely ही से मराडली
तथा काम से अलग था तो भी Karaujo में है

(c) Patras Sopmo तो दूसरी आशा मूर्ति पूजा में पकड़ा
गया तो भी Karaujo में काम करता है।

(d) Patras Sopmo, तो Shisis से पीड़ित है
तो भी तो C. C. उस को Karaujo में काम दिया है।

19 C. C. तो सब प्रकार के गिरला पड़ता सबों को इस
समय War के दिनों में काम पर बहाल कर रहे हैं
तो क्योंकि हम को Karaujo में ही लेवेंगे।
दीखिये Kinkal तथा Takarma में सब प्रकार
की बहाली C. C. की ओर से शिक्षकों की होती है।

* इन सब कारणों को दिखाने पर मैं दाखी
 को साथ कह सकता हूँ कि Untrained teacher
 R. Surin, Grant School में काम नहीं कर सकते हैं
 मुझे जाकर Karanjo School में काम करना ही
 पड़ेगा तथा काम में लौ लिये जावेंगे।
 गरी मेरी सादर प्रार्थना है सो स्वीकार की जिसे।

भाप का कृपामित्वाधी

K. Anil

Karanjo

19.2.46

31.732.

6.616

2,002

580

190

12.680

4.680

4.370.

8

373

4.

Sahayak Pracharak

F-8

Parish	S.No	No	Name	Surname	Mandir	Age.	Pass.	Pay.	Henari.
Koroujo	1	1	Patras	Kongari	Kannamunda. DB.	ME.	2/-		
	2	2	Manguldas	Mindy	Kendapam. No.	L.P.	1/-		
	3	3	Botas	Dungdung	Gargan. DB.	ME.	2/-		
Kahupani	4	1	Prakale	Samad	Keshra Dankopani. DB.	UP.	4/-		
Lombi	5	1	Patras	Kemron	Dungijharie. No.	Old.	1/-		
Pass. - Pay. P.M. Old. L.P. 1. 1/- L.P. 1. 1/- UP 1. 4/- ME 2. 4. 5 = Rs 10/-									
L. Kongari Plaka Chaisman at 12/11/11									

48

5

27/1/46
 Parish

Dahi Pracharak

List of the
 Koronjo Taka

Dahi Pracharak

Parish	S. No.	No.	Name	Surname	Mandh.	S. No.	No.	Name	Surname	Mandh.	Miles away
Koronjo	1	1	yo. Patras	Baba ME	Koronjo	1	1	Juzaph	Horro UP	Saurura I.	6
Parish	2	2	Ch. Marikprakas	Bage ME	Parish	2	2	Marial	Ketheta UP	Kaidopani N.	4
	3	3	Ch. Up. Eman	Bage ME	Antapani	3	3	Trophtimus	Samad ME	Kuthpami N.	4
	4	4	Ch. Luther	Doreng ME	Balyajom	4	4	Markas	Lugum ME	Chhunchokhan N.	5
						5	5	Paulus	Lugum UP	Kutnia I.	4
						6	6	Johan	Kiron ME	Lutapami N.	5
						7	7				
Kahupani	5	1	Ch. Juzaph	Lugum UP	Kahupani	7	1	Suleman	Baa ME	Raibakar I.	5
Parish	6	2	Ch. Mauridh	Surin Old	Rajabusa	8	2	Samuel	Samad UP	Barnali N.	5
	7	3	UP. Nicodim	Topend ME	Ghutbehan						
	8	4	Ch. Manmaris	Ketheta ME	Korea						
	9	5	Ch. Luther	Bage UP	Lakara-chata						
Lombri	10	1	UP. Ch. Suleman	Bage ME	Lombri	9	1	Johan	Topend ME	Kolondaga N.	8
	11	2	Adi Johan	Dang UP	Mama-bhagum	10	2	Paulus	Ketheta UP	Singhiapani N.	4
	12	3	Ch. Simon	Lugum UP	Kahupani	11	3	Manumut	Samad UP	Banjor I.	4

13	4 U.P.C. Boon	14. Hemron ^{NE Inds} Baraibon 12	4 Eliajan ^{ME} Bur ^{ET} 11	Thundupani 4
14	5 B.L. Johan	14. Samad ^{U.P.} Koendey 13	5 Thomas 12	Jojo Old. 8
15	6 E.B. Eliyajan	10 Tojond ^{L.P.} Kombek ^{Bongeva} 10		Karrapani 1.
16	7 Abraham	10 Kothet ^{U.P.} Ginikere 10		

Rev. L. Kongari...	Rs 37	Rs 8 = 2 = Rs. 16	Old 1	4. Hrusos
" Dr. Kujar...	40	Rs. 10 = 4 = Rs. 40	L.P. 4	12. 110 "
" X. Royan ^{U.P.} 30		Rs. 12 = 2 = Rs. 24.	U.P. 4	
		Rs 13 - 1 = Rs 13.	U.P.T. 1.	
		Rs 14 = 4 = Rs. 56	ME. 5	
		Rs 16 = 3 = Rs. 48.	NE 2	
			Normal 1.	
		16 = Rs. 197	(2) 16.	

Pastors.....	107/107
Sahi. Pracharakas	197
Sahi. Paki	139
	Rs. 443/
Sahayak. & Pracharakas	10/.
	Rs 453/

Pass.....	Wors.....	S.P.	Pay P.M.Each.	Total.
Old.....	2	1	16 + 12	Rs 28
L.P.	4.	1.		
U.P.	10.	1		
ME	9.	2		
NE	4.			
			29 + 5	
			= 34. Catechists working in.	
			= 38 Congregation. as 4	
			have to work 2 congregations	

Rs 8 - 2 = Rs 16
Rs 10 - 6 = Rs. 60
Rs 11 - 1 = R 11.
Rs 12 - 2 = Rs 24
Rs 14 - 2 = Rs 28
x - 13 = Rs 139

L. Kerigui.
Vaka Chairman
26/9/11

Old.....	1.	ET. ov.
L.P.	0	ME.
U.P.	6	
ME.	4. 1	
NE.	2.	
	13. (1)	

P. T. O.

The President G. E. L. Church Ranchi.

F 8

Deputy

22/1/45

Sd/ C. K. Kongari

S.D.O.

24/1/45

F 9

My dear Mr. Kongari,

Babu Martin Tiru the bearer of this letter came to the secretary Soldiers, Welfare Board, who brought him to me. We two explained to Martin Babu regarding the case which is in your court against Rev. C. R. Toporo of Lomboi. Now, Babu Martin Tiru is ready to withdraw the case and he is going to Simdega. I hope you will allow him to withdraw the case.

Yours Sincerely,

Sd/ J. Latva

Date Application.

12.2.45...

Date of marking over.

The copy to applicant.

13-3-45.

Compared by me
S. Kula. 27/9/45

1148/46/F-8.

12th June

6.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.S.Barla for information, guidance and compliance.

C. H. Herenz

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the Extended C.C.
Executive meeting held on the 10th June, 1946.

Item No. 7.

" Report on Pandit Elias Aind :- Read report dated 3.5.46 of Headmaster P.Dungdung and Ilaka Chairman Rev.S.Barla on the conduct of Pandit Elias Aind; it was also reported beforehand that the house in which Pandit Elias Aind used to live has been unroofed but the up to date report not known. Resolved that an up to date report be awaited before taking any action.

Sd. J.Lakra.
11.6.46.

Sd. C.H.Herenz.
Secretary.
10.6.46."

CBBCM/2C.

Received
per
5/2/46

F.8

Karanjo
5/2/46

प्रामाण्य चर्चा को सिल से करी रखें, हेरें आप को बहुत
योग्य समझा है।

आप को मालूम होवे कि मैं ने 1923 ई.
से कोरेजो एम.ई. स्कूल में काम किया है। उस समय
Untrained Teacher रहा कर Qualified Teacher
हुलाये गये और School 1921 ई. में Government Grant
हा गया।

आप शेराने साथ कहना पड़ता है कि Karanjo
School Roll संख्या घट गई। स्कूल की जगह दुःखी
मास्टर स्कूल स्कूल में रखे गये। हम लोग तीन इमास्टर
छुटी कर दिये गये। उन में मुझ को भी छुटी मिल गई।

अभी Karanjo School Cl. VI में 20 लड़के हैं
January Cl. VI दो भाग किया गया। Head Master ने मुझे
एक Application Head Supervisor के पास भेजने को कहा
15 January को चिट्ठी Ranee Head Supervisor के पास भेजा
गया Registry. अतः सेक्रेटरी बाबु के पास अपील भेजा जाता
है कि क्यों हम को Karanjo में काम नहीं दिया जाता है?

जब कि एक विद्वक का दरकार है January 46
से ही Application भेजा गया Head Supervisor बाबु
के पास अभी तक किसी प्रकार का जबाब हम को नहीं दिया
गया।

Karanjo M.E. School Grant कहाने के

वर्ष 1921 January में qualified teacher, Karachi
तर्फ से इस जंगल रूल्स में बुलाये गये थे।
का बात है इस समय trained teacher छोड़ दिये
जाते हैं हमारे Karanjo School में और untrained teacher
शिक्षक के काम में लगाये जाते हैं। का सरकार की नीति ऐसा
ही है। मिशन हम को काम से बेठाने सका अभी काम देने हम
को नहीं सकता है? जौमि कि vacancy है।

Karanjo School का old experience, trained
qualified teacher अथवा Karanjo, Alaka का स्थितियन
भाई को कैसे क्योंकर vacancy जगह में appointment नहीं
दिया जावेगा, अन्यथा अन्यथा, हां निष्प्रेम ही समझा
जावेगा।

प्रिये ! भाई सेक्रेटरी साहेब जब कि हम को
25 years का service, experience जग को Karanjo हमारी
जगह में काम नहीं देने सकते हैं तो हम को Church Council
की और से जबाब दीजिये कि मैं Karanjo के निकर
समस्त सन्ध्या में Roman Catholic एक M.F.
खोल रहे हैं। वे बुलाते हैं। मैं काम करने को जाऊँ।
पर बात यह है। वे हम को भी R.C. मिशन में Christian
लेने मांगते हैं। सो कृपा करके हम को जल्दी जबाब
दीजिये। अन्त में प्रेम से भी मुसहाय होवे।
प्रश्नोत्तर कृपामलाषी

R. Qind
5/2/46

मैं आपसे पत्र बाल का हलवा
 मांगता हूँ। क. मैं जुनाईन
 से जो रों जो आने जाने के लिए
 मिलने मिलना. ९.९. में
 विल आरुंग।

मा. पसेवेन.
 ४३८८६

POST CARD

ADDRESS ONLY



The Secretary Rutherford
 Church Council
 P.O. Ranchi Ranchi
 Ranchi

Handwritten signature
J. E. L. Church
Koronjo
2-2-1946

Mr. H. N. C. C. Secretary
आप - को हमारे आर से बहुत
चिन्तित हो रहे - यहां कुशल
है। आप - का भी चार है।
विशेष बात है कि - Rev. Mr.
Kujar से काम नहीं चलगा -
वह विभा (को) है। ओ (यहां
को) जो शादी के लिए नहीं
आते हैं। इस से यहां के महिला
ग. बिना शादी के मिलने लड़
आपों को ले गये हो मैं आप
का (तुम्हें) कि - यहां के लिए

कोई दूसरा पा कर दिया
 ये जो सब काम में ठीक
 का (सकता है)। इस रीति
 से - हमारे लोहास के बि
 लय - में दुर्लभ को सि
 को (गो नहीं तो हम बिना
 लोहास शादी में लग
 जायगा।

आपके सुवक.
 B. S. Sule

SAVINGS DELIVERY
 6 FEB. 46
 POST CARD
 830 AM
 RANCHI
 ADDRESS ONLY



To
The Secretary
Mr. C. H. Haring
Ranchi
Ranchi

Original

18

जनता
डिप्टी इन्स्पेक्टर साहब.

स्कूल समूह गुमला ।

महाराज,

कोरोजो इलाके की जनता की ओर से हुजूर के निकट दिन अर्जी है कि कृपया उचित विचार कर हमारी मांग की पूर्ति करेंगे ।

हम लोगों ने सारी जनता की राय से जो देश की उन्नति का ख्याल रख कर तथा जनता की उत्साहित पुकार पर ध्यान रख कर यही तय किया कि कोरोजो में हाई इंग्लिश स्कूल खोलें । आज सत्रों ने वही पक्का किया कि सन १९४६ ई० से ही क्लाठवे क्लास का काम चालु होने । सो दिन अर्जी होकर हुजूर के पास दारखस्त देकर आशावान हैं कि सन १९४६ ई० के जनवरी महीने से क्लाठवा क्लास खोलने की अनुमति दे देंगे ।

प्रतिनिधि स्वरूप जनता की सहोभी साथ में जाता है ।

अइन्दे हुजूर मालिक हैं ।

Koronyo
The 22nd Jan. 1946

Rev. B. B. B. B. chairman

Koronyo
P. O. Koronyo
Ranchi

Copy to the secretary C.C. for information.

B. B. B.

M. Surin Catechist

S. Bae Catechist

B. Bungdung catechist

J. Samad catechist

M. P. Bagg catechist

S. Samad Pracharak

Luther Bage Prachark.

ਸ਼ੇਰੀਨ ਲੁਥਰ ਪ੍ਰਚਾਰਕ

Jahan Samad Pracharak

Elugayar Topono Pracharak

Johan Dang Pracharak

Paulus Kerketa Pr.

Yusaph. Lugum. Pr.

Yusaph Horo Prachark

ਲੁਥਰ ਸ਼ੇਰੀਨ ਪ੍ਰਚਾਰਕ

Eman Bage Prachark

ਗੇਰੁਯਮ ਲੁਗੁਮ ਪ੍ਰਚਾਰਕ

ਮਲਿਆਲ ਸਿੰਗ ਲੋਥਨੋ ਪ੍ਰਚਾਰਕ

Jakira Samad Pracharak

Jusaph Dang Lombor

Mansukh Haro Manrakhagina

Elias Sind Kanari

Abihung Balyajor

ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਲੋਥਨੋ ਪ੍ਰਚਾਰਕ

Santosh Barla Banmunda

Prakulla Ginkira

ਦੇਵ ਲਈ ਧੋਹਨ ਕਰਨਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

Yakub Topono Torhibahan

ਬੇਨਾਮੀਨ ਲੁਥਰ ਕੁਰਾਨੀ

ਧੋਹਨ ਧੋਹਨ ਕੋਰੇਜੋ

Paulus Lugum Kachupani

Habil Turkey Ambapani

ਨਿਯੋਮਿਲ ਕੁਰੂ ਫੋਡੀਬਾਰ

ਜੁਨਾਮ ਮਿੱਥੇ ਫੋਡੀਬਾਰ

X: Anand Topono Kachupani.

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਜੁਨਾਮ ਮਿੱਥੇ ਫੋਡੀਬਾਰ

ਪੋਲੁਸ ਫੁੰਗ ਫੁੰਗ ਪਾਨੀ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

Markas. Lugum Prachark.

Patras Kongari Prachark

ਪਿਸ਼ੀਨ ਮਿੱਥੇ ਗੀਂਗ ਫੋਡੀਬਾਰ

P. Haro Salangapmeh

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

A. Haro Karmia Kalivai

ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਲੋਥਨੋ ਪ੍ਰਚਾਰਕ

Sulman Lugum Korango

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

ਦੇਵ ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖਾਵੇਗਾ

Recd
for
25/1/66
 G. E. L. Church
 Koronjo
 25-1-46

F-8

HEIHIOWA (Secretary G. E. L. Church
 Council EIAI NIAIYU) (MIAIHI) (MIAIHI) (MIAIHI)
 HEIHIOWA-HEIHIOWA
 HEIHIOWA,

MIAIHI HEIHIOWA HEIHIOWA HEIHIOWA
 HEIHIOWA HEIHIOWA HEIHIOWA HEIHIOWA
 HEIHIOWA HEIHIOWA HEIHIOWA HEIHIOWA
 HEIHIOWA HEIHIOWA HEIHIOWA HEIHIOWA

MIAIHI HEIHIOWA HEIHIOWA
 HEIHIOWA

St Barla
 Koronjo

12/11/46

Kahupani

9-1-1946

Manyawar

Resident J. Lakra ap ko yeshusahay.

Maanun hove. Ki sunti hain. Ki Korongo Chaiman ab tak to Charge nahin liye hain, par ^{sadi dene} un ko Bihar ka License Certificate nahin mila hai, so mujh ko. Kaha gaya hai. Ko ap Korongo Parish aur Kahupani Parish ka sadi go linge un ko sadi dene ko ane jana hoga. No. mera bol bolna aur Kahna hai Ki main nahin sakunga. yahan ana aur jana mujh ko bara Kathin hoga. par ~~to~~ han jab ki we Korongo se Kahupani avenge ek hi Parish men tak to mujh se yah kam jo hove; mujh se banega. par aj yahan kal wahan yah mujh se nahin ho sakega.

Is liye mera araj hai. Ki yadi aisa hi hove. to Korongo wale sab ke sab ~~Church~~ ^{Kahupani} Parish men awen main un ko Khushi se sadi de deunga. is men mera koi ujur nahin hai. Is liye main ap ko is ke hone ke age Khabar deta hun.

To Krupa Kar bhut Chuk manph Karunge aur ~~to~~ un ko aisa hi krkh bhi denge.

ap ka

Prishwant

Dharamdas Kergur

Recd & Ack.
28/12

F. E. L. Church Jammu
P. O. Garposh
Bamra State
18-12-1945

18

महा मान्य व/कोटा नागपुर और जालाम के चार्ज ओन्सिल को सूचित -
के शुभदाय होवे।

महाशय

निवेदन है कि जम्हा इलाका के खूसा
नों के धर्म में जड़ जमाने के लिये यहां बहुत सोच और विचार के बिना
सोच पाये हैं कि स्कूल के सिवाय और कोई उपाय नहीं सुझा पड़ा
है। इसलिये जम्हा इलाका के लिये एक नया प्राइमरी स्कूल बनाने
नहीं होने से, जो जालाम कार की देने से कुछ धर्म का उत्तर
नहीं कर सकते हैं। इसलिये इन साल के परिवर्तन से जो लड़के
और लड़कियां जो जालाम प्राइमरी पाठ का गये हैं उन को यहां
अर्थात् जुनाईत में नया जालाम (बोल का) के बैठे दिये हैं।
जब चार्ज ओन्सिल से आजा है कि इस स्कूल के लिये विशेष
ध्यान दिया जाय और मेहरबानी से महीना 2 रु) रुपये का कुछ के ललाप
के लिये देने की कृपा करें। ऐसा नहीं करने से तो जम्हा को माइली
की नयाप है जो जालाम मिशनारी के जन्मा का किसी रोज जालाम पा
लित और जालाम साहित नहीं के लिये लिये हैं। इसलिये इस को
इस जड़ में हड़ जाने का उपाय तो मैं यही उत्तम सोच पाया हूँ।
इसको इन साल याने 1946 साल के जनवरी महीना से शुरू कर
देना उत्तम सोच लाई। इसमें जालाम दे दुर्गा मालिक है।

जालाम के दास सुक.

B. B. B.

18-12-1945

P. S. Luggu

18/12/45

G. M. M.

18-12-45

J. M. Kerkela

18-12-45

To

The C.C. Chotanagpur and Assam.

Dated, Khera, The 15th Nov. 1945.

महाशय,

हम कोरोंजो इलाके के लोग
शिक्षा में जहाँ इलाकों से अपने को पिछड़े
जानकर इसी हालत में रहना बरदस्त नहीं
कर सक रहे हैं। हम भी और-ही के
बराबर जाने-के लिये आज तारीख
१५-११-४५ को इलाहा आस सभा-बैठके
कोरोंजो में आठवां क्लास जनवरी १९४६ ई०
से खोलने का निश्चय कर चुके हैं।

अतः कौंसिल से सर्वेस
निवेदन है कि कोरोंजो में उक्त आठवां
क्लास जनवरी १९४६ ई० से खोलने की
इजाजत डिपार्टमेंट से लेने की कृपा करें।

आइन्दे हजूर मालिक है।

Rev. L. Kongari
Elaka Chairman
15/11/45

P. Drungdung,
Elaka Secretary
15/11/45
1 John
2 Joseph Horo
3 Boas bung dung
4 Luther song

2. ਕੇਸ਼ਾਂਮੀਨ ਗੁਰੂ ਕੁਰਾਨਿਆਂ
 ੬ Eeman Bage Ambapari
 - Johant Tishaw. Kolomdege

²P. Chand Barla Royenne

Gaban Samudra
Kemendagri
90

90 $u_{\text{max}} = 211 \text{ m/s}$ max

99 Markes. Lungen - Cholesterolek.

92 9h-9h-Kinkitta Kineya
93 501 74112 012012

93 Martin Samuel B

98 Martin Samuel Bayberry
99 Lanyon Lanyon B
100 Nal

93. ¹⁸⁵¹ ^{Samuel} ^{Bugherziani}
 94. ^{Leizyan} ^{Luzum} ^{Bern...}
 95. ^{Nahum} ^{...} ^{Bern...}

96 Nahrungsmittel Borneo
96 Santal Lombor

96 Santosh Barla Banmunda

92 David Hoppe Baumunda
95 Giovanni Baumunda

95 Gunung esin jitu darkapani

20 *Girardinia longicauda*

29 ଅମଳ ଓ ମୃଦୁ ଚୂର୍ଣ୍ଣ ଓ ଚାଉଳ ଚୂର୍ଣ୍ଣ

22
24 23 ओमी - 2444
55 ओमी - 4171

23 जनसिद्ध काल काल
हरिपति

28
५२५४१५ ५५५५ ६६५५५५

24 Christ Ottong Topno Katua

28 Mansukh Horro Mamabhaigine 32

26 Lu m-ati-a-taru

22  ՀԱՅԱՍՏԱՆԻ
ԶՅԱՄԵ

22


 ३५
 शाहूदास-दादा-
 बाले।

30

30 રૂ. -
પાનકા નેંઝા - નીવલણ

30

32

33 Johan Eugen
Baumann-St.

38 Pa. S. High

32 M. Samad

and इति मोन एतन् शिवा

341-342 1601

०१॥ ०१॥

36 ममिहसि सिग
ममिहसि

32 नि (नमः) गी युगः १२

325 Ishak Scamad

80 mg mg - în cînz: 100 mg

୪୭ ଧୈତ୍ୟ ଶିଳା ନାମାବଳୀ

82 H. H. H. - H. H. H.
 83 H. H. H. - H. H. H.
 84 H. H. H. - H. H. H.

85 H. H. H. - H. H. H.
 86 H. H. H. - H. H. H.
 87 H. H. H. - H. H. H.

88 H. H. H. - H. H. H.
 89 H. H. H. - H. H. H.
 90 H. H. H. - H. H. H.

91 H. H. H. - H. H. H.
 92 H. H. H. - H. H. H.
 93 H. H. H. - H. H. H.

94 H. H. H. - H. H. H.
 95 H. H. H. - H. H. H.
 96 H. H. H. - H. H. H.

97 H. H. H. - H. H. H.
 98 H. H. H. - H. H. H.
 99 H. H. H. - H. H. H.

100 H. H. H. - H. H. H.
 101 H. H. H. - H. H. H.
 102 H. H. H. - H. H. H.

103 H. H. H. - H. H. H.
 104 H. H. H. - H. H. H.
 105 H. H. H. - H. H. H.

106 H. H. H. - H. H. H.
 107 H. H. H. - H. H. H.
 108 H. H. H. - H. H. H.

109 H. H. H. - H. H. H.
 110 H. H. H. - H. H. H.
 111 H. H. H. - H. H. H.

112 H. H. H. - H. H. H.
 113 H. H. H. - H. H. H.
 114 H. H. H. - H. H. H.

115 H. H. H. - H. H. H.
 116 H. H. H. - H. H. H.
 117 H. H. H. - H. H. H.

118 H. H. H. - H. H. H.
 119 H. H. H. - H. H. H.
 120 H. H. H. - H. H. H.

121 H. H. H. - H. H. H.
 122 H. H. H. - H. H. H.
 123 H. H. H. - H. H. H.

124 H. H. H. - H. H. H.
 125 H. H. H. - H. H. H.
 126 H. H. H. - H. H. H.

61 H. H. H. - H. H. H.
 62 H. H. H. - H. H. H.
 63 H. H. H. - H. H. H.

64 H. H. H. - H. H. H.
 65 H. H. H. - H. H. H.
 66 H. H. H. - H. H. H.

67 H. H. H. - H. H. H.
 68 H. H. H. - H. H. H.
 69 H. H. H. - H. H. H.

70 H. H. H. - H. H. H.
 71 H. H. H. - H. H. H.
 72 H. H. H. - H. H. H.

73 H. H. H. - H. H. H.
 74 H. H. H. - H. H. H.
 75 H. H. H. - H. H. H.

76 H. H. H. - H. H. H.
 77 H. H. H. - H. H. H.
 78 H. H. H. - H. H. H.

79 H. H. H. - H. H. H.
 80 H. H. H. - H. H. H.
 81 H. H. H. - H. H. H.

82 H. H. H. - H. H. H.
 83 H. H. H. - H. H. H.
 84 H. H. H. - H. H. H.

85 H. H. H. - H. H. H.
 86 H. H. H. - H. H. H.
 87 H. H. H. - H. H. H.

88 H. H. H. - H. H. H.
 89 H. H. H. - H. H. H.
 90 H. H. H. - H. H. H.

91 H. H. H. - H. H. H.
 92 H. H. H. - H. H. H.
 93 H. H. H. - H. H. H.

94 H. H. H. - H. H. H.
 95 H. H. H. - H. H. H.
 96 H. H. H. - H. H. H.

97 H. H. H. - H. H. H.
 98 H. H. H. - H. H. H.
 99 H. H. H. - H. H. H.

100 H. H. H. - H. H. H.
 101 H. H. H. - H. H. H.
 102 H. H. H. - H. H. H.

2 Patras Bala

28 Mohammedas Japur.
29 Mikodim. Topoko.

3 Samuel Samad

4 Eliazar Burh

5 Paulus. Kerkela

6 H. S. 412 આસુલના

900 Royan Tjono. Lember.

909 આનંદ મજીન

902 Alfred Samad Panduripan.

903

આનંદ મજીન

904 માદુ-સિંગ-કેરેમ સિંગેલી

905 Boas Bage Kereci

906

આનંદ મજીન

906

આનંદ મજીન

902 Samuel Kaudulus Kereci

908

આનંદ મજીન

900 મત્તાસીદ મજીન

999

આનંદ મજીન

992 પાત્રસ મજીન

993

દલિષ મ મેરા

998 દ્વારુગત મુરિત સિદ્ધાર્જી

999 મુલેમન મેરા દ્વારુગત

995



આનંદ મજીન

996

સિદ્ધાર્જી મુરુગ મેરા

997

મત્તાસીદ મેરા

The undermentioned document is forwarded to the Rev.S.Baris Koronjo, the Secretary Board of Management, G.E.L.Church Properties and the Head-supervisor, Lutheran Schools for information, guidance and compliance.


Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the full C.C. meetings held from February 4-13, 1946.

Item No. 26.

" Koronjo H.E.School :- Read the letter dated 15-11-45 and 22-1-46 from Koronjo Ilaka informing the C.C. that they were going to open class 8th from January 1946. Resolved that the Ilaka be asked to carry on the correspondence with the Department themselves at their own responsibility. The Council will consider the question of recognition by the Church when the Ilaka raises and deposits Rs. 4000/- in the C.C. treasury. They should also provide adequate staff for the H.E.School section themselves.

(b) Timbers for furniture & Buildings :- Considered the letter no. 7 dated -2-46 for timbers and resolved that their petition be recommended and sent to the Secretary Property Board for granting necessary number of trees for furniture etc. etc.

(c) Duplication of Class VI of the Koronjo H.E.School :- Resolved that the duplication of class VI and the appointment of Christo Ras Surin be approved, but the deficit if any must be met by the Ilaka.

Sd. J.Lakra.
President.
15.2.46.

Sd. C.H.Herenz.
Secretary.
15.2.46."

Pl. 2d. Secy
Secretary
27/8/45

No. 70

Koionjo

27.8.45

4

Mr. C. H. Herenz
Secretary C. C. Ranchi

48

Dear Mr Herenz,

With reference to your letter No. 1460-62/45-F-8, dated 8.8.45 I beg to inform you that the Managing Committee was called twice to consider about it, but the members did not turn up for the meeting. The m.c. is again called to sit on 23.8.45. The present house master has filed a petition that the C.C. is sketching away the house master-ship from him. I want to know your advice on this, whether the m.c. has considered it or carry out the order given in your letter.

Yours sincerely

P. D. D. D. D.
House Master

इलाका Executive को वें 6 को ता. 28.6.45
को भेजा —

C.C. को चिट्ठी नं. 1288-89/4SF/8
dated 17.7.45. पढ़ी गई, जिसमें लिखा
गया है कि Candidate Babu Joel Bage
को इलाका पूरा तल्लाम पचास (पैंचा देवे)
तर्कवितर्क के बाद इलाका Executive
यह फैसला करती है -

कि Candidate Babu Joel Bage
के तल्लाम का पूरा तल्लाम इलाका को दिया जाता
है, पर Candidate Babu स्कूल में काम
करते हैं; इसलिए इलाका उसका पूरा तल्लाम
अर्थात् पूरा तल्लाम देने में मारामर्श है। पर
यदि C.C. उसको स्कूल के काम से छुड़के
इलाका को जिम्मा देती, तो इलाका उसको
एक बड़ी मरसली मंथल करेगा में
रखती। जहां पहिले किसी समय
Luther Ekke जब वे Candidate थे
उस समय वहां एक मरसली का काम
चलाते थे, तो इलाका उसका पूरा तल्लाम
लेने को तैयार है। स्कूल में Candidate
Babun के न रहने का निर्णय

सिखायेगा। यह मर्यादा से-यल
हम चाहें।

इसलिए हमारे Executive
C.E. से हमें मालूम है कि Candidate
Babun Joel Bage को हमसे कुछ
देना। इसमें के काम के लिए जो हम
दे देंगे।

इसका जवाब मागल महोदय ने
पहिले हमें लाना फिर जवाब चाहिये

जिसे कि मानवार्थी कामगारों

की ओर से इसमें विषय विषय

लिखा हुआ है।

Rw. L. Kungari.
Haka Chairman
27/7/45

P. Dzungdung
Haka Secretary
25.7.45

Mr

Confidential

Consent
Received
8/8/45

F 8 4

Koronjo.

August 4, 1945.

Mr. C. H. Herenz, Secretary, C.E.

Dear Sir,

With reference to your Post Card dated the 30th July, 1945, regarding the appointment of Bob J. Page Candidate in the Koronjo M.E. School. Personally I have no objection of keeping the Candidate in the M.E. School. But the Slaka does not like to keep him in the school as the Slaka does not realise that the school belongs to it. Though I am the secretary of the Slaka branch, I have to abide by the decision of the majority. The Padri and Pracharakis of Koronjo Slaka do not realise that the school belongs to the Slaka. So there is no co-operation between the school and the Slaka. Unless the Slaka chairman thinks that the Slaka should consider that the school belongs to the Slaka no arrangement can be made about the pay of the Candidate. The Padri and Pracharakis told the Candidate that we can't give you for you are not working for us. They think that Candidate Bob is working for the C.E. so the C.E. should pay for him. If the Candidate will work for the Slaka i.e. in the congregation the Slaka will try to give his full pay. So the Slaka Executive has requested the C.E. to hand over the candidate

to the Ilaka, that means for the entire work of the congregation.

The school is glad that a candidate has been given and I want that he should continue to remain in the school. Therefore I give you my personal opinion that the Ilaka chairman be requested to give his full pay even though he works in the school as the school belongs to the Ilaka.

Though Koronjo is the largest Ilaka in our field the income is not so much as it is in the smaller Ilakas. One reason for it is that the "Katri and Prabhu Prit' den is accounted as one rupee for a maund, though the rate is very much higher in the local markets. This practice has been coming for a long time. In some congregation there is no co-operation between the Padri and the members of the congregation.

Last June the Ilaka chairman and the Pracharak of Koronjo had been on their tour to Kahupani and Rombori barishes but they tell me that the people did not assemble according to their programme, and at Rombori proper the people did not even come to meet them. So they had to go themselves to see them in their houses. From these

points you can imagine how their behavior
towards the Slake chairman. So unless
an energetic Padri be sent as Slake chair-
man who will form a new Slake Panch of
persons taking great interest in the work
of the church the income of the Slake
will not be increased. I think certainly
the Slake will have greater income as it
is the largest in the field but the fault
lies with the leader. In that case the
Slake will be able to support the Candi-
date. Apart from the mandli & income
the Slake has the income from the Kory
Bazar, from which the annual profit
comes up to Rs 200 - (Rupees two-
hundred) only after paying off the
annual tax.

Instead of keeping the Candidate
at Kera, you may write to the chairman
to keep him in the school and in addition
his work in the school he may be given
the charge of Kory's Mandli. or the
C.C. may direct the Managing Committee
to give him work in the hostel and from
which he may get something, as in pre-
vious years when a Candidate was to be

sent here on the school, the ce. had definitely put
down in his appointment letter from which sources
he & will get his pay, i.e. something from the hostel
and from the Slaka. I alone can't do it myself,
as recently a new housemaster has been appointed
for the hostel and he is the favourite of the Padri.

Yours sincerely,

P. Drupdang,

Headmaster.

M.B. School Koda

My dear Mr. P. Drupdang.

I hear that you have not
given ~~him~~ the Candidate J. Bage, the charge of
the Boarding Hostel. He should at once be given charge
of the Boarding Hostel as it is the wish & policy of the
ce. Please ~~do this~~ ^{He should} be paid out of
the Boarding ^{Hostel} & from the Slaka Fund. A report to this
effect he sent to me. without further delay.

Yours Truly

Copy to the Slaka Chairman

No. 97.

Recd
3-12-45

F. 8

To

The Secretary,
Church Council, Chotanagpur & Assam,
Ranchi.

Dated Koronjo, the 28th November, 1945.

Dear Sir,

It is a rumour that I will be transferred to Takarma H.E. School, but in that case I shall have to suffer a double loss. Firstly, my pay will be deducted regularly to repay the money, I have spent. Secondly I shall have to get things at higher price, specially rice and dal. If I remain here, I will sometimes get rice from home.

If I be transferred to Takarma, I cannot manage to support my family with the present scale of pay.

If 8th class be opened here next year then after two or three years, I will be free from keeping the accounts of school and hostel.

I have worked for 20 years in the G.E.L. Autonomous Church as headmaster of M.E. School. Once there was a time, when I worked ~~for~~ with Rs 5 or Rs 6 a month, but at that time cost of living was very cheap.

Under these circumstances, I, therefore, request you that you would be kind enough to let me remain here as headmaster of M.E. School Koronjo. If I be transferred, I will have to resign so that I will repay the money spent out of my Provident Fund money, as I have already told this to the C.C. Commission.

P.S. yesterday in the meeting of the M.C.A. a new treasurer has been appointed.

P.S.
28/11

I beg to remain,

Dear Sir

Your most obedient servant,

P. Prungdung,

Headmaster,

M.E. School, Koronjo

Ths. 12/1/43. 8

From - Rev. L. Kōngari, Kōronjo
To

10

The Hony. Secretary

G. E. L. Church, Rancher.

Dated Koronjo the 11th Dec. 1943.

Mangawar

G. E. L. Church Hon'y Secretary Kopynushay

1 Age ap ko Kachupani Case ke bare apni report deta hun. Mi Mai batong ke karan se 7th Dec. 43 Ko ishar adi nahin hua par aue wale 8 January 43 ko tarikh hogaya. X. Ray ke diye fee Rs 50 dakhil hogaya aur baki 18 Dec. ke yaadi dardkar hoga to kawaal us ko fee dakhili aur rasid milega o kis jagah man X. Ray hoga so janti diya jayga. Bhainyon ka kaha na hai ke is ke diye C.C. sahaya deue. So Sulaman Samad, Augustus Kemoy do jan is ke diye ap ke par Rauchi jante. Phir C.C. Commission President J. Storch + Ch. J. Rev. L. Jojowm na inquiry (jauch) kaghat mi bhi ati awaryakta hai so aue kaghaten bhi un bhainyon ko mil jay. aur C.C. ka adhar phante bhi dardkar hai.

5) Base Party walong Mo Sammi tajbir de phainle milne
ki arka digai hai aise unka khatna hai. so yadi digai
naqi so uttar Bhuj diya jay.

II C.C. ke Hainda ke barhnikar Surami Bagel ke nirvotti
thahane ke palokh men nirvotti thahane ke linga Karam-
chariyong men se Pracharke Maunith Surin ke palokh dal
men gawahi de raha hai. So aise C.C. ke biruth larkewale
Karamchari ke upar Myon karwai na linga jay. Ham
Padriyon ke strong recommendation hai ki nishkar ki C.C. ki
or se usko chhuti ki notice di jay.

or ge usko chhuti hi notice aur jay.
Pracharika Pracharika Mansi Durin jo khatika ke binit
laxa shara hai. ushi bati Pracharika bhi jaise chahiye
laxa apne nij ghar mein rah kar kam nahin karti
hai. Nij jagah mein hawal Pracharika ke dal taraph jati
hai aur durra dal taraph nahin. is malum hota hai ki
apne pita hi ke sarikhna man rakhti hai. So unke kam
se nakhush hain, Adhika hota hi wah bhi waham se
hatai jay. Aur ek durra much darj wali Pracharika
badi mein bheja jay.

IV Anand hai bah hai ki Mama Bhagina mandli
apna sab hirab kitab jo jabut kinga tha Naha
men center line kar diya. Wahan ke kinga sab ham
khol diya hai newat wahan C.C. Harwarri unlogon
par jari rahaga jo Kathupani Case ke C.C. Phairke
ke nahi mante hain.

Bahi ap Lombari mandli aur Dora pari mandli
center line par aa band karne men data huwa
hai. Acha hai wahan bhi jang hojayege.
N.B. Main aur Rev. S. Ray barabar Case ke tarike mutabaki
sundege hain hote rahenge aur ab report deke
rahenge.

ap ka binwar
L. Lingam
11/12/23.

To

The Parish Chairman

Rev. N. Tirkey

G. L. D. Mission Church
Kahupani

महोदय-

अलग-गुजारिल-है कि-वातेवाल-डोममानी-मंडली-के-
मून-मत्तियास+फुलमानी-के-कोरा-की-बेदी Christ Hirmuni Susari
Kerkella नो ३-२२-४३ को- Kahupani रिस्त-गिजे-मे
वचनदत्त-के-लिजे-गिजे-थी-। कासुवरा-हमें-वचनदत्त-न-मिली-।
हम-एल-वाले- Benjamin को-बोड-सु. C. C की-
जैसला-को-मान-क-सकाभे-२-में-भागी-होते-हैं।

अतएव-अलग-है-कि-हमारे-वदिर Christ Hirmuni
Susari Kerkella को-वचनदत्त-देने-को-असीम-कृपा-होगे-।
माई-दे-चमोपदेशक-मालिक-हैं।
काप-का-आलाकारी-विश्वरत्न-सेवक-

Betan Samuel

Lhuttahan

Tobhapani

6/12/43.

Forwarded

N. Tirkey
6-12-43

8

Kahupani
Date 25-11-43

महामान्यवर

महाराष्ट्र चार्ज कौंसिल को हम कटुपानी
के माहिलों पंचों को भोले दोस्त सहाय, आगे दुजु से
मार्जि है कि ता: ८-११-४३ को कटुपानी के केश में धन, जन,
जात में मदद देने की कृपा करेंगे क्योंकि लड़की के इनका जाने
की वजह से X-Ray को जरूरत होगी। जो लड़की को चिह्न का
कमपेय और पटना को फिस में जहल सेगी ।

सो ता: ८-११-४३ को X-Ray, के विषय भोले चिह्न
कमपेय विषय में हम लोगों को भोले से आवाज में दर्खस्त
दे जायगी. इसलिये दुजु से मार्जि है कि कौंसिल से
८-११-४३ को C.C. से के रये साहब को भेजने की
कृपा करेंगे जिससे वे हम लोगों को रास्ता बतावे ।

महाराष्ट्र से के रये

Royal Samad
25-11-43

Luthar Ganjhu

25/11/43
Jahriyal Samad

Catechist Suleman Samad

हमारे
दया काम
का दुल्ल
प्राचीन

Rev. ^{the Ct for Admin} ^{8.} Sir, ^{16/11/43}
Dear Sir,

Duly received
yours, sent to me from Parudia with
thanks. I showed it to the SDO
also in the court. According to his
proposal the defd's filed petition for
adjournment. The date for hearing
has been fixed on 7.12.43. In the mean-
time the Ce will please decide the
re-trial case, so that the papers con-
cerned might be returned to the
respective parties (if any) in time for

This needful or
else they would
suffer.

With best regards
and Yishusahij

yours Oddy
A. J. S. S. S.



POST CARD

ADDRESS ONLY



Rev Joel Lakra

President C. Council

G. E. L. Church

Govindpur

P.O. Jariagarh

Dist. Ranchi

To

The Secretary G & L Church Ranchi

Katupani Dated 13-11-43

ममल G & L Church मे लगेले मे पमुहल

मम मे मल्ल हवे नि मुहल मम मल्ल मे मल्ल मे मल्ल मे True copy
मे मल्ल मे मल्ल मे मल्ल मे मल्ल मे मल्ल मे मल्ल मे मल्ल मे
मल्ल मे True copy लिख मे मल्ल मे मल्ल मे

मम मम मे मल्ल मे मल्ल मे मल्ल मे

True Copy

जो स्था होवे या

प्रश्न होवे,

लिखितन मुसना बागे

पुत्र में पितारे दादा आप को मेरी और से प्रेयसदाप,
आज काल मैं उदास में रहती हूँ कहे कि मेरा बात तो
नहीं टिके बिना का कर, आप तो बहुत प्रान में हो
हे दादा जौधे मेरा बहिन नहीं कहेंगे तौधे दादा हो लिखते
उतना दिन तो साथ ही में रहते थे और तेरा सुन्दर चेहरा जो
सुनहले गालों को सब दिन सब काल देखती रहती थी हे मेरी
रत्नाक जारा दादा जो दिन तु मेरी बदन को छूना उस दिन
से मेरी प्रेय तुम में है पर कर का आप तो चठली का मजली
दमाद हो गाये कैसे प्रेय को छोड़ प्रेय छोड़ बोल हो कहे पुत्र
से नहीं बात करते हैं मेरा तो प्रिया हि हो आप का दुष्ट हूँ
सब कुत सुवाड़े के समान हो गयी हूँ हे मेरी सुन्दरी मेरी प्रेय
आप तुम पर है और इतना जोर काढ़ गया है कि बहिन
करने से आप नहीं हो सकता है आप को हर बत्त देखते हो
रुंगी लाला लगती हैं। बिना पैदा का आप तो न तो पुत्र से
प्रेय का बात बोलते हैं न तो कुछ नहीं जौधे आप का तो लो हो
हो चुकी हूँ पर आप पर आप मेरा बात न मना। चठली का बेटे
को सदा कदगा बोल के इधर उधर चिटक पारते हैं कोई तो चठली
के घर में घुस पड़े है कोई तो चौरनिये पास कोई तो आपन का
घर कोई तो जोहन का घर में एक भी घर में नहीं रहते करते हो
केवल घर में छापा केवल जितते हैं जोहरे चठली का मजली
दमाद उस के बेटे के लोप से चठली को सास कदगा या लोप से
परलोगन के लोप से,
हाप पर दादा का हो रहा है हाप पुत्र को हर समय आप को सोच
सगर में डुब गयी हूँ हाप मेरा जोति कहां गया मेरे चारों ओर दिया
लन्धरी हो गया तु ही ने मेरा दिल को छन बिना का आप कहां
जड़गरी का का का होऊ कोह रे कोसु ठार रही हैं, रोते पलते
सितार निकाल रही हैं। हापरे लाई दो जोड़े दुवार कना कोदीम
दो जोड़े टपर कना। एक लड़का जो आप नहीं देखे होंगे उसने पुत्र
को पास पात्र लिखा कि हे मेरी सुन्दर पापी एक गांव में रहते तो
मैं आप का सुनहले गालों पर चुपता रहता सब काल ऐसा लिखा है
सो उसका मैं प्राय हो जाती हूँ आप तो इतना बोलने से दुनिया
ही बतला हो जाने के समान लगता सो का कहां उईसा बात तो
पुत्र से नहीं बात करते हो उस बड़का पिंडील पास किया
तौधे प्राय नहीं जूती है प्रिये दादा हमारे दोलि

- के लफकेधे को छोड़ और दुधरे गंध पा टेली के लोणे के शर्दी कोगे
 तो मैं सुख नहीं बोलती। जयवन्ती लुगुन को सार्दी करने से मैं आप हो
 आप दुख बांछ और आप हाल दिखाने लड़के अपार और आप
 मिडल इस लिये लोभ से सार्दी होगे पतरस को दमाद कर रहे
 हैं बोल का चठली और और लुगुनो को प्रशन से रहे हैं
 जोसा पनेगे पा प्रसन मनेगे चठली का पमेली दमाद

Copied by Rev. N. Turkey

पतरस लुगुन

चठली का दमाद

कहुपनी

जो लला होवे या
प्रशन होवे।

True Copy

लिखतन सुखाना बागो प्रभु मे प्रियारे ददा माय को मेरी ओर है प्रीति सुख

आज माय मैं उदास में रहती हूँ कहे कि मेरा बात तो नहीं टिके लिखा था जब
माय तो बहुत प्रशन में हो, हे दादा मौसी मेरा बहिन नहीं कहेंगे तौपी दादा
हो लिखती उतना दिन तो साथ ही में रहते थे, और तेरा सुन्दर चेहरा ओ
पुन हले गालों को सब दिन सब कल देलती रहती थी हे मेरी रदाय माय दादा
जो दिन तु मेरी बदन को छुआ उल दिन से मेरी प्रेम तुम में है पर अफसूस
माय तो चढले का मजिदा सामाद हो गये कैसे प्रेम को छोड़ प्रेम छोड़
बोल ही आके मुम से नहीं बात करते हैं, मेरा तो प्रिया हि हो माय का दुष्ट हूँ
सला गुता सुवाड़े के समान हो गये हूँ, हे मेरी सुन्दर मेरी प्रेम माय तुम पर
है, और इतना जोर बाढ़ गया है कि बरान कलने से मरत नहीं हो सकता
है, माय को हर वक्त देलते ही रहुगी मला लगती है। बिना कैदा
माय तो न तो मुम से प्रेम का बात बोलते हैं न तो कुछ नहीं मौपी
मुम पर मुम पर सिठमा मिठा न पाये हो तौपी माय का तो छोड़ो हो
चुको हूँ पर माय पर माय मेरा बात न मना। चढले का बेटी को सारी
कंदगा बोल के इचार उचार चिन्तन करते हैं, कोई तो चढले के घर में
धुल पड़ते हैं, कोई तो चोरनियों के पास कोई तो आशुन का घर
कोई तो जोहन का घर में एक ची घर में नहीं रहते करते हो, केवल
घर में छाय केवल गिरते हैं, ओहरे चढले को शाल कंदगा या लोप
ले पल्लो गमन के कोप से, हाय मेरा दशा क्या हो रहा है, हाय मुम को
हर समय माय को सोच सग में दुख गायी हूँ हाय मेरा प्रीति कहां
गया मेरे चारो ओर दिया मन्दरी हो गया तुम्हारे मेरा दिल को
इन लिया था, आज कहां मंडुगी का अफसूस होऊ ओहरे ओल
दार रही है रोते मलते सिता निकाल रही है। हायरे मंडीग दो गोड़े
दुवार बना मंडीग दो गोड़े टय बना। एक लडका जो कि माय नहीं
देखे होंगे उलने मुम पास पात्र लिखा कि हे मेरी सुन्दर प्यारी एक गांव में
रहते तो मैं माय का पुन हले गालों पर चुमता रहता सब काल ऐसा लिखा है
तो उसका मैं मान ही नहीं है माय तो इतना बोलने से दुनिया ही खतम हो
जाने के समान लगता हो क्या कंद, उईसा बात तो मुम से नहीं बात करते हो
उल लडका मिलील पास किया तौपी मान नहीं नहीं है, प्रिये दादा हमारे
टेल के लडकियों को छोड़ और दुलदे गांव या टेली के लोगो को हादी
कोगे तो मैं कुछ नहीं बोलती, मयवती शुभन को सारी कलने से मैं माय
ही माय दुल लंड और का हल दिवांडगी लडकी माय और
माय मिडल इल लिगे लोप से सारी होंगे।

Copied by Rev. R. Turkey Kachipani
3-11-43

True Copy.

- इस मर्जी पर म० पाद्री मनमसहि लुगुन के मुसामत सुगन से मिली थी।
अनुमान के निमित्त लिखित कितने मुख्या भाई १५०-११-५-४१ को अनुमान खास गिर्जा देली
के मानन्दमसहि बागे के धर गये, दयाचाम अनुलना, तिमोथियुस लुगुन, सामुएल लुगुन,
नुवास बागे, जवाहरिया, समद दाऊद बागे, मरुतिन समद, रोयल समद, राय सुलेमान समद,
पुचारु सुलेमान समद। उस समय मानन्दमसहि बागे के धर वाले सब कोई थे। जांच करने के समय
सुसाना बागे के लिखित चिठ्ठी पढ़ी गई ऐसा से समों को जो वहां थे सुनाया गया उस के बाद लड़कों
से पूछी गई। पुचारु सुलेमान लड़का को १-सवाल किया क्या यह चिठ्ठी तुम्हारा हो लिखित है
लड़का चुपचाप जवाब दिया हां मेरे ही लिखित चिठ्ठी है।
- २- सवाल पुछी गई एड्रेस में पतललुगुन लिखे हो सो मौन पतरस है ?
सुसाना बागे का जवाब हम हां लोगों का पतरस बागे है।
- ३- वहे को तुम पतरस लुगुन लिखे हो ? लड़का उत्तर दिया पेरेद से ऐसा लिखा है।
- ४- कैसा पतरस बागे तुम्हारा जवन को कुवा मौन लिखती हो कि जिस रोज से तुम हमारा जवन को कुवा
उस दिन से हमारा प्रेम तुम पर है बाल के लिखती हो ? क्या परस्त्री गमन किया ? सोसाना बोली नहीं।
- ५- कैसा तुम्हारा जवन को कुवा ? सुसाना बागे बोली सुमारेज एयर गौन का बलहाल गाछ में पड़ा
था उस दिन सांभ को पतरस को बुलाया के ले गया और बलहाल को उतारा तब हम लोग उस को धर
नहीं लाया पर स्कूल घर में ले गया और वहां रखा उस के बाद वह हमारे हाथ में पकड़ा हम हिंस्र के
बागे गया बोली।
- ६- तुम लोग परस्त्री गमन को उमाड़ा गांव किये हो कि नहीं ? नहीं बोली जो मास बागे लड़का को धरल्लम
ले गया और ले आया और पुछी गई नहीं बोली उस के बाद मानन्दमसहि बागे ले गया और लुगुन और
लौट कर गिरि पुछा गया फिर लड़का बोली नहीं।
- ७- जवाहरिया समद फिर लड़को से पूछी गई हो न २- भूल मत कोलो तुम्हारा ही लिखित बात है जवन को
कुने से जो माप को तो पत्नी बन गई है ऐसा लिखती हो फिर उधर उधर हिंस्र मत हो मानव ल
ता घर में नहीं रहते हो मोहरे प्यारा सुन्दर चेहरा हमारा मांसु गिर पड़ती, सिर निकलते हैं।
मन में क्या हुआ विचार जाऊंगा ऐसा ऐसा किस प्रेम से लिखती हो परस्त्री गमन किये हो कि
नहीं सुसाना का माया मानन्दमसहि बागे बोली लिखने तो सक्ती हो वहने नहीं आता है उसी समय
दाऊद बागे सुसाना को धरल्लम ले गया और ले आया फिर लड़का को पुछी गई दोष किये हैं
हो कि नहीं लिखित मोताबिक दोष किया है फिर दूसरा को पुछी गई ३ मास के किसी दोष
किये हो ? सुसाना बागे बोली हां दोष किया है।
फिर धरवालों से पुछा गया लड़का तो वरु किये पर माप धरवाले लोग क्या कहते हैं ?
जो मास माधु वहा लड़का दोष को मान लिया तो क्या वों ने हम लोग की मान लेते हैं
ऐसा वह का जो मास और उस का पिता मर्जी गिर किये माप हो लोग गांव के मुख
उबार करने वाले हैं। दयाचाम अनुलना बोला हम हां लोग गांव घर में सब दूसरे को
उबार करने वाले हैं। माधु जो मास बागे ने वहा माप ही इतने ही माप में समाई
वर दे जियो बोला और उस का माप मानन्दमसहि बागे ने यह बात सच्य तो उर से वहा
माप ही समाई वर दे जियो बोला जब कि ने मर्जी धरने लगे माप ही समाई
कर देना बोला ने लगे तब उनसे वहा गया बल बौंठों।

सह- Suleman Damed

Pracharak

உள்ளேயுள்ள புகை

ॐ ५१३५ वाग

सह सामुल-लुगुन

सह हर दूगन मेरा कोर डेवा

मसिद्ध वन्दन

ॐ पासही पोहन लुगुन

सह ५३५ लोपोनो

ॐ पासही मसिद्ध पुन्य सुखिन

Abstract from the Uaka Karamchari minute book
of Koronjo Uaka held on the 17th February 1942; in the following
members and persons were present.

(1) Rev. L. Kōngari (2) Rev. Y. Bage (3) Rev. N. Bage (4) President J. Stosch (5) Church Supervisor Rev. L. Jojowan and 22 Catechists and 4 others.

ਮਾਣਕੀ ਕੀ ਮਾਮਾ

Ham No. 2.

(F) कटुपात मंडली के गड़बड़ के विषय — कि कटुपात मंडली के प्रचारक बुले पाव समझ मौ (मंडली पंथों की को ले पापु) बाबू महाराज बाग को यह रिपोर्ट दिया गया कि बुलानी बाग महाराज बाग के साथ उड़ी मारने के विषय काम किया है तो वह छोटी सजा में रखा जावे। पापु बाबू ने इलाक़ मनी मारी समझ में पड़ा किया — ऐसा काम कि नहीं ? —

युगल पतल बाबने इलरिपौर के विषय यह कहते हुए कि यदि
 माधु बाबने इल विचार ले कि यह बाब विचारि जावे कहे के
 इल का मामला (समा) में प्रेष नहीं किया - य इल का माय में लिखे
 हुए बाबों मा. बाबों को समझने के लिये प्रेष किया जावे कि
 किम लिखा गया - दो जल का नाम को (कोटी सभा) एक के विषय
 यह कह के कि वह कोटी सभा में रखा जावे लिखा है। इल का मामला
 समा में बैठने हो के कोने नमाल 2 विचार युगल विचार को (माधु
 बाब) को सलाह दिया गया कि माय 100 को एक के (युगल
 को) पंथों के लिय जाये को लिये लिखे को 1 गड़बा नही वे
 सलाह दिया गया।
 इल का माय को कहे बाब ने लिखे

२५५ मीं मीं कुछ बातें प्रसिद्ध हो गई हैं
 मीं प्रमाण यह कि, मीं में मीमांसा प्रसिद्ध हो गई है
 और मीमांसा में मीं कुछ बातें प्रसिद्ध हो गई हैं
 मीं प्रमाण यह कि, मीं में मीमांसा प्रसिद्ध हो गई है

24 02 17

sd. Patras Baba.

17-2-42.

Sd. J. Storch.

17-2-42

Copied by
Rev L. Kongxi
Naka Chairman
1/11/43

True Copy.

Abstract from the Mlaka Karamchari minute book
of Kirongo Mlaka held on the 11th June 1941, in
which the following members were present.

- (1) Rev. S. M. Bage
- (2) Rev. J. Bage
- (3) Rev. W. Bage
- (4) Pr. M. Kerketta
- (5) Pr. M. Kerketta
- (6) Pr. Trophimus Samad
- (7) Pr. P. Baba
- (8) Pr. M. Luguu
- (9) Pr. M. P. Bage
- (10) Pr. N. Topono
- (11) Pr. S. Burih
- (12) Pr. Y. Dang
- (13) Pr. Y. Topono
- (14) Pr. V. Kerketta
- (15) Y. Samad

Itam No 2. - Durrilla.

- (2). मद्रास, 2-5-89 में लिखी - Rev. J. Bage ने हमारे
पत्र के जवाब में लिखा कि मद्रास के लोग रोने के पुनः और भी बड़े
सुखाने और उर्वर मिट्टी के विषय में बहुत और भी बातें लिखें हैं
मद्रास के लोग बहुत अच्छे और भले समझे के लिये इस
समाधि में भी लिखें - जो कि इलाहाबाद में लिखा हुआ है कि वह
मिट्टी सजा के कबिल है। बहुत लोग जो सच कहना चाहते हैं कि
इसके विषय में वे जो बातें कहते हैं मद्रास में लोगों को
पता है कि वे मद्रास के लोग हैं जो इलाहाबाद के हैं।

S. Rev. San Bago

12-6-41

SS. P. Baba.

12-6-41

Copied by
Rev. L. Konqure,
Haka Chairman
11/1/43

True Copy

मैं सिमोन बागे व. दंडा बागे हम अपने निज गिना को छोड़ कर अपना गिना करते थे आज से हम परिवार सहित अपने बड़े गिना में सम्मिल होने के लिये यह करार नया करार लिख देता हूं, अगर हम मरसली को छोड़ दे वा दगा बाज देवे तो मरसली को उचित है कि हम को उचित सजा देवे, इस हम लोगों का लुब्ध उम्मीर नहीं है।

भा: ख: सिमोन बागे
दा २६:१: ४३ अठ्ठपाने

मैं दंडा बागे आज से
आगे पुना गिना में
सम्मिल हूंगा ओले-पलैग
और सि सि के फैसला
छोड़ सगा मनुंग

० ठेका दंडा बागे ४-३-४३

Copied by
Rev N. Turkey
3-11-43

महामान्यवर

महाशय लखेराम चंद कौंसिल को
चौमुख सहाय ।

हाजूरों से हम कटुपाना के मंडली पंच ओ प्रचारक के
ओर से लिखा करते हैं कि सुसाना बगे के
केरा बाबत का कगजात जितना आदलत में
जरूरी हो आप लोगों के पास का कृपा कर 6-12-83
के आठ दिन पहले पहुंचने के ऐसा जेजने की
कृपा की जाए ।

मान्यवर Rev. J. Stooch और Rev. L. Jangwar
कमिशन हो कर आपसे ये उस समय का जंच कगजात
और फूल कौंसिल का जैसला कगजात सब को
जेजने की कृपा करेंगे ।

आप लोगों का आभार
सुलेमान समद
प्रचारक कटुपाना

12-11-83 ।

महा जगद्विषय लख 12-11-83

THE NEW LUTHERAN CHURCH
83-15-83

83-15-83

— DATED 10/10/83 —
SPECIAL STATE

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

THE NEW LUTHERAN CHURCH

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

WILLIAM LUTHERAN CHURCH

Lutheran Church
Se. Theodor Surin
Rau Chi

20

To,

The Honorary Secretary,
G.E.L. Church Council
Ranchi

Dated Ranchi the 29th Nov. 1943.

Sir,

Most humbly I beg to state that I am now under the financial difficulty, and that I have to support 5 inmates in this school at Ranchi for the next year. My crop failed. Hence it appears hard for me to get Rice through out the year in the market. I therefore must store some thing for these students to feed them. I hope my difficulty may be realized by you.

I therefore beg you most earnestly to kindly sanction an advance from my Hostel allowance from Dec 1943 to June 1944. which amounts to Rs 105/- only.

I shall ever remain thankful to you.

I have the honour to be
Your most ^{Sr}Obedient Servant.

J. Doro
Hostel Superintendent.
Bosser High School Ranchi

20

The Honorary Secretary
D. B. D. Church Council
Pawnee

The Honorary Secretary

[illegible]

I therefore beg the most earnestly
and truly sincere and anxious
Hotel allowance from Dec 1943 to June 1944
which amounts to \$102.00 only.

100 ft Luftdruck in der Höhe 20
 100 ft Luftdruck in der Höhe 20
 100 ft Luftdruck in der Höhe 20

(Handwritten notes, likely bleed-through from the reverse side)

To,

The Church Council
Through the

Forwarded to the
Church Council
Ranchi

महामन्थवार महाशयगरा,

सुनने में आया है कि

बाबु युदर्शन लकड़ा का बदली हो गया है। उसका पैसा
कांके मराडली में आया हुआ प्रयास कर बरस हुआ है।
हम लोगों का विशेष ध्यान है कि आप लोग मेहरबानी
कर के नीचे लिखे बातों का विचार कर उन बदली
को रद्द करेंगे।

१, कांके मराडली नहीं करती है कि पाद्री कम से कम
पांच बरस रहने पावे, क्योंकि अभी वह बहुत बातों में
कांके मराडली का सुधार कर रहे हैं। तुरन्त तुरन्त पाद्रीयों
का कांके से बदली होने में मराडली गिर जाती है। विशेष
कर इन बातों में जैसा की चन्दा देना, प्यडा शिरनी, मराडली
पैसा देना और मराडली समाज इत्यादि।

२, पाद्री बाबु युदर्शन लकड़ा के प्रति मिहन्त से अभी
मगरी के कौन्सिलेशन में गिजी घर और प्रचारक के रहने
के लिये घर का भी इन्तिजाम करना है और हो रहा है,
और उस आस पास के लोगों का पाद्री बाबु से बहुत हल-
मेल हो चुका है। जिस से मराडली घर बनाने में भी बहुत
मदत हो सकती है। और प्रचारक के लिये तलाश का भी
वहाँ मराडली से बन्दोबस्त हो सकता है। इस लिये वे
भी नहीं करते हैं कि यहाँ पाद्री बाबु अभी कुछ बरस
और रहे।

३, आप लोगों को मालूम है कि कांके में एक सभित्ति
स्कूल खोला गया है। यहाँ अभी केवल लुथेरन मराडली
ही के १५० से ऊपर लड़के लड़कियाँ शिक्षा पा रहे हैं और
पाद्री बाबु ही कांके मराडली और इलाका पंच ही से
हेडमास्टर इत्यादि गये हैं। जिस उपाय से भविष्यत
खुस्तान मराडली का पक्का नेव डालना है और जिसे कांके
मराडली मत्पन्त खुशी राजी है। अगर कांके मराडली के नहीं
के बरखिलाप पाद्री बाबु का यहाँ से बदली हो जाती है तो कांके
मराडली मत्पन्त दुःखी होगी और यह भी इरादा है कि मराडली

झोर-झोर बातों में बिलकुल ढिला पड़ेगी और मराइली के स्थीती के बिगड़ने का भी डर है। आप लोगों को यह बताया जाता है कि हम लोगों के मराइली से बहुत लड़के लड़की रोमन मिशन स्कूल जाते थे, परन्तु ज्योंही लोग यह देखे सो पाये कि हम लोगों के निज पाद्री भी स्कूल का भार लिये हैं, रोमन स्कूल छोड़ कर हम लोगों के स्कूल में आगये हैं। इस में भी यह डर की बात है कि जब हम लोगों के हेडमास्टर यहां से चले जाते हैं तो फिर भी बहुत से लड़के लड़कियां बच्चा उधार हो जायेंगे। क्योंकि स्कूल के सब लड़का लड़की भी अपने हेडमास्टर से अर्थात् बहुत खुश हैं। फिर यहां तक हम लोगों को डर है कि हेडमास्टर के चले जाने से हम लोगों का स्कूल भी सड़ में डूब जायेगी।

इस लिये आपके मराइली सब बातों के विषय अच्छी तरह जांच परताल कर के मज्जी करती है कि आप लोग पाद्री बापु का ट्रान्सफर को उठा देंगे जिस के लिये आपके मराइली और नगड़ी मराइली आप लोगों का बहुत र धन्यवादी रहेगी ॥

आप लोगों का विश्वास दास।

Aulensis Turkey
Secy. Kanku Ranch.
Paulus Kujer
 गोरीप, राजपुरी

1. Samuel Minor
 sunding supervisor
 Kanku.

शा. 10/11/24 4894/1

Holan Cessa.

Joseph Turkey
Paulus Kujer

Patras Hono

Nimi Khalkha

Biloshi Lakka.

Chimab

चसफ रप्पा

Nehemia Lappa.

प्रसाद लखड़ा

Prasad Kujer

ग्याशा ति की

From Samuel Ming, Teacher,
M. E. School, Koronjo.
(Vill. Bagdega, Kinkel).

To, the Secretary,
Church Council, Ranchi.
Through,
Rev. S. Bage, Chairman,
Kinkel Ilaka.

Dated, Koronjo, the 1st Nov.
1943.

महाशय,
स्वियय निवेदन है कि मैंने
अपने लड़के मनोहर मिंज को C.C. से-
सहायता देने के सम्बन्ध में एक-दो
दरबारा C.C. की सेवा में पेश की थी,
जिसके उत्तर में C.C. से मुझे लिखा गया है
कि १६४४ ई० से उसे सहायता मिलेगी।

किन्तु मेरा दुःख अब अत्यन्त ही
बढ़ गया है और मेरी हालत भी अत्यन्त ही
शोचनीय है। आप को कृपया मालूम-होवे
कि उतने दिनों तक तो तिरुसु मिंज मास्टर
ने २५ रु. माहवारी देकर लड़के की सहायता
की थी। पर अब वह रुपया ओक्टोबर से
मेरे लूथेरान तरफ लौटने पर बन्द कर-दिया
गया है।

अब मुझे कहीं से आशा नहीं है

(P.T.O.)

Ilaka
Kinkel
Simpans
Kai Ki
Gane
de
Jang

S. Bage
2-11-43

कि आपने लड़के को कॉलेज-फीस दे सकें।
इस साल मेरे लड़के को J.A. इमतिहान में
उतीर्ण होना है। यदि उसके फीस के लिये
अच्छे पैसा न मिले इस साल उसका लिखना
बंद हो जायगा। मुझे १५ सैकड़ा कट से २३५.
६ आ. हाथ में मिलता है और उसका इस महंगी
समय में २५) रु. से अधिक खर्च है। घर
से दूर रहने के कारण इस महंगी समय में मैं
उसे कुछ भी नहीं दे सकता हूँ।

मैं ने सुना है कि C.C. दया करके
कितने ही कॉलेज-अध्यायी-विद्यार्थियों को
सहायता पहुंचा कर पढ़ा रही है। मैं भी लाचार
इन महंगी के दिनों में इस संकट समय में C.C.
को और अपना अकांचित निवेदन पेश करता
हूँ जो दुःखनिवारणार्थ C.C. से तत्क्षणा सहायता
पाने की उत्कट आशा रखता हूँ ताकि C.C. दया
कर मेरे करुणा-निवेदन पर अपना उचित विचार
प्रकट करें।

मैं यह भी, अन्त में, प्रतिज्ञा करता
हूँ कि जो कुछ C.C. लड़के के कॉलेज
पढ़ने में सहायता पहुंचावेगी उसे पाई, जैसे
अन्य विद्यार्थी वैसा ही भरेंगे।

अतएव, आप से सविनय पार्थना
है कि आप दया कर मेरी इस दोन निवेदन-पत्र
पर और निगाह रख कर मेरे लड़के को ओक्टोबर
ही से २५) रु. माहवारी सहायता पाने की कृपा
करें; जिस उपकार के लिये मैं आप का सदा दयवादी
रहूंगा।

आप का आज्ञाकारी सेवक
Samuel Ming, teacher
M. E. School Koronjo.

G. E. L. Church,
Takarua.
The 27th November, 1943.

To,
The Church Council,
G. E. L. Church, Ravello.

Sirs,

I beg respectfully to state that in the full Church Council of October 1942, one Lutheran Christian, named Mansich Munda was appointed guard for the forest, here. His remuneration was fixed within a rupee per month. The resolution was to take effect in the meeting of the Board of Management. Don't know what action has been taken on the resolution, by this time.

The said person looks after the Church forest up till now, and, is in the expectation of the remuneration from the Board. But, owing to the rise of price, he places his demand at Rs 1/8/- per month, now.

I, therefore, request, on his behalf, that the Board of Management be kind enough to grant him Rs 1/8/- per month to safeguard the forest which is now in a flourishing condition, and for this I shall be thankful.

I have the honour to be,
Sirs,

Your most obedient servant,

B. George,
Offg. Headmaster & C.C. member.

2/2/43

From - Rev. L. Kongari
G. E. L. Church, Koronjo

To
The secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

Dated Koronjo the 29th January 1943.

Church Council
Received Letter
Register No. 68...
Date 9-2-43
File F. 8
Reply No.
Date

Manyawar

G. E. L. Church Secretary ko yimushay.

Age main ap ko mere 8-1-43 ke diye huwe report ke babat phir se jaanti de rahi hun ki jo karrawai C.E. ke shikraye huwe Mahupani case ke chhoti saja ko na manne hain rasti ke samain kumiyon ke अधिकार अनुसार रक्कत दल रहे हूँ तो बहुत अधिक कार के लोग गोमाल वाले मण्डियों में C.E. के शक्ति के ग्राहक करने वाले होगे हूँ. जैसे राजा बारा मण्डि में जो गोमाल का एक बुनियाद जगह है जस्में घर सातहूँ 109 में केवल 5 घर C.E. के शक्ति को न मानने वाले हूँ और बाकी 104 घर मानने वाले हूँ, सेंट्रल लिज करने वाले कि सातहूँ में हूँ. C.E. ही और 2 मण्डियों की दस्ता भी है.

Phir bhi 16-12-42 के diye huwe leadership ke report. में से No. III के मामला ब्रह्म ने (3) Patras मून्दा मण्डि पंच; और डोवपानी का No. (2) Patras डंग प्राचीन वक्ता member, पिछले शत गये जाने C.E. के शक्ति को मानने वाले होकर रही दिने हूँ.

Ab itna hi dekhne में आता है कि C.E. छोटी साज न मानने हरों के उपर और कुचि ज्यदा करवाई कर दे तो वेही लीडर लोग केवल बच जायेंगे जो न गान के रायतों से मिल रहे हूँ और न मिलेंगे.

Ap ka binwast
L. Kongari

29/11/43

गोपुक्त मान्यवर चर्च कौंसिल

जो. ई. एल. मिशन संजी

Church	Letter
Received	59
Register No.	59
Date	29-1-43
Reply No.	
Date	

आगे सबिनय अर्ज हम डइकापानी मंडली के भाईयों का यह है कि आप कइपानी गइबड़ी ममला को देख कर, सुन कर गये हैं और उस के विषय पूरी तरह जानकारी हैं। उस गइबड़ी के विषय आप उचित बिचार कर के फैसला दे चुके हैं और गइबड़ी शांत होने का आसरा देख रहे हैं। लेकिन देखने से ऐसा मालूम होता है कि शांत होने के बदले अधिक तूफान उठने वाला है। इस लिये आप बहुत जल्दी इस गइबड़ी को मिटाने के लिये जाने का कृपा करेंगे आपका इलाका के जरिये गइबड़ी को मिटाने का कृपा करेंगे। नीचे लिखे दो शर्तों पर, बागे पर्यें और समद पर्यें वाले रजिनामा होने चाहते हैं।

१ ला लइकी को लिखित चिट्ठी पर, बागे पर्यें वाले छोटी सज्जा मान लेते हैं।

२ रा लइकी आपनी पूरी कबूलियत नकरने पर, समद पर्यें वाले (मागो) सज्जा उठा देने को मान लेते हैं। इन दो बातों के नीचे आप खड़े हो कर मेल कराने का उचित बिचार करेंगे तो निश्चय सफलवन्त होंगे। नीचे लिखे धर्म बिचार स्थल बचनों के द्वारा हम डइकापानी मंडली के भाई सब आप को सलाह देते हैं:- मती ५, ६:- धन्य वे हैं जो मेल करवैये हैं क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलावेंगे। १ पितर ४, ८:- और सब से बड़ कर एक दूसरे से बहुत प्रेम रखो क्योंकि प्रेम बहुतरे पापों को टांपता है। मती ६, १४:- इसलिये कि यदि तुम मनुष्यों के अपराध छमा करो तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता तुम्हें भी छमा करेगा। मती १२, ३५:- जो हो यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से छमा न करेगा तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है तुम से भी करेगा। गलती ६, १-२:- हे भाईयों यदि कोई मनुष्य किसी अपराध में फंस जाय तो तुम जो अभिक हो नम्रता के साथ ऐसे को संभालो अपनी भी चौकसी रख कि तू भी परीक्षा में न पड़े। एक दूसरे के भार उठाओ और यों मसीह की व्यवस्था को पूरी करो।

ऊपर लिखे बचनों के अनुसार हम डइकापानी मंडली के भाई सब मंडली में बिन्ती करते हैं कि ईश्वर कइपानी पेरिश में जो शैतान का फूट फट राज्य हो गया है, आप के जरिये नाश कर देवे।

आईन्दे आप इज्जुर मालिक हैं।

तो. २६-१-४३

आप के आशाचीन सेवाकें।

बड़ा सन्तोष समद, प्रभुसहाय समद, घोमास जोजो
छोटा सन्तोष समद, मनमसीह समद, घोहन सुरिन
जीवनमसीह जोजो, नथानियल समद, शिमोन कैरकेटा वगैरह।

25/1

From - Rev. L. K. Kongari

H. F. L. Church Komnjo

To

The Secretary

H. F. L. Church, Ranchi.

Dated Komnjo the 20th January 1943.

Ch. Cl. Council
Received Letter...
Register No. 53...
Date 25-1-43
File No. 8...
Reply No.
Date

Maryawar,

H. F. L. Church Secretary to gymkhana.

Agar apko malum hoval ki Rajgulari Parti ki baithki tarikh 16-1-43 ko Rajgulari mein hui thi. us baithki ki or se me mujhe yahi kaisi kisi mangte hain ki kyon main iska nama lekar aur tip rahi lekar golmal karne wale jagah ke (mandir ke) radi den wale se iska bartao kar raha hui. jiska report main 15-1-43 ko ap ke pas bhej diya.

Unke kaisi kisi mangte ke baithki mera yahi mal jabab hai ki na uske ke kaisi kisi mangte hai, par C.C. ke phaila anusaar C.C. ki chithi NO. 485-86/42/F-8 Dated 27th Feb. 1942 aur chithi NO. 485-86/42/F-8 Dated 27th Feb. 1942 ke anusaar aur Pad ke hetu bibek ke karan, Kachipani ke larka larka ke C.C. ke karyam kiya hui chhoti saja ko na manne harang ke liye keval hai.

Main golmal karne hui parti ke kaisi kisi mangte ke nij chithi rath mein bhej raha hui.

Ap ka kismat
L. K. Kongari

21/1/43

From - Rev. L. Kington
Q. E. L. Church, Kotonjo

To

The Secretary,
Q. E. L. Church, Ranchi.

Dated Kotonjo the 15th January 1943.

Church Council
Received Letter
Register No. 42
Date 21-1-43
File F 8
Reply No.

Maryamoni,

Q. E. L. Church Secretary to you are,

Ag ap ko malum hoga ki (1) Kalmpani case ke bare
C. C. ke karyam kya hua chhoti saja ko na manne harang par
Karrwai — Bibek ke karan C. C. ke larka larki ko chhoti
saja men rakho diya hai, us shakari hui chhoti saja ko na
manne harang ke side bilkul sahi lekar band kar rahi hun
aur jo C. C. ke phairi ko manne hain aur apne sahi dekh
hain unko rudi dede rahi hun. Yeh kural gotmal karne
hain mandiyon ke C. C. ke phairi ko na manne harang ke
upar men hai.

Phal isaki dekhne men aye ki aditke aditke
jyada log C. C. ke phairi ke manne hain kya jo rahi
hain. Raja-bara men to abhi 4 ya 5 pher na manne harang
ke girti men a rahi hain. Aise hi aur 2 mandiyon men bhi
dekhne men aye hai.

Is kya is karrwai par apki kya aya hai. Jo ap
kahan karne ko karyam hun. Aise log jo chhoti saja ko
nahin manne aur kam karwana chahate hain, Bibek ke
birudi karne se bibek bahut mara hai.

Is kya is chitthi ko bahut jaruri jan kar aigun
jabab bhejne ki kriya ki jaye.

(11) 16-12-42 ke mere report ke bare shi janta hoga
ki kriya ki jaye.

ap ka birud
L. Kington

11/1/43

From - Rev. L. Kongari Koronjo

To

The Secretary

Q. E. L. Church, Ranchi

Dated Koronjo the 8th January 1943.

Maryam

Q. E. L. Church Secretary ko yunichaiy.

(1) Age main kahupani mandli ke bhaizon ka darchess 3-1-43 ka ap ke par bhej de rahi hun.

(2) Centroline band karna harong ke bisai — Jin 2 mandliyon mon centroline band hai wahan blitar man log dar rahi hain yeh kah kar ki yadi Bachaudet sadi adi un mandliyon ke liye rok dewe to unka sangathan tut jayga. Aisa yadi karwani hojay to logon ka kahna hai ki hum log leader logon ka pakarenge.

Nischai kar ke sacrament sambandhi bat na bli roki jay, par ^{unke} centor na karne tak ke liye C.E. yadi un roki hui mandliyon ke liye Bachaudet + sadi rok dewe to pura nischaiyga hai ki adhik log laut jaenge we keval bachenge jo leader hain. Aji hi kal ek ^{man} ~~man~~ hai, piche sadi adi bit jayga to manda par jayga.

Hum tinong padri un centroline band karna harong jon jahanse dar rahi hain. Kripaya C.E. in par dhyan de kar hum logon ki sahajta karanti krin kar.

(3) Kripaya 16-12-42 ke mere report ka janti de bhejiye ki kya nipera huwa.

Ap ka biwara
L. Kongari

Church Council
Received... Report
Register No. 29
Date 11-1-43
File F-8
Reply No.
Date

Forwarded
to the
C. E. Secretary.
from: Zakaria
Chairman
3/1/43

ਮਦਰਾਸ ਪੈਰਿਸ ਕੌਂਸਲ ਚੈਅਮੈਨ
ਰਿ. ਮ. ਟੁਰਕੀ

ਮਦਰਾਸ

ਅਸਲ ਦੇ ਜੋਧੇ ਕੌਂਸਲ ਮਦਰਾਸ ਮੈਂਬਰਾਂ
ਜੋ ਅਸਲ ਦੇ ਹਨ ਕਿ ਮਦਰਾਸ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ
ਜਿਹੜੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਅਸਲ ਦੇ ਅਸਲ ਦੇ
ਮਦਰਾਸ ਦੇ ਅਸਲ ਦੇ ਹਨ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ
ਦੇ ਹਨ ਜੋ C.E. ਦੇ ਹਨ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ
ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਹਨ ਜੋ C.E. ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ
ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਅਸਲ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ
ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ
ਇਸ ਲਿਖ ਮਦਰਾਸ 2-1 ਦੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ
ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ ਦੇ ਹਨ

ਅਸਲ ਦੇ ਅਸਲ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ

ਅਸਲ ਦੇ ਅਸਲ ਦੇ ਅਸਲ ਦੇ
ਮਦਰਾਸ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੇ

ਅ: 19 Zakaria Samad

ਮੈਂਬਰ ਪੈਰਿਸ ਕੌਂਸਲ 3-1-43

ਮੈਂਬਰ ਪੈਰਿਸ ਕੌਂਸਲ

ਮੈਂਬਰ ਪੈਰਿਸ ਕੌਂਸਲ

ਮੈਂਬਰ ਪੈਰਿਸ ਕੌਂਸਲ

ਮੈਂਬਰ ਪੈਰਿਸ ਕੌਂਸਲ

ਮੈਂਬਰ ਪੈਰਿਸ ਕੌਂਸਲ

ਮੈਂਬਰ ਪੈਰਿਸ ਕੌਂਸਲ

ਮੈਂਬਰ ਪੈਰਿਸ ਕੌਂਸਲ

forwarded to the
Rev. M. Turkey
Kashyap
3-1-43

Handwritten notes and signatures at the top left of the page.

Kahurani 22-12-42

Church Council
 received letter
 Register No. 14
 5-1-43

G. L. Church ने प्रस्ताव को प्रस्तुत किया है 8.
 मी मी को विधि 3-12-42 को ध्यान में रखते हुए

आप आते जा रहे हैं, परन्तु फिर पुनः को अङ्गुली में डालने के विषय विचार
 करना है, मगर अङ्गुली में आत धर है तो मगर विचार आते हैं, और नदी
 से डालने आते हैं न तो खोरी बना को मानते हैं, मैं समझे सबके कुछ
 रोकायेन रहे विचार है परन्तु मान मान व्यवस्था के विषय बात हो रही है
 मगर विचार आते जाते हैं तो सबके विधि मीमा परन्तु वे नकार दिये कि
 कि मीमा लोग अङ्गुली में सम्मिल हो नहीं हैं, एम विधि देगे, परन्तु वे अङ्गुली
 विचार में सम्मिल होने दरे रहे हैं, यदि सम्मिल नहीं होगा तो विधि नहीं दे
 सकते हैं और कि तुम लोग ए ए को बात रहे करते हो। दोनों तरफ से विधि
 नहीं होने से मैं व्यवस्था उनको नहीं दिया बोल के विधि से कर में है, उसको
 बाद चेम्पेन बाव को साथ उन माना विचार आते को समझाने परन्तु
 वे नहीं समझें और एकदम को मगर कुछ कहते लगे, उसको बाद मैं समझ के
 कई मनुष्य व्यवस्था देने पर परन्तु फिर बोला कि और बात को माफ़ कर दो
 कि यदि उनको विचार विधि व्यवस्था को तो अच्छा रहे होगा और उनको
 यदि विचार के न दोष साधे यह व्यवस्था दे देगे, तब तो डर के बाव है
 कि उन बात धर आने के विचार में कि किनारे यदि बहिर विचार में मीमा
 मीमा को सब बात धर से डालने रहे करते हैं परन्तु, अङ्गुली मसल में को
 से डालने न करने दिये से मिल जायगे यने से मीमा मसल के मसल +
 इस विधि क्या आने इसका नकार कुछ ही दिनाये विधि उनको व्यवस्था
 विचार विधि से होगा मगर यदि मैंका मीमा से कुछ होवे तो लाई मीमा।
 इस विचार! — मैं समझ से मीमा आने को बात चित्त आने से विधि मीमा मीमा
 मीमा परन्तु मीमा मीमा मीमा मीमा से मीमा मीमा रहे हुमा, परन्तु फिर मीमा
 से कुछ बहुत इसको बारे बात चित्त विचार। मीमा को चेम्पेन बाव L Kongar
 से बात माफ़ हो गई होगी, तब मैं मीमा को नकारा है कि राम बाला
 मसल मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा
 13-12-42 में केवल हुमा उल्टे रोम से से डालने आते हैं, कि राम बाला
 मसल ही का इलाक़ विचार विधि मीमा है वह मीमा चेम्पेन बाव से मीमा
 उनको समझा, तब नकार दिये कि एम ए ए ले लड़ने रहे करते हैं
 एम से डालने मीमा। ऐसा ही उन दो मसल मीमा है मीमा मीमा मीमा
 मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा मीमा
 मीमा से डालने मीमा है, परन्तु बहुत मीमा बहिर से डालने मीमा मीमा मीमा

નો ૩૧ એપ્રિલ સુધીના દિવસોમાં જે નિયમો મારે હતા તેમના અમલમાં
 લાવવા નિયમો ૧૩૭ અને ૧૩૮-૮ ૧૩૯ નો અમલ કરવા

तुम्हारे पास सेन्द्रालैंग बन्द करने का नई उपाय है। पहले मैं तो पन्द्रह दिनों
तक पन्द्रह प्रभु आपसे सम्पर्क करने के द्वारा ३१ को परमात्मा को लौटा दिया था।
वे इस प्रकार से सेन्द्रालैंग विमोक्त होकर एक पक्षी का बन्धन छोड़
कर भागे। — मानवों को पक्षी के लोग कहते हैं कि कौस्तुभ से मानव

[illegible][illegible]

20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045 1046 1047 1048 1049 1050

Key

[illegible]

7/11/42

C/1

Acknowledged

4/11/42

Put up to the Secy

From Rev. L. Kōngari
Vaka Chairman Kōronjo
The President
L. & L. Church, Ranchi.
Dated Kōronjo the 27th Oct. 1942.

Church Council
Received. <i>Chh.</i>
Register No. 88...
Date... 27/10/42
No. F. 8...
Reply No.
Date.....

Maham - manyavar
L. & L. Church President ko yimzahay.

Age main Rev. N. Tistay ke report apke pas bhej dera hain. Main apros karta hain ki ghar mein bimari halat hone ko wajah, jaldi chala aya aur hamare Kōronjo Vaka ki Kathinaiyon ke bare jo Pastors ko jhelne par rahe hain pure puri bat chit karne nahin saka. Nischai kar ki parha parti dinong din homay ko aur adhik talchhip dete ja rahe hain. Padriyon ko Sakramentong ko amushan karne se jo dam hota hai uske upar bhi ab we lauth daina suru kar gaye aur dekhte hain ki C. C. apne bludong ko (mandli raja pharmana) jab tak na man lewe (raasthawe) aisa hi karke jaenge. Aur aisa hi radi ke samain bhi phir ko we jabat karenge aisa matam parna hai. Kyunki aisa matam ko we ab them bing hain aisa unke karn hai.

Ab we pracharong ko to tanthe de rahe hain jo unke bichmen kam karke hain aur Padri bhi jo unke bichmen kam karke hain unke hire ke damong ko jabat karke hain, to kya achha nahin hoga ki C. C. ki yadi anumati ho to Padri bhi unke bich men sakramentong ko amushan karne aur radi dene ka kam rok rakhne jab tak ka we jo gotmal karke hain apne bludong ko na man lewe ki kalisha ke sampranati ke udhin na rahne se kya sajamilta hai. Lalopato karne se we rahak ja rahe hain. Mera yahi nischai hai ki C. C. yadi aisa karwai karega to adhikam log trichhe laut jaenge. Yah mera own personal bichar hai.

Un raja paye humne larka larki ke rath jo unke ghara se mandli raja na man kar ek rath rakhte white pite hain unke rath Padri yah pracharik hain logman kar ke jab ki we khane khane ko bulawen.

Apront batong ka andar pane ki pritiastha men hain.

Ap ka binom
L. Kōngari
27/10/42

Through The Elaka Chairman
Koronjo

The President of E.L Church Ranchi

7/11/42
Forwarded to
President of E.L. Church, Ranchi
From: Elaka Chairman
22/10/42

M. S. S. S. S.
22/10/42

महोदय प्रेसिडेंट जी मैं आपको
बहुत धन्यवाद है जो आपने मेरे
पत्र का जवाब दिया है। मैं आपकी
सलाह का बहुत धन्यवाद करता हूँ।

P. S. S. S. S.
Q. C. - 24

I am very glad to hear from you and
thank you for your letter of the 18th
September. I am sure you will be
very happy to hear from me again.

II I am sure you will be very happy to hear from me again. I am sure you will be very happy to hear from me again. I am sure you will be very happy to hear from me again.

III I am sure you will be very happy to hear from me again. I am sure you will be very happy to hear from me again. I am sure you will be very happy to hear from me again. I am sure you will be very happy to hear from me again.

IV I am sure you will be very happy to hear from me again. I am sure you will be very happy to hear from me again. I am sure you will be very happy to hear from me again. I am sure you will be very happy to hear from me again.

V I am sure you will be very happy to hear from me again. I am sure you will be very happy to hear from me again. I am sure you will be very happy to hear from me again. I am sure you will be very happy to hear from me again.

Received Rev. A. Turkey 26-10-42

From Rev. L. Kongur:

Rev. L. Kongari
L. E. L. Church, Koronjo

To
The Secretary

Q. L. Church, Ranchi.

Sa Lu Kōhōji the 31st July 1942

Mahurangi

Manyawon C. E. L. Church Secretary to
Nimmaray.

See main app no apph. C. Mich. No 1446/42/F.8

Dated 24-6-42 ke babat per Koronjo Naker re janch
ki gar (a) Burekization gotmal binayak report aur
(b) Junathar Bage ka darhast readmission ke babat per
janch report. (c) Babu Jaymerit Naker ke Lutheran
Welfare Agaj, (d) Lombari Mandi ka 12-7-42 ka
report aur (e) Gotmal kumar hare partiyon re Naker
men perh kiye kuno Notice ka Free Copy 27-3-42
ka ap deya karo thej de nahan karo.

Ustawa o. kaitku dei se kome he
wajik ^{kepa} kagaz chejme nen do kumi.

Ap die bewan

L. Kenguri
Vaka Chairman

31/2/42

(A)

कौरीजो इलाका को बैठकी दि. 23+28-10-82 को हाल मोकाम
राजावला अदुपानी परिसर में ए.ए. की निधि नं. 9826/82/F-2
दि. 28-10-82 के बाबत तीनों पोलिस के ले-2 में हुई की। सेन्ट्रल जेलन
व्यव करने वाले मस्ती जाने राजावला, वन मली, डोमपानी, ममागिरीना
मौ (लोखोई खाल के मस्ती पंचलोग नोटिफिकेशन के अंतर्गत)। कितने
जगह से हाजि हुई मौ (कितने जगह से नहीं मिल पाए) सब जगह
32 जन कुलमे हुए लोगों में से हाजि आये थे। इलाका के उन को
सेन्ट्रल जेलन को संग्रहित कायदा समझौदा दिया कि उनको हा
करना अनुचित है मौ (कलिका के निमन विलुप्त चलना मौ
करना है मौ (समझौदा देते हुए ए.ए. से सेने हुए निधि के काई खाल
उनसे पूछे, जिन का जवाब नहीं मिल पाया है।) ए.ए. की निधि का
१ खाल — माओ के लोग कौन हैं — इलाका के समझौदा देते हुए

पूछा कि सेन्ट्रल जेलन व्यवस्था में कौन से माओ हैं। ममागिरीना के
परिसर विसू को के लए के निमन विलुप्त मौ (ए.ए. के पाल) मंडल
अहते हुए बोले कि हम लोग तो व्यवस्था में नहीं हैं म (अन्यथा जानते
हैं कि ए.ए. मारी नई हुए लए मौ (इलाका मारी इलाका के मारी
मौ कि उनके मारी माओ अदुपानी गोल माल को जो मिर गिरी मिले
लिमा मौ (ए.ए. में पुन (मिलना हुआ। इलाके जानते हैं कि ए.ए. मौ
इलाका ही व्यवस्था वाला है मारी माओ के लोग हैं।

इलाका के अदुप लममाया म (एला थोड़ पूरा पाल नहीं मिले हैं)
अदुप मौ (ए.ए. को कहा जो कि मिलने के आवेदन नहीं है। लोखोई पोलिस
के खाल लोखोई मस्ती का दि. 12-10-82 को मोर सेन दे रहा है।
जिल में माओ वहां के हाल के माओ को पालेंगे मौ (पहिले के
दि. 10-3-82 + 22-3-82 का कलिका के शासन प्रणाली के माओ
न रहे हाथ के मोर जो ए.ए. में सेन लिमा के माओ माल
माओ को पालेंगे।

२ खाल — वे माओ कौन से सेन्ट्रल जेलन व्यवस्था में हैं? — पूछने पर
उन लोगों ने नहीं जवाब दिया कि जैसा पहिले खाल का जवाब दिया है ला
इलाका में नहीं उन देते हैं कि अदुपानी गोल माल को ए.ए. मौ
इलाका के मिले जाया दिया। उनोंने पहिले मौ (अदुपानी एकाद मिया
इमा लिमा, बुद्ध के लए रात म (है, उनसे बात मिली माओ
उनका इमा ले मोको लकी का मी इमा लेने मारी म (हम लोग)

नहीं मने दिया। मि. श्री उल्लेख २ लहेव को राजा वला में लव कुली वला।
 उन्हे ने कहा कि बाद म (गड्डी की, गड्डी गड्डी, गड्डी) वा १ नवा गिरल के मेलमिला-
 पिना प्रार्थना ले लव वन हो गया, प्रम मो लमो हुमा मि. मा मिलने
 जाया दिया, हम इलाका में देखेंगे माने को लो जाका वल नी ल कोरे, मा
 मा देला गया कि हमारे माका के विपरित ओं मिल ने मैल ला दिया।
 ऐसी २ बातों के होने से जहां २ ले लेया इल मायला को देखने लुने मायेवे
 ला इल मायली माय को देल लुने के मडली २ में से न्हा लिले ला वयकुमा।
 इलाका ने वलीव २ बात बोलने को बदलने को लम माया म ले दे लही
 मंडली को बात को बोल मौ लु बही मडा।

३ साल — मि. उ. पेल्लारे हैं १ मौ पेल्लारे पति ने उको लम माया मया।
 उने म कोरे म ली है मिने हैं १ मौ मा ली है मिने हैं तो को गल मा।
 नही तो ओं नही को गल — से न्हा लिले ला को वयकुले हरि मंडली।
 विरो व म को लुपुपती पेल्लारे राजा वला, वने मली, डा मैपली मौ लिलारे
 पेल्लारे मया मंडली मौ खाल लो कोरे मडली के मडली में म ओं प्रमो
 लो है।

पेल्लारे पति ने लो पेल्लारे मिने लव ले वयकुमा वल ले म को लम माया
 दे रहे हैं कि वयकुमा को वे नो लिल देल कुला म दलिल ली हो रहे को।
 पति ने म म म लम माया मि लुपुपती को म से न्हा लिले ला में कुल
 लव मा रही हैं, लम माया वेने म मो लमो २३० मे रडाये।

पेल्लारे पति ने प्रम को लम माया देना बोल मा ओं कोरे प्रम
 म ली है मिने हैं ओं कि ०.० को मिने १० १०२५ ४२ १०३६-४-४२
 में ०.० लो कोरे ने मो लिल — "मो पेल्लारे है कि लुपुपती को
 मंडली में लिले कोरे माय म लो मिने। लव लव माये उको मिने मले
 ली है। मले वे मो लो मो म लल लव माये को मो लिले"। लो
 इल बाद को मल उको मिने लिले, प्रम मो लो मा मी कु मी
 नही रोकी गड म लिले मो ल विल स माय से न्हा लिले ला वयकुमा
 मिने हुए म लिले में माय मले मारे हैं। — ०.० के हुकुम
 मा लिले को लो म लिले कोरे क कोरे मा की लल मारी।

४ साल — गोल मल मिल २ पेल्लारे हैं कैले मौ मिने के दल मैला? —
 गोल मल लुपुपती मौ लो कोरे को पेल्लारे में हैं। कैले मौ मिने के दल
 मैला — इल साल के प्रम माये उको ने कहा कि कैले मौ मिने के
 दल मैला इल मा लल इल मा लल लो देते हैं माने २१-३-५२ मा।

(13) C.E. को लिखे नं० १४२४/४२/१-४, दि० २४-१२-४२, विषय Application of Jonathan Bage Bhundipani for admission to the church -
 कि आज मैं आपको प्रार्थना करते हूँ कि आप मेरे पुत्र जयराज को | उल्लेखित
 लिखित पत्रों में ५६, ५७, ५८, ५९, ६०, ६१, ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८, ६९, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९, ८०, ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२, ९३, ९४, ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १००, १०१, १०२, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, १०८, १०९, ११०, १११, ११२, ११३, ११४, ११५, ११६, ११७, ११८, ११९, १२०, १२१, १२२, १२३, १२४, १२५, १२६, १२७, १२८, १२९, १३०, १३१, १३२, १३३, १३४, १३५, १३६, १३७, १३८, १३९, १४०, १४१, १४२, १४३, १४४, १४५, १४६, १४७, १४८, १४९, १५०, १५१, १५२, १५३, १५४, १५५, १५६, १५७, १५८, १५९, १६०, १६१, १६२, १६३, १६४, १६५, १६६, १६७, १६८, १६९, १७०, १७१, १७२, १७३, १७४, १७५, १७६, १७७, १७८, १७९, १८०, १८१, १८२, १८३, १८४, १८५, १८६, १८७, १८८, १८९, १९०, १९१, १९२, १९३, १९४, १९५, १९६, १९७, १९८, १९९, २००, २०१, २०२, २०३, २०४, २०५, २०६, २०७, २०८, २०९, २१०, २११, २१२, २१३, २१४, २१५, २१६, २१७, २१८, २१९, २२०, २२१, २२२, २२३, २२४, २२५, २२६, २२७, २२८, २२९, २३०, २३१, २३२, २३३, २३४, २३५, २३६, २३७, २३८, २३९, २४०, २४१, २४२, २४३, २४४, २४५, २४६, २४७, २४८, २४९, २५०, २५१, २५२, २५३, २५४, २५५, २५६, २५७, २५८, २५९, २६०, २६१, २६२, २६३, २६४, २६५, २६६, २६७, २६८, २६९, २७०, २७१, २७२, २७३, २७४, २७५, २७६, २७७, २७८, २७९, २८०, २८१, २८२, २८३, २८४, २८५, २८६, २८७, २८८, २८९, २९०, २९१, २९२, २९३, २९४, २९५, २९६, २९७, २९८, २९९, ३००, ३०१, ३०२, ३०३, ३०४, ३०५, ३०६, ३०७, ३०८, ३०९, ३१०, ३११, ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६, ३१७, ३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२, ३२३, ३२४, ३२५, ३२६, ३२७, ३२८, ३२९, ३३०, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४, ३३५, ३३६, ३३७, ३३८, ३३९, ३४०, ३४१, ३४२, ३४३, ३४४, ३४५, ३४६, ३४७, ३४८, ३४९, ३५०, ३५१, ३५२, ३५३, ३५४, ३५५, ३५६, ३५७, ३५८, ३५९, ३६०, ३६१, ३६२, ३६३, ३६४, ३६५, ३६६, ३६७, ३६८, ३६९, ३७०, ३७१, ३७२, ३७३, ३७४, ३७५, ३७६, ३७७, ३७८, ३७९, ३८०, ३८१, ३८२, ३८३, ३८४, ३८५, ३८६, ३८७, ३८८, ३८९, ३९०, ३९१, ३९२, ३९३, ३९४, ३९५, ३९६, ३९७, ३९८, ३९९, ४००, ४०१, ४०२, ४०३, ४०४, ४०५, ४०६, ४०७, ४०८, ४०९, ४१०, ४११, ४१२, ४१३, ४१४, ४१५, ४१६, ४१७, ४१८, ४१९, ४२०, ४२१, ४२२, ४२३, ४२४, ४२५, ४२६, ४२७, ४२८, ४२९, ४३०, ४३१, ४३२, ४३३, ४३४, ४३५, ४३६, ४३७, ४३८, ४३९, ४४०, ४४१, ४४२, ४४३, ४४४, ४४५, ४४६, ४४७, ४४८, ४४९, ४५०, ४५१, ४५२, ४५३, ४५४, ४५५, ४५६, ४५७, ४५८, ४५९, ४६०, ४६१, ४६२, ४६३, ४६४, ४६५, ४६६, ४६७, ४६८, ४६९, ४७०, ४७१, ४७२, ४७३, ४७४, ४७५, ४७६, ४७७, ४७८, ४७९, ४८०, ४८१, ४८२, ४८३, ४८४, ४८५, ४८६, ४८७, ४८८, ४८९, ४९०, ४९१, ४९२, ४९३, ४९४, ४९५, ४९६, ४९७, ४९८, ४९९, ५००, ५०१, ५०२, ५०३, ५०४, ५०५, ५०६, ५०७, ५०८, ५०९, ५१०, ५११, ५१२, ५१३, ५१४, ५१५, ५१६, ५१७, ५१८, ५१९, ५२०, ५२१, ५२२, ५२३, ५२४, ५२५, ५२६, ५२७, ५२८, ५२९, ५३०, ५३१, ५३२, ५३३, ५३४, ५३५, ५३६, ५३७, ५३८, ५३९, ५४०, ५४१, ५४२, ५४३, ५४४, ५४५, ५४६, ५४७, ५४८, ५४९, ५५०, ५५१, ५५२, ५५३, ५५४, ५५५, ५५६, ५५७, ५५८, ५५९, ५६०, ५६१, ५६२, ५६३,

३० मार्च को मैंने २००० रुपये का चेक बैंक में
 जमा कर दिया - जो मैंने बैंक में जमा किया है। मैंने २००० रुपये का चेक बैंक में
 जमा कर दिया है। मैंने २००० रुपये का चेक बैंक में
 जमा कर दिया है।

(C) e.e ad bnd 10.1547-57/42/F-48. di gantung 1082.
Ratu Babu Jaymanik Ekka Bi Patuhik Indri. Ki Luthoran
Ichara Kagi. 1

१५५० में ही इसका ले जान की गई तो नहीं जाना।
 १५५१ में भी तो इसका न ले' इस विषय में नहीं है नही
 १५५२ में ही है तो (१-६) लाकर इस की वा ^{अभी} नहीं
 १५५३ (

Ap. ka binuwa
L. Kōngari
Alaka chairman
31/7/42

लोम्बोर्ड. क्र. १२-७-१९४२ ई.

मन्यवर ईलाका जेपरमेन लुकर कोन गडी ओ ईलाका में मबरो को
ओर ईलाका सब काम चारियो लोम्बोर्ड मंडली के मंडली पंच ओ वगयर ह
माईयो का भीषु मलय.

अगे बात है कि मबरेल. माई का लोम्बोर्ड मंडली का सिमनी ममरनी
जिसको हिमाचल लोम्बोर्ड का प्रचारक दखिन विषा है परउमको नहीं
देगे. और जब तक की पानी का गोलमाल मफई न किया जय तब तक ओ
ओ प्रचारक को सेन दरलाओ नहीं करुआवेंगे.

मंडली पंच ओ माईयो को ओरसें. ली: ७-१०१०. Lombard
श्री १ - प्रभुसहाय जगन्नाथ लोम्बोर्ड

॥ दातीरल - डांगवार - लोम्बोर्ड

देव निवासा

मनसी ६ डांगवार लोम्बोर्ड

श्री १ दलिया जलहरी

सही सिताश लुगुन

Gurathan Jhans Lombard

श्री १ मुलेमान तीपनी लोम्बोर्ड

श्री १ पिलीप समद लोम्बोर्ड

श: मनसि ६ डांग लोम्बोर्ड

श: लेखियस तीपनी लोम्बोर्ड-ओ वगयर ह.

મગધ કોરોજી f સભાના ચુલમન
ના મેલે

ਸਹਿਤ

True copy.

ਅਨਮ —

ਮਨਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਅਤੇ - ਸੌ ਸਾਥੀਆਂ - ੫੦ - ਵੀਰ.
ਅਨਮ - ਭੁੱਖੇ ਪਿੰਡ - ਜੀਵਨ - ਸਾਂਝੇ । —

ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ - ਮਨਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ
ਜਿ- ੩-੩ ਵੀਰਵੀਰ - ਸਮੇਂ ਤਰ੍ਹਾਂ - ਮਨਮੋਹਨ - ਕੋਈ -
ਕੁਝ ਨਹੀਂ - ਕਿਹਾ - ਜਾਂਦਾ ਹੈ - ਅਤੇ ਨਹੀਂ - ਅਤੇ ਫਿਰ
ਸੋਚ - ਮਨਮੋਹਨ - ਨਹੀਂ - ਨਹੀਂ - ਅਤੇ ਫਿਰ
ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ — ।

ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ - ਮਨਮੋਹਨ - ਅਤੇ ਮਨਮੋਹਨ
ਅਨਮੋਹਨ - ਨਹੀਂ - ਨਹੀਂ - ਅਤੇ ਫਿਰ - ੩੩ - ੩੩ -
ਫਿਰ - ਅਤੇ ਨਹੀਂ - ਨਹੀਂ - ਅਤੇ ਫਿਰ -
ਅਤੇ ਮਨਮੋਹਨ - ਅਤੇ - ਮਨਮੋਹਨ - ਅਤੇ ਫਿਰ - ੩੩ - ੩੩ -

Agustus Herenij

Chairman - 27-3-42.

Patras Surin

27-3-42.

Assistant - Secretary

K. M. Kamelulna.

27-3-42

Pratikusahay Borth

Pratikusahay Borth

Pratikusahay Borth

Pratikusahay Borth

Pratikusahay Borth

Pratikusahay Borth

Pratikusahay Borth

Pratikusahay Borth

Pratikusahay Borth

27-3-42.

Pratikusahay Borth

27-3-42. ਮਨਮੋਹਨ

ਸਮਝ - 27-3-42.

इसके अलावा - कई और सिरों में व्यभिचार के
अपराधों में - अन्तर्गत के, धर्म शिरा - मरदाबन - 110-2-3-82 ईश्वरी
को - छोटी सजा में रख दिये - गये ।

इस बातसे - समुद्र मुंडा - गलियानो समझान - किमनालीह
 नि - नो - रि - पति को - दिन - से - नालाह मरने के बाद मारे
 इसके लड़के बालों से - खाली - पीना - उठना बैठना - चूना -
 चमक - बंदी बहिन - लेना देना - अदरे के आसमाई के
 रानि देना - गलियान - 1 - मारे इसके - बरिखना - नरना -
 सु - नो - बंदी - बरिखना - नरना - 1

нежен-но то

२५-०३-५८

समालोचि- मातृसुख
हरेः।

हृद-मन चक्षुः

Н. Н. Павлов

11. 23/11/42
from The Rev N. Turkey.
Q.E.L Church Kahupani

To

The President

Q.E.L Church Raneki.

Dated Kahupani The 17th Nov 1942

महामानव! Q.E.L Church President को मेरा प्रिय सहाय,

आगे आप को चिट्ठी नम्बर 2326/42 ता: 4 Nov. 1942

के बाबत यह जानना है, कि सेन्ट्रलैज बन्द करने वालों के
पट्टी में मुख्य लोग तो हैं, परन्तु सेन्ट्रलैज देने वालों के संख्या
ज्यादा है, और मुख्य लोग इच्छा भी हैं। जैसे राजावासा मण्डली
जो सेन्ट्रलैज नहीं जाती है, परन्तु ^{वहाँ} जो वहाँ जाकर देखा गया कि
कितने सारे बहिन लोग सेन्ट्रलैज करने वाले हैं और आगे
सेन्ट्रलैज करेंगे। ऐसा है जहाँ तक आजको दुर्लभ में मुझ को यह
बात मालूम हुई कि उन दो मण्डलियों में भी अर्थात् डो चापागे
और बनमाली जहाँ सेन्ट्रलैज बन्द है, तहाँ के कितने सारे लोग
सेन्ट्रलैज बन्द होने के कारण बहुत आप्रशस्त हैं, परन्तु गिरजा
आलग नहीं किया है। इससे मुझ को मालूम होता है कि
यदि मण्डली शासन नियम वाले सुचारु प्रणाली के अनुसार
सेन्ट्रलैज बन्द करने वालों पर कहीं भी किया जाय तो
सेन्ट्रलैज बन्द करने वालों की शान्ति छोड़े र चल जायगी।

जहाँ तक मैं देखता हूँ कि ये लोग प्रेम से नहीं बनेंगे, आज
आगे ^{कितने} आलसगरी में बैठकर आपके आन्दोलन को बढ़ाना चाहते हैं
और इससे मण्डलियों को भी उलझाते हैं कि सेन्ट्रलैज मत करो,
इसलिए मेरा विचार है कि जो नियम कलिय ०६८ है, उसके
अनुसार को, आगे यह कहीं जल्दी न किया जाय तो दिन २
आन्दोलन बढ़ते जायगा।

युक्त युक्त भाव के साथ ।

N. B. आज जाल हम लोग सब कोई भले चंगे हैं और बिना रोक रोक
हर एक हर एक अपने आप में जा सकता है और सबे सुलभ और
प्रार्थनामय करने के लिये इच्छा करता है।

अधुनी मण्डली में पड़ना गोलपाल के कारण आगे पढ़ने वाले अर्थात् ६ व
आलग गिरजा करते हैं मैं यहाँ के सचिव के साथ प्रेम से इनका
समझाया परन्तु आप में वे उत्तर दिये कि आप लोग लड़की का छोड़ो
सुना उठा किमिसे हम आनन्द से आप लोगों के गिरजा में मिल जायेंगे
यहाँ कुछ नहुआ मण्डली में है
आगे प्रेम से आप का विश्वास N. Turkey

From, Rev. L. Kongari
L. S. L. Church, Kōrogo

To

The Hon. Secretary

L. S. L. Church, Ranchi.

Date Kōrogo the 19th Nov. 1942

Nanyawan

L. S. L. Church Kōrogo Secretary ko yimashay.

Aga ap ko malum howe ki main ne Rev. Ch. Royan Tapani
ko 16/11/42 ko Lombi Parish ka Chap-jimadiya. We pahun-
chde hi nam karne rum kar gaye the. Lombi am Kathu-
pani Parish ka Particels list down ap ko bheji deraha hum.

Donon jagah men bahubarna rahne ka koi bina praband
nahin hai, jiske karan se bahut se baki bar bad hume mile
am kitne nahin mile. Na to almains ne fruntak rahne ka
koi shij am na table shanki hi. Jahan kabin hi rakhe jate the.
Kahupani men deval do Trauti jaina kina hai. Achha hote ki e.e.
iske liye almains adi ka koi praband kar dete jise bahubarna
surakshit rahne ja sakta.

Ap ki chitthi merabik President ko. hamare talap tumhara
hinat kitab am di. Citis adi binai list bheja hum.

Kahupani Bisanigah Kolmel; — Centraline ne karne hare
Lombi men pher masting kiye am than diye hain ki sab kabin
band karawen. Katiya yahi dikela ki Mamabagins mandli men
ji deval am na deval koi doparti thi so ek men milgai am ab
jahan riti se band kar di am Pracharak ke upar jabrai ki doth
laga kar ham se barahen kar diye. Phir Kahupani Parish ka
Rabbar mandli thi October machine se band kar diya. Galti hi
we sacrament down ka upar thi hanth dalt hain. Hosakaga we
sadi fen ka upar thi hanth dalaaga.

Bat itna hi hai ki abhi koi karwai am mandliyon ke upar
gabin kiya gaya hai. isi se we rahak gaye hain. Meri nishchaita
hai ki koi karwai kame se adhikans lot laut jaenge. Umlogon
ka itna hi kahna hai ki mandli raja wthe diya jaye, sab saut hoja-
yga, par ise we kalika ke nigan se Parke nigan ko unchabanam
chakke hain.

Meri to yahi ray hai ki koi karwai (Sadi, Sacrament band
karne) unke upar turant hojaye to gotmal am nahin barhoge.
Aise hi swadhinata rath jaye denge to piche sabron karne
atyant hi khatim hojaye.

Ap ke binwar
L. Kongari

19/11/42

P.T.O.

Ap ki chitthi re malum hunwa ki Naimi Samant
ko prachari ka kam re mhe pita Nivedin Samant
ka centralin band karne ka waja re chhuti milne
ko hai.

Kakrapar ka L.P. Schott C.C. ko adhin hai, waham
ka machar Pras Baga apni bhatiji ke upar jo
C.C. ne mandli raja kayam kiya hai nahin manta
hai aur mandli raja ko molwa dene chahata hai.
Centralin ke band karne mein puna rah bhaqi hai
alag parti daga kar girja shi kanta hai aur wo
ek alag girja shi banane ko kama hain. Embi
ke karan abhi hain mandliyon mil kar centralin
band kiya hain. Cissa golmal karne kama
agune ko waham nahin aur kama kama
achhe nahin koga, ciinde aur adhi golmal
ban ja rakhta hai.

So main to mhe upar ya ki raju hai
ki waham re nahin aur jagah jagah
golmal nahin hai badli kar diya jay
Schott kead Enpurison ke jayga. January
1943 re jayga jay koga chahiga.

Ap ko binwar
L. Korgon.

Particals ^{list} of the E. E. L. Church,
Kahupani Parish. 1942.

1. Frank 2.
 2. Jag 1
 3. Kato 1
 4. Changsi 1
 5. Swanpatar 1
 6. Pench 1
 7. Baptisma Register 1 ✓
 8. Sharm Khoyak Register 1 ✓
 9. Drishpan Register 1 ✓
 10. Maran Register 1 ✓
 11. Pastor Low Register 1 ✓
 12. Mariage Register Book 1 ✓
 13. Parish minute Register 1 ✓
 14. Cash Book 1 (Parish Ka) 1 ✓
 15. Mandli sija - Register 1 ✓
 16. Mandli Graham Register 1 ✓
 17. Sada Register 1 ✓
 18. Mardam Sumari Form (1940-44) ✓
 19. Mandli Jaydad Parana 1 ✓
 20. Sakhras ——— x x —
 21. Purana Mahi — — — — —
 22. Mariage Register Purana 9. 18 Naya 1
- Charge Received on 7-8-1942

from The Ellaka
Chairman

Rev. L. Kijune.
Ellaka Chairman
7/8/42

Rev. Nainoukh Turkey
Charge given to the
Ellaka Chairman
Kahupani
Parish Chairman
Rev. J. Page
7-8-42

List of The Pasticles of G-E. Church Lumbor Parish.

- 1; Mandi Bahiskrit aur Punargrahan bahi - 1
- 2; Wharm Khojoka ka Baptisma bahi - 1
- 3; Maran bahi - 1
- 4; Balhon ka Baptisma bahi - 1
- 5; Whon Dirhapan bahi - 1
- 6; Marriage Register - 1942 - 2 copies.
- 7; " " 1941 - " "
- 8; " " 1940 - " "

Old Copies - 30.

- 9; Files - 2 - 1940.
- 10; Balak Swan bahi 1908 - 1938 - 1
- 11; Punching machine - 1
- 12; Kotora - 1
- 13; Jug - 1
- 14; Plate - 1
- 15; P. Bhaj-Roti dibu - 1
- 16; " " Bhapur - 1
- 17; mardum Sumari - 1941 -
- 18; Pastor's Car bahi - 1
- 19; Mandi Khojana bahi - 1936-38. - 1
- 20; Swan Patra - 1

Rev. T. Bage
16.11.42.

Rev. Ch. R. Jopana.
16.11.42.

Rev. L. Tongani
Vice Chairman
16/11/42

From - Rev. L. Kongur, Kororjo

To

The Secretary,

L. E. L. Church Ranchi,

Date Kororjo the 22nd Dec 1942.

12/11/42
Honyday

Church Council
Received... L.L.L.
Register No... 7
Date... 4-1-43
Re... F-8
Reply No...
Date...

Mangawar

L. E. L. Church Secretary Kororjo Ranchi.

Agar main C.C. ke dithi No 25/42-43/42/F8. Dated the 30th Nov. 1942 ke ammar centralise band karne hain kalisha ke chasampanahi ko na manne hain ulgulani dalong karam nichi dikh deta hun. In ka name ek bar C.C. men rukne nij kafi sakit hoj diya hun.

- I Martin Tiron Mamachajina (Sobhepati); Johan Horro Mamachajina Secretary. Johan Dang Kachupani; David Baga Kachupani; Zakariya Baga Kachupani; Benjamin Baga Dongihariya; Samuel Baga Dongiharia; Manman Samad Sarkapani; Martin Surin Rajabasa; Jiwannanin Buth Ghutbhar; Kuchalmay Dang Rajabasa; Zaahak Dang Tereyan; Zakariya Lugum Ghutbhar; Nmas Baga Kachupani; Yusufh Lugum Sarkapani; Manmukh Baga Ghutbhar; Benjamin Baga & Martin Tiron; Nicodim Samad Keshra.
- II Obed Horro - Lombr Secretary; Prabharahay Kandulua, Lombr; Daniel Dangwar Lombr; Manmukh Dangwar; Elayyasa Horro Lombr; Shilas Lugum Lombr; Junathan Topno Lombr; Suleman Topno Lombr; Philip Samad Lombr; Manmukh Dang Lombr; Tobias Topno Lombr.

Niche main Report pane se unlogon ka nam deta hun jo uprokt logon ke bich men se centralise band karne ke Leader hain and ekhuti saja ke rahin minute hain.

III Leadership ka nam -

- (a) Mamachajina - Martin Tiron (Puka Sobhepati); Johan Horro (Puka Secretary); Patras Mundu mandli Panch; Nihoniya Horro mandli Panch; Zakariya Baga; Bernabas Horro Teacher of the school under C.C. of Mamachajina.
- (b) Kachupani - Johan Dang Biringatoli Kachupani; Nmas Baga; David Baga; Nmas Baga Teacher of Kachupani school under C.C.
- (c) Rajabasa - Nicodim Samad Keshra.
- (d) Sobhepati - Benjamin Kachetta mandli Panch; Patras Dang Prachin Hake member; Abraham Dang; Zakariya Diny 2nd Teacher of Sobhepati school under C.C. (mandli Panch Secretary).
- (e) Lombr ke - upar diya huwa Group No II ke sab log.

IV Golmel Binaiyak baram - Mamachajina ab ek parti huni aur bikkul ab band hojaye. Tilayjara, Lombr mandli ki ek rahne mandli hai woh centralise ko mandli hai, we shan

Khajana bari mandli men chejpe hain, par bari mandli age
na chej kar band karti hai. Birjam bari mandli Rajabara
men apna khajana center karti hain, se centralise ko mauti
hain, par bari mandli se pauch ko nahin chejpe hain.
Kuchra bhi ek Rajabara ke ang hai with centralise ko mauti
hai. Uriti se khas Rajabara keval nahin. Baki Baamshi
aur Gocha sam nahin karti hai. Raibakar samghana se
ab centralise karti hai. Janakhe se melum par
hain ki sabhi mandliyon men centralise band hone se
adhi kam ko nakhuch hain. C.C. ke karnwai dekhne chahi
hain, koi karnwai hone se adhi kam ko laut jaenge.
Baki se ko rah jaenge jo man se karnwai par rah ke
centralise band karti hain.

Chhoti Sapa men rakhi humi Sunami Bage ke bisai —
 yandhe se mahum kiya ki wah ek do Rajabaramen Prabhu-
 bhoy. Mhai. Padri nahin jante the, kisiin usko khat
 ramain nahin bataya, piche se usko batane se
 mahum kiya. Zomen Padri ka den doth nahin hai. Abhi
 tak se us Larki ko nahin pata hua hai. Larki
 jabrai se ya Thithai se jor kar lehi.

Centraline band karne karong ka appeal: — Un logon
ke khatra hai ki "Duke" abhiwa C.C. donon part part
ko notice de kar bulawe aur aisa karat rakhe jay ki
Chhoti saji wale diya jay aur Rs 300/- jo inham part part
me karaya kiya hai woh bhi na de diya jay aur
larkha larkhi ne igher liya jay. Yadi doosri ki to Chhoti-
sajam me rakhe jay aur pap chhama diya jay. —

Is appeal per mere nij bacher - Kalika (C.C.) ne Roost
Samad barta ke parbenabhi dab nikare is matter se. Chhoti jag
Kanyam nahi kanya hai par sachai aur Charan se kanya hai.
Aur ke kahne hai ke. Uka ather C.C. phir se kare karta ke
juchhe - par main samajta hun ki dardur nahi hai, kyunki
Mohan-mangam Rev J. Storch President ke samne ishar
leke ke diya jin per bulai gaye, par parha mantri Martin
Jain aur Nicodim Samad ne aise ne diya. Ab we kacharbas
Wiwabhi kare ke rane chate hain. Parke parti apni bat jag karana
manpte hain aur di khane mangte hain ki C.C. ki kare khul
biche kare hai. Is riti ne parke karon ke Kalika ke karon
se bare banane chate hain. Aur ki aise karon se kare
naye kare hain. Pichhe dardur kare hain jo ab se kare hai.
Aur mere to yahi kare hai ki Kalika ke kare chare hai
Tran hai Parke se nahi.

Tuan hai Perka dan nalam.
Niwedan hai ki e.e. jahan tak bane dihan tak
ke nafhai Meri karama yahan Ridgway ke kins dakt hai,
Saron kama men.

Alpha Pinus
L. Koenig.

To

The Head Supervisor of Schools

To Kahu Pani
G. H. L. Church
Rauchi

G. H. L. Church
Rauchi

हनुमन्त के सामने नमस्कार। हम
कहुपानी के गाँवों का दीन निवेदन यह है
महाराज कृपा करके हम लोगों की माँ की को गुलाम
का कहुपानी मि. सी. बंगुरी स्कूल के गुरु बाबू
और माँ बाबू की कहुपानी के स्कूल से दूसरे स्कूल
में नाम करने की बदली कर देने की से पारिश
करने की कृपा करेंगे -

कारण हम कहुपानी के सब गाँवों से माँ बाबू का
विशेष कारण से जिसको मिशन क्षेत्र के सब
अभिभावक कहुपानी गाँव का इंदिरादेव
गाँवों के माँ बाबू लुधियाना गाँव अदिन जानते हैं
माँ बाबू का नाम बाबू कादर अमानत के
कारण हम लोगों के अलमल को पर डाली
शिवा कादर ही न लुटि है इसलिये हम
लोगों की माँ बाबू हैं - ये जरूर ही बदली कर
जाय।

महाराज कृपा
कर उचित
कराव कर देंगे

बिना पत्र देकर हम लोग हनुमन्त के
माँ बाबू हैं।

माँ बाबू हनुमन्त माँ बाबू
माँ के कृपा अभिलाषी
कहुपानी गाँव के गाँवों।

अ. र. व. Yakhia Sauri

Kahu Pani

28-12-42

Church Journal
Received... Letter...
Register No. 8
Date... 4-1-43
File... F. 8
Reply No...
Date...

I read the petition, showed
that the facts are the same
as it was written
Luther Gamm
Kahu Pani 29/12/42

है पसंदी
दयाधाम का
कहुपानी
अ. क. जकारिया समुदाय
महोदय मनसुख बरला
महोदय सफुल लुधियाना
महोदय माँ बाबू, हनुमन्त
महोदय पौलस. उरुन

Through

The Head Supervisor of Schools

G. E. L. Church

Ranchi

To

The Sub-Superintendent of Schools

Simdega east Circle

Sir

हुजुर के सामने नम्रा के हुजुर पुराक
हम कहुयानी के माईरों का दिन निवेदन
यह है. महाशय कृपा कर के हमलोगों की
आर्जियों को ग्रहण कर कहुयानी मि. सी. वी.
के ही स्कूल के गुरु बाबू बी. एस.
बाग को कहुयानी के स्कूल से दूसरे स्कूल में
काम करने की व्यवस्था कर देने की कृपा
करेंगे।

कारण हम कहुयानी के सब माईरों
से माहुर का विशेष कारण से जिसको
मिश्रित क्षेत्र के सब आधिकार तथा कहुयानी
गांव का इर्द गिर्द सब गांवों के लुटेरन
माईर बहिन जानते हैं. आशुतल अनवन
है आतस व अनवन के कारण हमलोगों के
बालकों पर इनकी शिदा आता है
कुटि है इसलिये हमलोगों की आर्जियों
से जल्द ही व्यवस्था किये जाय।

बिनाय पत्र दे कर हमलोग हुजुर के
आदिशत हैं.

माईरों के हुजुर मालिक हैं.

आप की कृपा आभिलषाशी
कहुयानी गांव के माईरों।

अ. रा. गुड्डिया - सावर

28-12-42

I read the petition, I know
that - the fact - is the same
as it - was written
Lukhar Gauri
Kachupani 28/12/42

सह. योग्य स. लुगुन

सह. मनसुख बरला
सह. स. म. लल्लुगुन
सह. मा. म. स. र. स. र.

24 सह.
अ. रा. म.
कहुयानी
अ. क. ल. क. र. य. म. म.

Thosin
31/12/42
Harry Singh

Church Council
Received Letter
Register No. 146
Date 30-11-42
File F 8
Reply No.
Date

(1914)

केसरा
मे. त. 20-11-1942

महामन्त्रवार सेक्रेटरी लुबेरान चार्च कौन्सिल संची।

आप को मेरा यीशु सहाय।

आगे मैं आप की चिन्ता पायी और आज के अनुसार आपका कर्तव्य काम बड़े कोशिश के साथ फिर जैसी मैं इस गड़बड़ की बात से बहुत दूर में हूँ पर अपरोक्ष की बात कि मैं अपने पिता जी को सम्मानने में असफल हूँ।

मैं तो चार्च कौन्सिल की अधिन में होके अपना कर्तव्य काम करती हूँ। तैसी मराउली आमदानी न सेन्डालाइज होने के कारण मुझको पहिला सजा मिलेगा अर्थात् मेरा पचारिका काम बन्द हो जायगा। मेरे पचारिका काम को बन्द कर देने से यहां का भारी गड़बड़ सान्त होजायगा तो अच्छी बात होगी। और यदि चार्च कौन्सिल महाराष्ट्रगण की यही इच्छा है तो मैं लाचार क्या कर सकती हूँ सो मैं चार्च कौन्सिल महाराष्ट्रगण को दीनता पूर्णक अर्जी करती हूँ कि इस बात पर उचित उचित ध्यान करने की कृपा करेंगे। आगे आप कलीशा के मालिक है। मुल यूक माफ करते की कृपा करेंगे।

लि. आप की आज्ञाधीन
जैसी समद

To

5/2/03

Church Council

The Secretary J-E-L Church Ranch, Letter 79

3/16/1919 Dated

पुनर्वार C & L Church on 15/01/2019 को 11:15 5-2-432-2-43

მიუ ი სტაკა Chairman კონგო, ყ ურუ ბენუ ბე მუ

लोग मनुष्यों को लालच के बले माने वाले हैं। इस लिए मैं आप को कुछ बहुत बातों को कह रहा हूँ, क्योंकि जब हम लोगों को CC से निवृत्ति मिले और उसके अनुसार सेन्ट्रल जेल जाने वालों के लिस्टों का नाम हम लोग लिखने लगे, और और हाथ के समय भी जांच करने लगे कि कौन CC के कैदवाला बिना हुआ छोड़े गया तो नहीं मानते हैं, तो उन मजदूरियों में केवल तीन चार ही मन एलएन नाम के मानने वाले निकले हैं। जो उच्च पन रखते हैं और अपने ही घर में रहने वाले हैं। ऐसा विशेष करने के साथ का निर्यात दिवस गौरव को मजदूरों का मजदूर तिरु गौरव इन से तो गोद के बिलों बिगड़े हुए हैं, ऐसा वे गोद के लोगों को दबाने चाहते हैं, ऐसा ही मजदूरों में भी करने चाहते हैं।

८८ को कहीं बाई का फल ————— रात्रावसा में १०६ घंटे
 काक तीन भाग दिए गिना किया गया है। अभी दो गिना के लोग दिलावर
 महीना १९४२ से सेन्ट्राल में देना शुरू कर दिया है, बाकी एक गिना के
 लोग हैं, उन में से भी सब मानने वाले हैं, केवल तीन बाक़ नर हैं जो सेन्ट्राल में
 रोक लिए हैं, उन के बीच में भी काम काल भाड़ा चल रहा है कि सेन्ट्राल में
 न करने से हम लोग नहीं बनेंगे।

गुजरात के जनमाले माली के आई बरिन में सब मान लिये नही होय
 (बताव है) नम 6-2-43 को सब दिसाव में बन्द किये हैं, देने के लिये
 माल किये हैं।

डोमपात्र परस्त्री में भी ऐसा ही है, वही चालिङ्ग में परतु मानदनी
बाल है निम्न माई परस्त्री डोम प्रचिन सहदे देवा मान लिपा है, अब सेन्नालेन
के विषय आपस में माद रहे हैं।

माय लोगो मो मायु होवे नि छोटी सनाओ - माय होवे माय वहु
 मोड़े वच गये है; निजने तो छोड़े २ माय माय लिखे है। माय मो वकी है वे चलेते हैं
 नि ८८ मोर पड़ा पड़ाया माय लड़का लड़की को ५ माय लेवे। माय वे दल्लो
 पड़ा मोर मोर दल्लो माय पुसिडेन तोस मोर ५ माय लेने रहे दिव, माय
 मोर चलेते है, बात सना है, लड़की को मुल बात दिया दिव है; मोर लड़की
 नल मुल बोलो गी, इस पना से माय हो बात को में रहे मोर ८८ को दिया
 देव चलेते है नि निजना मुल दिया लते है। दल्लो लोगो को मोर मोर
 दल्लो मो माय मोर में माय मोर मोर लिखे वल दल्लो माय, मोर नि -

Church Council

The Secretary
P. S. Church

इस लोम का भी मोति से पड़ है मोति से जो बड़ा समान है; अर्ध के बाल के माधुर्य होने से सफेदा पैसा जो बन्द किया गया है देगे, लेकिन मांग पड़ है ही जो मुख्य

[illegible]

300-400 mm and 100 mm

Mr. Miller and I arrived
in Turkey

פסוקים
 וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע ה' אֶת הַקּוֹל
 וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע ה' אֶת הַקּוֹל

מאמר חזק ונכון על חזקת הדין והצדק

309 HINDI ————— 309 NO 309 NO 309

$\frac{1}{x^2} = x^{-2}$

(3) 1000, 800, 600, 400, 200, 100, 50, 25, 12, 6, 3, 1, 0.5, 0.25, 0.125, 0.0625, 0.03125, 0.015625, 0.0078125, 0.00390625, 0.001953125, 0.0009765625, 0.00048828125, 0.000244140625, 0.0001220703125, 0.00006103515625, 0.000030517578125, 0.0000152587890625, 0.00000762939453125, 0.000003814697265625, 0.0000019073486328125, 0.00000095367431640625, 0.000000476837158203125, 0.0000002384185791015625, 0.00000011920928955078125, 0.000000059604644775390625, 0.0000000298023223876953125, 0.00000001490116119384765625, 0.000000007450580596923828125, 0.0000000037252902984619140625, 0.00000000186264514923095703125, 0.000000000931322574615478515625, 0.0000000004656612873077392578125, 0.00000000023283064365386962890625, 0.000000000116415321826934814453125, 0.0000000000582076609134674072265625, 0.00000000002910383045673370361328125, 0.000000000014551915228366851806640625, 0.0000000000072759576141834259033203125, 0.00000000000363797880709171295166015625, 0.000000000001818989403545856475830078125, 0.0000000000009094947017729282379150390625, 0.00000000000045474735088646411895751953125, 0.000000000000227373675443232059478759765625, 0.0000000000001136868377216160297393798828125, 0.00000000000005684341886080801486968994140625, 0.000000000000028421709430404007434844970703125, 0.0000000000000142108547152020037174224853515625, 0.00000000000000710542735760100185871124267578125, 0.000000000000003552713678800500929355621337890625, 0.0000000000000017763568394002504646778106689453125, 0.00000000000000088817841970012523233890533447265625, 0.000000000000000444089209850062616169452667236328125, 0.0000000000000002220446049250313080847263336181640625, 0.00000000000000011102230246251565404236316680908203125, 0.000000000000000055511151231257827021181583404541015625, 0.0000000000000000277555756156289135105907917022705078125, 0.00000000000000001387778780781445675529539585113525390625, 0.000000000000000006938893903907228377647697925567626953125, 0.0000000000000000034694469519536141888238489627838134765625, 0.00000000000000000173472347597680709441192448139190673828125, 0.000000000000000000867361737988403547205962240695953369140625, 0.0000000000000000004336808689942017736029811203479766845703125, 0.00000000000000000021684043449710088680149056017398834228515625, 0.000000000000000000108420217248550443400745280086994171142578125, 0.0000000000000000000542101086242752217003726400434970855712890625, 0.00000000000000000002710505431213761085018632002174854278564453125, 0.000000000000000000013552527156068805425093160010874271392822265625, 0.0000000000000000000067762635780344027125465800054371356964111328125, 0.00000000000000000000338813178901720135627329000271856784820556640625, 0.000000000000000000001694065894508600678136645001359283924102783203125, 0.0000000000000000000008470329472543003390683225006796419620511416015625, 0.00000000000000000000042351647362715016953416125033982096102557080078125, 0.000000000000000000000211758236813575084767080625169910480512785400390625, 0.0000000000000000000001058791184067875423835403125849552402563927001953125, 0.00000000000000000000005293955920339377119177015629247762012819635009765625, 0.000000000000000000000026469779601696885595885078146238810064098175048828125, 0.0000000000000000000000132348898008494427979425390731194050320490875244140625, 0.00000000000000000000000661744490042472139897126953655970251602454376220703125, 0.000000000000000000000003308722450212360699485634768279851258012271881103515625, 0.0000000000000000000000016543612251061803497428173841399256290061359405517578125, 0.00000000000000000000000082718061255309017487140869206996281450306797027587890625, 0.000000000000000000000000413590306276545087435704346034981407251533985137939453125, 0.0000000000000000000000002067951531382725437178521730174907036257669925689697265625, 0.00000000000000000000000010339757656913627185892608650874535181288349628448486328125, 0.000000000000000000000000051698788284568135929463043254372675906441748142242431640625, 0.0000000000000000000000000258493941422840679647315216271863379532208740711212158203125, 0.000000000000000000000000012924697071142

אשר יצאנו ממצרים ויהי ביום ה' יצאנו ממצרים ויהי ביום ה' יצאנו ממצרים

מסמך מס' 1-2-3-4-5-6-7-8-9-10-11-12-13-14-15-16-17-18-19-20-21-22-23-24-25-26-27-28-29-30-31-32-33-34-35-36-37-38-39-40-41-42-43-44-45-46-47-48-49-50-51-52-53-54-55-56-57-58-59-60-61-62-63-64-65-66-67-68-69-70-71-72-73-74-75-76-77-78-79-80-81-82-83-84-85-86-87-88-89-90-91-92-93-94-95-96-97-98-99-100-101-102-103-104-105-106-107-108-109-110-111-112-113-114-115-116-117-118-119-120-121-122-123-124-125-126-127-128-129-130-131-132-133-134-135-136-137-138-139-140-141-142-143-144-145-146-147-148-149-150-151-152-153-154-155-156-157-158-159-160-161-162-163-164-165-166-167-168-169-170-171-172-173-174-175-176-177-178-179-180-181-182-183-184-185-186-187-188-189-190-191-192-193-194-195-196-197-198-199-200-201-202-203-204-205-206-207-208-209-210-211-212-213-214-215-216-217-218-219-220-221-222-223-224-225-226-227-228-229-230-231-232-233-234-235-236-237-238-239-240-241-242-243-244-245-246-247-248-249-250-251-252-253-254-255-256-257-258-259-260-261-262-263-264-265-266-267-268-269-270-271-272-273-274-275-276-277-278-279-280-281-282-283-284-285-286-287-288-289-290-291-292-293-294-295-296-297-298-299-300-301-302-303-304-305-306-307-308-309-310-311-312-313-314-315-316-317-318-319-320-321-322-323-324-325-326-327-328-329-330-331-332-333-334-335-336-337-338-339-340-341-342-343-344-345-346-347-348-349-350-351-352-353-354-355-356-357-358-359-360-361-362-363-364-365-366-367-368-369-370-371-372-373-374-375-376-377-378-379-380-381-382-383-384-385-386-387-388-389-390-391-392-393-394-395-396-397-398-399-400-401-402-403-404-405-406-407-408-409-410-411-412-413-414-415-416-417-418-419-420-421-422-423-424-425-426-427-428-429-430-431-432-433-434-435-436-437-438-439-440-441-442-443-444-445-446-447-448-449-450-451-452-453-454-455-456-457-458-459-460-461-462-463-464-465-466-467-468-469-470-471-472-473-474-475-476-477-478-479-480-481-482-483-484-485-486-487-488-489-490-491-492-493-494-495-496-497-498-499-500-501-502-503-504-505-506-507-508-509-510-511-512-513-514-515-516-517-518-519-520-521-522-523-524-525-526-527-528-529-530-531-532-533-534-535-536-537-538-539-540-541-542-543-544-545-546-547-548-549-550-551-552-553-554-555-556-557-558-559-560-561-562-563-564-565-566-567-568-569-570-571-572-573-574-575-576-577-578-579-580-581-582-583-584-585-586-587-588-589-590-591-592-593-594-595-596-597-598-599-600-601-602-603-604-605-606-607-608-609-610-611-612-613-614-615-616-617-618-619-620-621-622-623-624-625-626-627-628-629-630-631-632-633-634-635-636-637-638-639-640-641-642-643-644-645-646-647-648-649-650-651-652-653-654-655-656-657-658-659-660-661-662-663-664-665-666-667-668-669-670-671-672-673-674-675-676-677-678-679-680-681-682-683-684-685-686-687-688-689-690-691-692-693-694-695-696-697-698-699-700-701-702-703-704-705-706-707-708-709-710-711-712-713-714-715-716-717-718-719-720-721-722-723-724-725-726-727-728-729-730-731-732-733-734-735-736-737-738-739-740-741-742-743-744-745-746-747-748-749-750-751-752-753-754-755-756-757-758-759-760-761-762-763-764-765-766-767-768-769-770-771-772-773-774-775-776-777-778-779-780-781-782-783-784-785-786-787-788-789-790-791-792-793-794-795-796-797-798-799-800-801-802-803-804-805-806-807-808-809-810-811-812-813-814-815-816-817-818-819-820-821-822-823-824-825-826-827-828-829-830-831-832-833-834-835-836-837-838-839-840-841-842-843-844-845-846-847-848-849-850-851-852-853-854-855-856-857-858-859-860-861-862-863-864-865-866-867-868-869-870-871-872-873-874-875-876-877-878-879-880-881-882-883-884-885-886-887-888-889-890-891-892-893-894-895-896-897-898-899-900-901-902-903-904-905-906-907-908-909-910-911-912-913-914-915-916-917-918-919-920-921-922-923-924-925-926-927-928-929-930-931-932-933-934-935-936-937-938-939-940-941-942-943-944-945-946-947-948-949-950-951-952-953-954-955-956-957-958-959-960-961-962-963-964-965-966-967-968-969-970-971-972-973-974-975-976-977-978-979-980-981-982-983-984-985-986-987-988-989-990-991-992-993-994-995-996-997-998-999-1000-1001-1002-1003-1004-1005-1006-1007-1008-1009-1010-1011-1012-1013-1014-1015-1016-1017-1018-1019-1020-1021-1022-1023-1024-1025-1026-1027-1028-1029-1030-1031-1032-1033-1034-1035-1036-1037-1038-1039

על מנת להשיג את המטרה הזו, נדרש להבין את המצב הנוכחי של המדינה, ואת
האפשרויות הקיימות להשיג את המטרה הזו.

1882

וְהָיָה כִּי יֵרָאֶה הַשָּׁמַיִם וְהָאָרֶץ וְכָל הַבְּרִיאָה וְכָל הַחַיּוֹת וְכָל הַצִּדִּיקִים וְכָל הַקְּדוֹשִׁים וְכָל הַנְּבוֹנִים וְכָל הַגְּמוּלִים וְכָל הַפְּעוּלִים וְכָל הַמַּעֲשִׂים וְכָל הַמִּשְׁפָּטִים וְכָל הַמִּשְׁפָּטִים וְכָל הַמִּשְׁפָּטִים

[illegible][illegible][illegible]

Long 8
C. E. T.
T. H. M.
it-8-42

To
The Secretary
C. E. L. Church, Ranchi

Dated, Koronjo The 6th August 1942

महाराज,

महामाया चर्च कौ मिल, छोरा नागपुर और माहामको
निम्न देवता पूर्वक ओरों जे इलाका नमिचारियों को मारने
निवेदन ।

महाराज -

हम-दोन-दुखियों को मारने पड़ा है कि-हमारे
कोरों जे इलाका-के मोटा नहुपानी पेरिश-के नहुपानी मंडली में
जे गड़बड़ हुई है उसको माहाम-से उस-पेरिश-के राजा बहा, गोमापानी
और वनमली मंडलियों से, और लोन्कोडे पेरिश-के लोन्कोडे और
माहामगिला-मंडलियों से जे मंडली माहामली इलाका-खजाना में
देने का-काम-वर हो गई है हम-मंडली नमिचारियों का मारना-
दुःख और नष्ट पार है कि-हम-लोन्कोडे इलाका-पर विचार
कर कि-जिसे से नष्ट लिखित नष्ट जे जे उन-मंडली के नमिचारियों
को जहां से लिखित माहामली इलाका-में नष्ट भोजी जाती है नष्ट नष्ट-
महाराज स्कोल-पर नहुपाद का जे वलप दे रही है जिसको माहाम से
इलाका-धर नहुपाद पर वलप बदलाव होता है कि-माहाम-
वर्तमान-माहाम-को दिनों में एका-बेला-वक-को लिखे कि वलप
नष्ट पार है। और इसी से हमारे कोरों जे एम. डी. स्कोल-को लिखे कि
जे इलाका-गाल देना है उसको देने में नष्ट पार है और जे नष्ट
महिनो से देन बर्खा है।

फिर जे माहाम इलाका-के मार में कि-कि-नमिचारियों-
के मंडलियां, जे नहुपानी का-गड़बड़ सहा-होगा सब जगह
जिसे दुख माहामली इलाका-को देंगे कि मो जाती रही, ओं कि-
सुना-जाता है कि-उस-सभी-बाद को कि मंडली नष्ट पार है कि-जिसे-
धर नष्ट पार है, को कि मंडली नष्ट पार है कि-धाने पीने में नष्ट पार
देने कादि। इन-सब बातों को जे सुख है इलाका-बहुत-
परिश्रम का जे नष्ट एका-बेर नष्ट पार-पर वे अपने होच, विचार
में आगे बढ़ते जा-रहे हैं। कि-माहाम इलाका-हम-नमिचारियों
को पालने में धन-हो लाया होगा। कि-हम-लोन्को माहाम
सामने से नष्ट पार है जिसे जे जे जे जे जे और उर जे
नहुपाद का-का-ने को इच्छा-रखते हैं।

Forwarded to the Secretary
C. E. L. Church,
Ranchi
From the Akai Chakraborty, Koronjo

१- जिन्ना, इलाहा अहमदल्लो को कर्मचारियों को ज्जे हद्दे लिखवाना
नहीं लावे है. इलाहा-आपना ले वलपन-देवें?

२- नि.मा.इलाहाबाद, इलाहाबाद प्रेस लिमिटेड लाहौर में प्रिंट
प्रेस लिमिटेड लाहौर में प्रिंट ।

३२- दो सवालोंने आ. जवाब हमलोग से प्रेषर महिनाको
मुस-दो में मुने की जागेलारा-सबतेह, जपो'मि-देरी-दोप्यारे
से हम जमिया रियोंआ- दुःख और जादिना-बढ़ ज्यमेगा- हो
महाशय. जाम. हमारे ३२-दुःख की दूर जाले आ. जाके पामरी
लिख गेजने की ज्यपा-जाहेगे ।

इसलानि - नामि यलरि कनानि.

L. Konguri
Vice Chairman
6/8/42.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

प्रचारक - उत्तरक - प्रचारक -

comp. 11
C. S. Singh
11/11/42

F. 8

महा मन्त्रालय

मन्त्रियों को मेरी ओर से
जीव सहाय ।

मैंने आप की रक्षा कर जिद्धा पाई है, उसमें पां न सुवाल
दिने हुए हैं। जिसके अनुसार मैं मैं लिख कर भेजना हूँ।
सुवाल का जवाब, हमारे कदुपानी केश के सम्बन्ध में गोल माल
मौल रहा है, सेरु लाइन करने में जारी कथात पड़च रहा है?
जवाब जा है।

I सुवाल कोसे, जब, कौन कौन? जवाब कहा जाता है कि हम
सुवाल को जोसला कोसे नमज ठहराया जाता है।
उस समय से मौला है जब की C.C. Executive ने जोसला
दिया कि पतरुल बागे और सुसाना बागे ट.इ.इ.को मंडली सुना
मिला तब से यह मौलने का शुरू हुआ है।
तीन मंडलियां (पावासा, धुरवहार वनमाली) यहां के मंडली
प्राचीन, पन्चन रोकनेवाले हैं।

II सुवाल. मैंने अभी तक केवल प्रेस से समझाने का काम किया
अभीत यह की उनको कहा गया कि सेरु लाइन और कदुपानी
केश में कोई प्रकार का सम्बन्ध नहीं है। हर पेरिस बैठकी के
पहिले मंडली प्रकार और प्राचीन, पन्च को लिखा जाता है
कि मंडली आपदनी और खर्च वही खर्चा के साथ और माल-
रिपोर्ट लीते लाओ। तो भी इन उपरोक्त तीन मंडलियों से केवल
मंडली हाल चाल और पूरा रिपोर्ट लाते हैं पर वही खर्चा हिसाब
और रोकड़ नहीं। यहां तक की प्रकार को भी उसमें समिल होने
नहीं देते हैं।

III सुवाल. अभी तक कोई प्रकार का कर्तव्य नहीं किया है।
यह समझके कि गोल माल और न बदे।

IV सुवाल. मेरे समझ में न पेरिसों से न इलाका से रोका जायगा
क्योंकि कदुपानी केश में इलाका भर के कितने लोग मिले हुए हैं।
इस लिये आप मालिक हैं रोकने के लिये उचित उपाय ढुंढ निकालेंगे।
कदुपानी पेरिस में एक दो मंडली जो दरिद्र हिस्से में हैं विप्रियापूर
में बजार होता है बहुत लोग गिरी छोड़ने जाते हैं जिसके कारण
ले कम संख्या में लोग गिरी में रहिर होते हैं, आपदनी न होनेका
यही एक रोग है।
पेरिस भर के हर मंडलियों में जहां जायेगा वहां पाइयेगा वह है
पतवाल पन। आपरोस की बात हमारा खास कदुपानी मंडली
में अधिक लोग इसमें डूबे हुए हैं।

यान सम्बन्ध देने में कानपौर, मंडली पैसा तब ही साधारण लोगों से
वसूल होता है जब उनको घर में शादी होती है।

सुझा मेरा में भागी होने में कामगोर, होवे भी तो निशावाजी समिल होते हैं।

पुराई वा मंडलीआईन माने में भी बटी, जैसा किसीको सजा दिई तो उसके बिषय के प्रवाह बहुत समय तक ऐसी दशा में रह जाते हैं और दूसरे खूस्तान लोग उनसे कोई मिलला न एकर सब बात को काम में समिल होते रहते हैं। कभीर मेंने यही पाया है कि ऐसे लोग मिलजुलता से हाथ मिलाते हैं और कहने पर अपने को दोषीदार नहीं समझते हैं। तोभी मुझे मान लेना पड़ता है अगर मंडली कामगोर की अपनी रजाहों में अपने पद के हेतु मंडली काम में लौलीन रहें तो निश्चय हीक होगा ॥

Amolani 1942.

	R. A. P. 6
April	30. 12. 6
May	63. 3. 6
June	19- 5. 6
	113. 55 6

इसमें उन मंडलियों का हिसाब एक भी मिला हुआ नहीं है जो कि अपनी तक अपनी ही रखा को पूरा करने चाहते हैं। अपनी पूराजावासा, पुरवहार (डोगापानी) पुरवहार (बनगाली) निम्न लिखित मंडलियों से प्राप्त कर लेते हैं।

- १ कहुपानी
- २ कोरेया
- ३ डडवापानी
- ४ रौवहार
- ५ लकड़ा चरा ।

Kahupani
Parish Chairman

21.7.42.

माप के काराजीन
Yakub Bage